शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 08 | गुवाहाटी | मंगलवार, 1 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

राज्य में बिगड़ सकती है कानून व्यवस्था की स्थिति : कांग्रेस पेज 3
हंगामे के बीच सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक 2023 लोकसभा में भी पारित पेज 4
पूर्व की सरकारों की कुनीति व कुशासन से गरीब और बीमारू था यूपी : सीएम योगी पेज 5
सुरक्षित और सुगम सड़क मार्ग से बढ़ी राजस्थान की विकास गति : गहलोत पेज 8

राज्य का हर विस क्षेत्र एक पुलिस जिला होगा : सीएम

25 हजार से अधिक गांवों का मंत्री एवं अधिकारी करेंगे दौरा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम के हर विधानसभा क्षेत्र को एक पुलिस जिला बनाए जाने की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस प्रकार गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरी में अब तक चार जिले हैं। इन 4 जिलों में अलग-अलग डीसीपी की व्यवस्था है। अब विधानसभा क्षेत्रों के होने जा रहे डीलिमिटेशन के तहत गुवाहाटी में विधानसभा क्षेत्र की संख्या 4 से बढ़कर 5 हो जाएगी। जिस कारण अब गुवाहाटी में पांच पुलिस जिले बनाये जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुवाहाटी में फिलहाल थाना की संख्या 19 है। जिसे, बढ़ाकर 34 कर दिया जाएगा। गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरी के अधीनस्थ स्थित सभी पुलिस चौकियों को पुलिस थाना में बदल दिया जाएगा। इसके साथ ही नई पुलिस चौकियां स्थापित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध को नियंत्रित करने के लिए असम को पुलिस राज्य के मॉडल पर तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस को चुस्त और दुरुस्त -शेष पृष्ठ दो पर

2024 से राज्य के सभी निजी कॉलेजों में होंगी मुफ्त ऑनलाइन प्रवेश सेवा : रनोज पेगु

गुवाहाटी। असम के उच्च शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने सोमवार को कहा कि लगभग 1.5 लाख छात्रों ने एकीकृत पोर्टल assamadmission.samarth.ac.in के माध्यम से राज्य के सरकारी और प्रांतीय कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में प्रवेश लिया। यूजी छात्रों के लिए प्रथम वर्ष की कक्षाएं कल यानि 1 अगस्त से शुरू होंगी। मंत्री ने कहा कि असम विश्वविद्यालय सिलचर के तहत आने वाले कॉलेजों, निजी और उद्यम कॉलेजों को छोड़कर, असम के कॉलेजों में कुल 1,49,760 छात्रों को प्रवेश दिया गया है। हम अगले वर्ष से उद्यमों सहित सभी निजी कॉलेजों को मुफ्त ऑनलाइन प्रवेश सेवा प्रदान करेंगे। हालांकि, अन्य सेवाएं इसी वर्ष से उपलब्ध होंगी। मंत्री द्वारा साझा किए गए स्ट्रीम-वार आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक 1,15,000 छात्रों ने कला का विकल्प चुना है। 13,300 छात्रों ने कॉमर्स चुना और 20,300 छात्रों ने साइंस स्ट्रीम में प्रवेश लिया। कॉलेजों में नामांकित महिला छात्रों की संख्या पुरुष छात्रों की तुलना में अधिक है। मंत्री द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 67,400 पुरुष छात्रों और तीन ट्रांसजेंडर की तुलना में 82,400 महिला छात्रों ने प्रवेश लिया।

रोहिंग्या को भारत में घुसाने वाले आठ दलाल गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। रोहिंग्या को भारत में घुसाने वाले 8 दलालों को गिरफ्तार कर लिया है। इस आशय की जानकारी आज असम पुलिस के डीआईजी पार्थसारथी महंत ने अवैध रोहिंग्या घुसपैठ पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दी। इस संवाददाता सम्मेलन के दौरान डीआईजी ने कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों पर प्रकाश डाला। डीआईजी ने कहा कि एसटीएफ 28 जुलाई से रोहिंग्या के खिलाफ अभियान चला रही थी। एसटीएफ ने अभियान में आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ की पांच इकाइयों ने त्रिपुरा से छापा मारकर उन्हें गिरफ्तार किया है। ये भारत-बांग्लादेश सीमा से असम में घुसे थे। एसटीएफ की कार्रवाई में अब तक कुल 12 बदमाशों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि ये दलाल ही हैं जो -शेष पृष्ठ दो पर

लघु उद्योग की मजबूती के लिए कार्य करना महत्वपूर्ण : पीयूष

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि लघु उद्योग को मजबूती देने के लिए कार्य करना बड़ा ही महत्वपूर्ण कार्य है। लघु उद्योग का देश के विकास में बड़ा योगदान है। ये बातें मंत्री हजारिका ने आज नगांव में लघु उद्योग भारती के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती, पूर्वोत्तर की नगांव शाखा के अंतर्गत धरमतुल उच्चतर -शेष पृष्ठ दो पर

एनआईटी-सिलचर में रसोइयों से मारपीट तीन गार्ड निलंबित

सिलचर। असम के सिलचर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में छात्रों के एक समूह द्वारा मोबाइल फोन चोरी करने के संदेह में रसोइयों से मारपीट करने के बाद तीन निजी सुरक्षाकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। यहां के अधिकारियों ने सोमवार को मामले से संबंधित जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में उन्होंने जांच शुरू कर दी है और संस्थान ने भी जांच के आदेश दे दिए हैं। वहीं, एनआईटी के -शेष पृष्ठ दो पर

बजरंग दल शिविर में हथियार प्रशिक्षण विपक्षी दल ने की कार्रवाई की मांग

गुवाहाटी। विपक्षी दल कांग्रेस और सीपीआई (एम) ने सोमवार को असम के दरंग जिले के एक स्कूल में हाल ही में बजरंग दल द्वारा कथित पांच दिवसीय हथियार प्रशिक्षण शिविर पर कार्रवाई और जांच की मांग की, जैसा कि एक वायरल वीडियो में दिखाया गया है। कांग्रेस विधायक दल के नेता देबब्रत सैकिया ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को लिखे पत्र में आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई करने और जिला प्रशासन की भूमिका की जांच करने की मांग की। प्रशासन ने कैसे -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्बांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

एसआई जूनमणि राभा हत्याकांड मामला

एसपी लीना दलै से सीबीआई ने की पूछताछ

गुवाहाटी (हि.स.)। सीबीआई ने नगांव जिले की तत्कालीन पुलिस अधीक्षक लीना दलै से आज पूछताछ की। उन्हें एसआई जोनमणि राभा की मौत के मामले में नामजद किया गया था। उल्लेखनीय है कि 16 मई की रात को एक रहस्यमय सड़क दुर्घटना में मारिकलंग टाउन पुलिस थाने की प्रभारी जूनमणि राभा की हुई मौत के बाद सीबीआई द्वारा घटना की जांच की मांग की गई थी। इस बीच, सीबीआई की डीआईजी लवली कटारिया के नेतृत्व में एक टीम ने नगांव और लखीमपुर जिलों का दौरा किया और मामले में शामिल लगभग हर व्यक्ति से पूछताछ की। नकली सोने और नकली नोटों के कारोबार में शामिल कई लोगों से भी सीबीआई की इस टीम ने पूछताछ की है। सीबीआई की टीम ने कोलियाबर में उस विशेष स्थान का दौरा किया जहां जोनमणि राभा का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। -शेष पृष्ठ दो पर

बृजमंडल यात्रा के दौरान विहिप व बजरंग दल के वाहनों पर हमला, दो दिन के लिए इंटरनेट बंद

नूंह/गुरुग्राम (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल गुरुग्राम की बृजमंडल यात्रा के दौरान नूंह में सोमवार को उपद्रवियों ने वाहनों पर पथराव और आगजनी की गई है। बृजमंडल यात्रा के दौरान उपद्रवियों ने जमकर बवाल किया। इसके बाद पुलिस ने बाजार बंद करा दिए और नूंह और हथीन में इंटरनेट सेवाओं को भी बंद कर दिया गया है। राज्य के गृह मंत्री अनिल विज ने शांति बहाल करने और मौके पर अधिक संख्या में पुलिस बल तैनात करने की बात कही है। इस संबंध में विज ने केंद्र सरकार से भी बात की है। बताया गया कि सोमवार की सुबह गुरुग्राम के सिविल लाइन से शुरू हुई बृजमंडल यात्रा जैसे ही मेवात में पहुंची तभी उपद्रवियों ने हमला कर दिया। उपद्रवियों ने पुलिस पर भी जमकर पथराव कर दिया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस ने बाजार बंद करवा दिए। नूंह और हथीन में इंटरनेट सेवाओं को भी बंद कर दिया गया है। इस विवाद के कारण मंदिर में हजारों लोग फंसे हैं। लोगों का कहना है कि मेवात में ब्रज मंडल यात्रा पर स्थानीय अराजक लोगों ने उस वक्त हमला बोल दिया, जब सैकड़ों लोग वाहन पर सवार होकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने नूंह -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नौकरी के बदले जमीन मामला

लालू के परिवार से जुड़ी संपत्तियां जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के परिवार से जुड़े कई लोगों की छह करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। एजेंसी ने संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आदेश जारी किया है। एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, जब्त की गई संपत्ति में पटना और गाजियाबाद में हैं। कार्रवाई ऐसे वक्त की गई, जब करीब एक महीने पहले ही सीबीआई ने -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी पर मुस्लिम पक्ष को अपनी ऐतिहासिक गलती को स्वीकार करना चाहिए : योगी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर पर विवाद के बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि ज्ञानवापी को मस्जिद कहेंगे तो फिर विवाद होगा। हमें ज्ञानवापी बोल देना चाहिए। मुस्लिम पक्ष को अपनी *ऐतिहासिक गलती* स्वीकार करनी चाहिए और समाधान पेश करना चाहिए। सीएम योगी ने आगे कहा कि मेरा मानना है कि भगवान ने जिसे भी दर्शन का सौभाग्य दिया है, उसे दर्शन करना चाहिए। एक त्रिशूल एक मस्जिद के अंदर क्या कर रहा है? किसी ने इसे वहां नहीं रखा। अंदर सुरक्षा के लिए केंद्रीय बल तैनात है। सीएम ने कहा कि ज्ञानवापी के अंदर भौतिक और अन्य पुरातात्विक साक्ष्यों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। आप इतिहास को तोड़-मरोड़ सकते हैं लेकिन ऐतिहासिक सबूतों को नहीं, वहां की दीवारें हकीकत बयां कर रही हैं। मुझे लगता है कि मुस्लिम पक्ष को स्वीकार करना चाहिए कि ऐतिहासिक गलती हुई है और उन्हें इसका समाधान निकालना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मुस्लिम समुदाय से -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व शांति के लिए भारतीय संस्कृति की ओर देख रही दुनिया : गडकरी

गुरुग्राम (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दुनिया में निराशा का भाव फैला है। आज विश्व शांति के लिए दुनिया भारतीय संस्कृति की तरफ देख रही है। हमारे संतों ने विदेशों की धरती पर हमारी संस्कृति, विरासत और इतिहास का प्रचार-प्रसार किया है और वहां के लोगों को नई दिशा दी है। हमारी उपासना पद्धति अलग-अलग हो सकती है, लेकिन संस्कृति, विरासत, इतिहास एक है और यही भारत की विशेषता है। केंद्रीय मंत्री गडकरी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जहां लक्ष्मी (धन) का निवास होता है, वहां सहज ही सुख-संपदा आ जुड़ती है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मंदिर में श्रद्धालुओं पर गिरा बिजली का तार, 39 झुलसे

रीवा (हि.स.)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में लौर थाना क्षेत्र अंतर्गत देवतालाब के शिव मंदिर में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। सावन के चौथे सोमवार को यहां पूजन-अर्चन के दौरान बिजली तार टूट कर श्रद्धालुओं के ऊपर गिर पड़ा। हादसे में 39 श्रद्धालु घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने तुरंत स्थानीय लोगों की मदद से बिजली सप्लाई बंद कराई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : सुनवाई के दौरान प. बंगाल राजस्थान का नाम आने पर भड़के सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हुई हिंसा को *अभूतपूर्व* करार दिया और पश्चिम बंगाल, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और केरल जैसे विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में इसी तरह की कथित घटनाओं को लेकर दायर याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। मणिपुर में जातीय हिंसा से संबंधित विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली शीर्ष अदालत को अधिवक्ता बांसुरी स्वराज ने बताया कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं पर भी विचार करने की जरूरत है और जो तंत्र विकसित करने की मांग की गई है उसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जाना चाहिए। बांसुरी ने कहा कि भारत की बेटियों को सुरक्षित रखने की जरूरत है। मई में मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की भयावह घटना सामने आने के बाद बंगाल एवं छत्तीसगढ़ में भी ऐसी ही घटनाएं हुईं। एडवोकेट ने कहा कि एक वीडियो सामने आया जिसमें भीड़ ने एक पंचायत चुनाव उम्मीदवार को निर्वस्त्र कर दिया और उसे हावड़ा जिले (पश्चिम बंगाल में) के एक गांव में घुमाया। पंचायत चुनाव में हुई हिंसा के दौरान एक अन्य उम्मीदवार को भी -शेष पृष्ठ दो पर

रत्नगर्भा में दंपत्ति को मिला 40 लाख का हीरा

पन्ना (हि.स.)। हीरों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध मध्य प्रदेश के पन्ना जिले की रत्नगर्भा धरती आज भी हीरे उगल रही है। यहां कब किसकी किस्मत चमक जाए, कहा नहीं जा सकता। सोमवार को यहां नोएडा निवासी मीणा सिंह पत्नी राणा प्रताप सिंह को 8.01 कैरेट का जेम क्वालिटी का हीरा मिला है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपए बताई जा रही है। इसके पहले भी इस दंपत्ति को 11 हीरे मिल चुके हैं। राणा प्रताप सिंह उत्तर प्रदेश के नोएडा के रहने वाले हैं। वे वहां पर बिल्डिंग मटेरियल का कारोबार करते थे। पन्ना की हीरा खदानों के बारे में उन्हें उनके यहां काम करने वाले पन्ना जिले के मनोज दास और सतना जिले के सत्यम द्वारा बताया गया था। हीरा खदान की जानकारी मिलने के उपरांत उनके मन में भी जिज्ञासा जागी की क्यों ना किस्मत आजमाई जाए और हीरा खदान लगाई जाए। वह अपने मुनीम को बिल्डिंग मैटेरियल का काम सौंपकर खदान लगाने पन्ना चले आए। पहली बार उन्हें 9 सितंबर 2021 को हीरा कार्यालय से खदान उत्खनन के लिए अपनी पत्नी के नाम पट्टा लिया। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सुरक्षित, मजबूत असम हमारी प्रतिबद्धता : अतुल बोरा

कोकराझार (हि.स.)। असम गण परिषद के लोकसभा क्षेत्र आधारित विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन का अंतिम और 14वां सम्मेलन आज कोकराझाड़ शहर के बोडोफा सांस्कृतिक प्रकल्प में पार्टी अध्यक्ष और मंत्री अतुल बोरा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बराक, ब्रह्मपुत्र पहाड़, भय्याम (मैदानी क्षेत्र) में इसका आयोजन होने के आज कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र में अगप कार्यकर्ताओं का सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यकर्ताओं के उत्साह और जोश को देखते हुए अध्यक्ष बोरा ने कहा कि आगामी चुनावों में निष्ठावान पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी को मजबूत किया जाएगा और पार्टी को एक नया जीवन दिया जाएगा। बोरा ने यह भी कहा कि जमीनी स्तर पर समर्पित कार्यकर्ताओं का त्याग, समर्पण और उत्साह अगप की मुख्य प्रेरक शक्ति है। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने कोकराझाड़ में अगप के इन अथक सैनिकों से कोकराझाड़ के लोगों का प्यार और आशीर्वाद लेने और कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अगप के संगठनात्मक आधार को मजबूत करने पर गंभीरता से ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। बैठक की शुरुआत में सहयोगी यूपीपीएल के कई केंद्रीय पदाधिकारियों ने अध्यक्ष अतुल बोरा और कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत को बधाई दी। बैठक में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केशव महंत ने कहा कि बोडोलैंड स्वायत्त क्षेत्र में असम गण परिषद (अगप) में मजबूती से ऊर्जा का संचार हुआ है और असम गण परिषद ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी के दिल को छुआ है। कार्यकारी अध्यक्ष महंत ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष अतुल बोरा के मजबूत नेतृत्व में पार्टी एक नई विचारधारा के साथ आगे बढ़ रही है। महंत ने कहा कि विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन में अनगिनत कार्यकर्ताओं के स्वत:स्फूर्त समर्थन के कारण बोडोलैंड स्वायत्त क्षेत्र में संगठनात्मक आधार को मजबूत करने के लिए विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन में जोर-शोर से जुटे हुए हैं। महंत ने कहा कि गठबंधन के एक मजबूत साझेदार के रूप में असम गण परिषद हमेशा बीटीआर के सर्वांगीण कल्याण के लिए सहयोग करेगा। सम्मेलन का स्वागत भाषण पार्टी महासचिव भूपेन राय ने दिया। पार्टी के वरिष्ठ नेता फणिभूषण चौधरी ने भी पार्टी के संगठनात्मक पहलू को मजबूत करने पर बात की। अगप केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष प्रशांत कुमार बरुवा, ज्योतिष दास, तारा प्रसाद दास, दिलीप पाटगिरी, अकरम हुसैन, महासचिव सत्यब्रत कलिता, अगप के कोकराझाड़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत जिला समितियों और विधान परिषदों के सचिव, पदाधिकारी, अध्यक्ष, सचिव और अधिकारी, अगप, असम युवा परिषद के विभिन्न स्तरों के वरिष्ठ-जूनियर नेता और पदाधिकारी आज की बैठक में शामिल हुए।

वशिष्ठ प्रेस क्लब के सदस्यों ने चलाया सफाई अभियान

विश्वनाथ। गुवाहाटी महानगर के बेलतला इलाके में बशिष्ठ प्रेस क्लब के सदस्यों ने आज सफाई अभियान चलाया। ज्ञात है कि सावन के महीने में जब कांवरिए बशिष्ठ गंगा नदी से जल लेकर शुक्लेश्वर महादेव के मन्दिर में जल चढ़ाने जाते हैं उस समय पूरे गुवाहाटी में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा उनकी सेवा में भिन्न भिन्न प्रकार के खाद्य और पेय पदार्थों का वितरण किया जाता है, प्राय: देखा जाता है कि रविवार संध्या समय आरंभ होकर पुरी रात खाद्य पदार्थों के वितरण के बाद संगठन के अधिकतर सदस्य सफाई के प्रति लापरवाह हो जाते हैं जिससे पूरे क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध के साथ ही बीमारी फैलने का डर बना रहता है, इसी को देखते हुए वशिष्ठ प्रेस क्लब के सदस्यों ने बशिष्ठ चारली से लखीमंदिर तक सफाई अभियान चलाया, क्लब के सदस्यों ने सभी सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संगठन के लोगों से अनुरोध किया है कि आप लोगों का कार्य बहुत ही सराहनीय है लेकिन एक अच्छा शहरी होने के नाते आप लोगों को साफ सफाई के प्रति भी अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

असम चर परिषद ने अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा, समेत सर्वानंद सोनोवाल और गड़करी को सौंपे ज्ञापन

नगरबेड़ा (विभास)। असम चर परिषद के एक समूह ने गत 27 जुलाई को नई दिल्ली में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा साहब से मुलाकात की अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में असम के चर क्षेत्रों में विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर वहां रहे चरवासियों को ओबीसी का दर्जा देने, एक महिला विश्वविद्यालय की स्थापना, कम से कम पांच महिला कॉलेजों की स्थापना, आधुनिक सुविधाओं के साथ 100 बेड वाले पांच अस्पताल बनाने की मांग की गई है। इसके अलावा राज्य में अमानवीय और असंवैधानिक कार्यों को अवगत कराया गया। विशेष रूप से अल्पसंख्यक मुसलमानों के साथ भेदभाव जैसी समस्याओं पर अवगत कराया गया। दूसरी ओर असम चर परिषद

की ओर से केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को एक अन्य ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से नगरबेड़ा-बामुंडोंगरा संपर्क पुल, बहरी-सोनतली संपर्क पुल, नगरबेड़ा-आलोपति माजरचर संपर्क पुल, शिमलीटोला-बाघमारा संपर्क पुल, बारीगांव मयनबाड़ी संपर्क मार्ग के निर्माण की मांग उठाई गई। वहीं एक अन्य ज्ञापन केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल को भी सौंपा गया। जिसमें बरपेटा जिले के खोलाबांदा में एक जहाज बंदरगाह के निर्माण के साथ-साथ चरक्षेत्र में एक आयुर्वेदिक अस्पताल के निर्माण की मांग की गई है। इसके अलावा, असम चर परिषद के दल ने असम के सांसद गौरव गोगोई और सांसद अब्दुल खालेक के साथ शिष्टाचार बैठक की, जिसमें चर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के साथ-साथ निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण पर चर्चा की गई।

तेरापंथ धर्मस्थल में सामूहिक जप अनुष्ठान

गुवाहाटी (विभास)। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वी स्वर्णरेखाजी ठाणा-4 के पावन सान्निध्य एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में सोमवार को सुबह 10 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में सामूहिक नमस्कार महामंत्र जप अनुष्ठान का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 200 बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जप अनुष्ठान का शुभारंभ साध्वीश्रीजी ने करवाया। मंत्रजप से चित्त पावन होने लगता है। रक्त के कण पवित्र होने लगते हैं। दु:ख, चिंता, भय, शोक, रोग आदि निवृत होने लगते हैं। मंत्रजप करने से मनुष्य के अनेक पाप-ताप भस्म होने लगते हैं।

रंगिया *बी डिवीजन* फुटबॉल लीग में कमलपुर एफसी सेमीफाइनल में पहुंची

रंगिया (विभास)। रंगिया जिला खेल संघ के सौजन्य से जयंतीपुर योगेश्वर विद्यापीठ हाईस्कूल खेल मैदान में चल रहे रंगिया *बी डिवीजन फुटबॉल लीग* प्रतियोगिता का

आज अंतिम लीग मैच खेला गया। इस खेल में कमलपुर एफ सी ने अच्छा खेल प्रदर्शन करते हुए खैराबाड़ी फुट गोधुली क्लब को 2 गोल दिया परंतु अति आमोदजनक खेल खेलते हुए फुट गोधुली क्लब ने दोनों गोल का भुगतान किया। दूसरी ओर कमलपुर एफ सी के नंबर 7 जर्सी धारी खिलाड़ी जीतू दास और खैराबारी फुट गोधुली क्लब के नंबर 5 जर्सी धारी खिलाड़ी संजीव कलिता ने अनैतिक खेल का प्रदर्शन करने के लिए दोनों को रेफरी ने रेड कार्ड दिखाकर खेल के मैदान से बाहर कर दिया। खेल का संचालन रेफरी रिजुल हक चौधुरी, सहिदुल आलम, तपन शर्मा एवं पहरेद अली अहमद ने किया। उल्लेखनीय है कि लीग के प्वाइंट के अनुसार कमलपुर एफसी, बाईहाटा चाराली के प्रक्षालन क्लब, केतेकीबारी ज्ञानदा संघ और पीतांबर बरदै क्लब ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य का हर...

बनाने की पूरी तैयारी की गई है। वहीं मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि वह सामाजिक बुनियादी ढांचे की कमी और विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के स्तर को समझने के लिए मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के साथ 15 दिनों की अवधि में राज्य के 25,501 गांवों का दौरा करेंगे। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शासन को सीधे लोगों तक ले जाने के लिए *सार्वजनिक समाधान* नामक एक व्यापक कार्यक्रम के जरिये लोगों की नब्ज को समझने की एक पहल शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अधिकारी सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के आंकड़े एकत्र करने और उनकी पहुंच का आकलन करने के लिए मंत्रिस्तरीय दौरे से पहले हर गांव में जाएंगे। इन गांवों का मंत्रिस्तरीय दौरा एक से 15 अक्तूबर के बीच होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापक स्तर पर आंकड़े संग्रह करके सभी योजनाओं के लाभार्थियों की संतृप्ति सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई कमी है तो उसे दूर करने के लिए अधिकारी ग्रामीण स्तर पर सामाजिक बुनियादी ढांचे का निरीक्षण करेंगे।

लघु उद्योग की...

माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में आयोजित *ग्रामकला समारोह* में उपस्थित होकर मैं काफी प्रभावित हुआ हूं। उन्होंने कहा कि 1994 में अपनी स्थापना के बाद से लघु उद्योग भारती भारत के विभिन्न हिस्सों में स्वदेशी उद्योग में काम करने वालों को प्रोत्साहित कर प्रशिक्षण और अन्य सुविधाएं प्रदान कर रहा है। मंत्री हजारिका ने कहा कि 2016 से लघु उद्योग भारती पूर्वोत्तर भारत के घरेलू उद्योग से जुड़े कई लोगों को छोटे व्यवसायों के लिए सहयोग दे रहा है। उल्लेखनीय है कि यहां आयोजित इस समारोह में आयोजकों द्वारा मोरीगांव जिले के 150 से अधिक कलाकारों को प्रशिक्षण दिया गया। मंत्री ने कहा कि मैं आयोजकों के इस प्रयास की सराहना करता हूं और कामना करता हूं कि इस प्रयास की यात्रा आने वाले समय में जारी रहे। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में लघु उद्योग की भूमिका बहुत बड़ी है। पदाधिकारियों और उत्साही कलाकारों को उन्होंने शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मोरीगांव के जिला उपायुक्त देबाशीष शर्मा, धरमतुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य प्रभात डेका, लघु उद्योग भारती, पूर्वोत्तर के अध्यक्ष मनोज लुंडिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एनआईटी-सिलचर में ...

एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना पिछले सप्ताह परिसर में हुई और इसका वीडियो सप्ताहांत में सार्वजनिक हुआ। उन्होंने बताया कि इस घटना को रोकने में विफल रहे तीन सुरक्षाकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मामले की जांच के लिए संस्थान ने 15 सदस्यों की एक समिति का गठन किया है, जिसे चार अगस्त तक रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। बता दें कि, मोबाइल फोन चुराने का आरोप लगाते हुए छात्रों द्वारा तीन रसोइयों की पिटाई करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद से सोशल मीडिया पर एनआईटी के छात्रों की बर्बरता की कड़ी निंदा की जा रही है।

बजरंग दल शिविर में ...

अनभिज्ञ आयोजकों को ऐसा शिविर के आयोजन करने की अनुमति दी। मालूम हो कि बजरंग दल के सदस्यों को मंगलदै के एक स्कूल में हथियारों का प्रशिक्षण लेते हुए दिखाने वाला एक वीडियो सोमवार को वायरल हो गया। सैकिया ने मुख्यमंत्री से शिविर के आयोजकों के साथ-साथ राज्य के अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया। क्योंकि इसका उद्देश्य विभिन्न समुदायों, धर्म और भाषाई संबद्धताओं के लोगों के बीच विभाजन पैदा करना है। यह पहली बार नहीं है कि इस तरह के शिविर आयोजित किए गए हैं। गौरतलब है कि 2017 में भी बजरंग दल ने एक शिविर का आयोजन किया था जहां हथियारों का प्रशिक्षण दिया गया था और कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। राज्य के विपक्षी नेता ने आगे कहा कि 2019 में भी, उन्होंने विभिन्न हिस्सों में इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए थे। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए उपाय किए जा रहे हैं, प्रतिक्रियावादी ताकतों का एक वर्ग राज्य में कानून और अव्यवस्था की स्थिति पैदा करने के लिए धार्मिक उन्माद भड़काना चाहता है। सीपीआई (एम) ने यह भी मांग की है कि पुलिस को तुरंत इस बात की जांच करनी चाहिए कि बजरंग दल के सदस्य खुलेआम आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं और *इससे राज्य में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की साजिश* बताया है। सीपीआई (एम) के राज्य सचिव सुप्रकाश तालुकदार ने एक बयान में कहा कि ये घटनाएं राज्य में शांति और सद्भाव के लिए खतरा हैं जो कि बड़ी चिंता का विषय हैं। तालुकदार ने आरोप लगाया कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद से ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं और मुख्यमंत्री, जिन्होंने अक्सर विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन को विफल करने का प्रयास किया है, बजरंग दल की ऐसी जबरदस्त सांप्रदायिक गतिविधियों पर चुप हैं। हालांकि, संपर्क करने पर एक पुलिस अधिकारी ने घटना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

एसपी लीना दलै से ...

बता दें कि जोनमणि राभा की मौत के बाद उनकी मां सुमित्रा राभा ने 19 मई को जखलाबंधा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में उन्होंने नगांव जिले की तत्कालीन पुलिस अधीक्षक और हैलाकांदी की वर्तमान पुलिस अधीक्षक लीना दलै का भी नाम लिया था। शिकायत के अनुसार, जूनमणि राभा के एक्सीडेंट के बाद दूसरी रात लीना दलै ने जूनमणि राभा के आवास पर छापा मारा था। लीना कई महत्वपूर्ण दस्तावेज ले गई और एक लाख रुपए से अधिक की राशि ले गई। राज्य में इस बात को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया हुई कि जूनमणि राभा मामले की एक महीने से अधिक समय से जांच कर रही सीबीआई टीम से प्राथमिकी में नाम होने के बावजूद अब तक लीना से पूछताछ क्यों नहीं की गई। सीबीआई ने आज गुवाहाटी में एक अज्ञात स्थान पर लीना दलै से पूछताछ की है। हालांकि, इस पूछताछ के दौरान उनसे क्या सवाल पूछे गए हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

बृजमंडल यात्रा के ...

स्थित नल्हड़ शिव मंदिर में जा रहे थे। गुरुग्राम के विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह का कहना है कि यह हमला अचानक हुआ है। कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। इनमें एक मीडिया की गाड़ी और दो पुलिस की गाड़ियां भी शामिल हैं। यात्रा पर हुए हमले में यह जानकारी जरूर सामने आ रही है कि यात्रा पर हमला करने के लिए शरारती तत्वों ने पहले से ही तैयारी की हुई थी। लोग तलवार और कट्टा लेकर नूंह में छिपे हुए थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नूंह के साथ-साथ गुरुग्राम और पलवल पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। प्रशासन ने अराजक तत्वों पर काबू पाने के लिए गुरुग्राम और पलवल जिला से अतिरिक्त पुलिस फोर्स बुलाई है। इसी बीच जानकारी मिली है कि नूंह में बवाल के बीच उपायुक्त रात 8:30 बजे दोनों गुटों के साथ बैठक करेंगे। हरियाणा के नूंह जिले में हिंसा के बाद इंटरनेट सेवा 2 अगस्त तक निलंबित कर दी गई है। नूंह हिंसा की घटना को लेकर राज्य के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि मौके पर पर्याप्त संख्या में बल तैनात किया जा रहा है। हमने केंद्र से भी बात की है। हम वहां शांति बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं। जहां-जहां पर लोग फंसे हुए हैं, उन्हें निकाला जा रहा है।

लालू के परिवार ...

इस मामले में लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और उनके बेटे वर्तमान उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ एक नया आरोप पत्र दायर किया था। सीबीआई के मुताबिक, नौकरी के बदले जमीन घोटाले से संबंधित एक मामले में तत्कालीन रेल मंत्री, उनकी पत्नी, बेटे, पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर) के तत्कालीन जीएम, डब्ल्यूसीआर के दो सीपीओ, निजी व्यक्तियों, निजी कंपनियों सहित 17 आरोपियों के खिलाफ नामित अदालत में यह दूसरा आरोप-पत्र है। इससे पहले सीबीआई ने 18 मई 2022 को तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री और उनकी पत्नी, दो बेटियों, अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों सहित 15 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस मामले में ईडी ने पिछले कुछ महीनों में लालू प्रसाद की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, बेटियों मीसा भारती, चंदा यादव और रागिनी यादव सहित उनके बच्चों का बयान दर्ज किया था। कथित घोटाला उस वक्त का है, जब लालू यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्री थे। ईडी और सीबीआई का आरोप है कि 2004-09 के दौरान भारतीय रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में ग्रुप-डी पदों पर विभिन्न व्यक्तियों को नियुक्त किया गया था और बदले में संबंधित व्यक्तियों ने अपनी जमीन लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों को हस्तांतरित कर दी थी।

ज्ञानवापी पर मुस्लिम...

अपील करेंगे कि आज हमें विकास के बारे में बात करनी चाहिए। पाकिस्तान की दुर्दशा हम सब देख सकते हैं, जो दूसरों का बुरा चाहेंगे, वे स्वयं कष्ट सहेंगे। आज पाकिस्तान में जो कुछ भी हो रहा है, वह उनके किए का ही नतीजा है। आज पाकिस्तान भुखमरी से परेशान है और अपनी करतूतों से जूझ रहा है, इसलिए हमें अपनी पिछली गलतियां नहीं दोहरानी चाहिए। इस दौरान एक और अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश संविधान से चलेगा, मत और मजहब से नहीं। देखिए मैं ईश्वर का भक्त हूं, लेकिन किसी पाखंड में विश्वास नहीं करता हूं। आपका मत, आपका मजहब, अपने तरीके से होगा, अपने घर में होगा। अपनी मस्जिद, अपने इबादतगाह तक होगा। सड़क पर प्रदर्शन करने के लिए नहीं और इसको आप जो है किसी भी अन्य तरीके से दूसरे पर थोप नहीं सकते। नेशन फर्स्ट। अगर देश में किसी को रहना है तो राष्ट्र को सर्वोपरि मानना है, अपने मत और मजहब को नहीं।

विश्व शांति के लिए ...

सोमवार को गुरुग्राम में बनने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास के बाद संबोधन कर रहे थे। इसी के साथ ही तीन दिवसीय संस्कृति महोत्सव भी संपन्न हो गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी और मेघालय के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, सांस्कृतिक केंद्र के संरक्षक लक्ष्मी नारायण भाला व मुख्य संयोजक अमित जैन सहित अन्य गणमान्य लोग भी मंच पर उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने धर्मनिरपेक्षता पर बोलते हुए कहा कि इसे समझना जरूरी हैं। शासन को धर्म निरपेक्ष होना चाहिए, व्यक्ति कभी धर्म निरपेक्ष नहीं हो सकता। सेक्यूलर शब्द का अर्थ भी सर्व धर्म सम्भाव है। धर्म का संबंध कर्तव्य के साथ होता है। हिंदुत्व का अर्थ जीवन पद्धति है। हमारा इतिहास, संस्कृति हमें विरासत से मिली हैं। रामायण, महाभारत और साधु-संतों के मार्गदर्शन से मिली है। मंत्री गडकरी ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य किसान, गरीब का कल्याण करना है। विश्व में जो भी निराशा फैली हुई है, उससे निकालने के लिए हमारी संस्कृति को दुनिया में फैलाना है और यह केंद्र निश्चित ही यह कार्य करेगा। गडकरी ने कहा कि अलग भाषा, अलग भेष, अलग-अलग रहन-सहन होने के बावजूद हमारी संस्कृति एक है। यही भारत की विशेषता, श्रेष्ठता है। हमारी भारतीय संस्कृति, मूल्यदृष्टि जीवन पद्धति, मूल्य दृष्टि परिवार पद्धति विश्व के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। स्वाभाविक रूप से हमारा इतिहास, हमारी संस्कृति, हमारी विरासत, हमारा साहित्य, हमारी कलाएं इन सब बातों का जतन करना ही हमारे समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। किसी भी देश के इतिहास में उसका अगर भविष्य हमें देखना है तो स्वाभाविक रूप से उस देश का इतिहास, संस्कृति और दोनों के आधार पर समग्र जीवन का जो परिणाम होता है, उस पर ध्यान देना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारी संस्कृति की रक्षा करते हुए और इस संस्कृति का महत्व पूरे विश्व के लोगों तक पहुंचाने में हमारे भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। हमारी पारिवारिक पद्धति, भारतीय संस्कृति, योगा, आयुर्वेद दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे विचार कितने भी श्रेष्ठ हो, हमारे सिद्धांत कितने भी श्रेष्ठ हो, पर जहां हम जाते हैं वहां के लोगों को उनकी भाषा में समझाना उतना ही आवश्यक हैं, इसलिए मुझे खुशी है कि आज पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति से जुड़ी अनेक बातों पर रिसर्च हो रहा है।

मणिपुर हिंसा : सुनवाई ...

निर्वस्त्र कर घुमाया गया। कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध पूरे देश में होते हैं। यह हमारी सामाजिक वास्तविकता का हिस्सा है। वर्तमान में, हम एक ऐसी स्थिति से निपट रहे हैं जो अभूतपूर्व है और मुख्य रूप से महिलाओं के खिलाफ अपराध एवं हिंसा से संबंधित है। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मणिपुर में... सांप्रदायिक और जातीय हिंसा की स्थिति है। इसलिए हम जो कह रहे हैं वह यह है कि इसमें कोई दो राय नहीं कि पश्चिम बंगाल में भी महिलाओं के खिलाफ अपराध हो रहे हैं। पीठ ने कहा कि वर्तमान में, वह मणिपुर से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इस पीठ में सीजेआई के अलावा जस्टिस जे.बी. पारदीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। इसने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ होने वाली अपराधिक घटनाओं की तुलना देश के अन्य हिस्सों में इसी तरह की घटनाओं से नहीं की जा सकती। सीजेआई ने कहा कि यदि आपके पास वास्तव में उस (मणिपुर) पर हमारी सहायता करने के लिए कुछ है, तो कृपया हमारी सहायता करें। अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने मामले में हस्तक्षेप आवेदन दायर किया है और पश्चिम बंगाल, राजस्थान, छत्तीसगढ़ तथा केरल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं का जिक्र किया है। सीजेआई ने कहा कि हम इस पर आपको बाद में सुनेंगे... हम अभी मणिपुर से निपट रहे हैं। स्वराज ने कहा कि अदालत जो भी तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव कर रही है उसे अन्य राज्यों पर भी लागू किया जाना चाहिए और उपचारात्मक कदम केवल मणिपुर तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के मामले में, यह उतना ही गंभीर है क्योंकि महिलाओं के खिलाफ हिंसा का इस्तेमाल अंतत: मतदाताओं को दंडित करने के लिए किया जाता है। इंदिरा जयसिंह का कहना है कि मणिपुर में 5,995 प्राथमिकी दर्ज हैं और पश्चिम बंगाल में 9,304 प्राथमिकी दर्ज की गई है। केवल 3 प्रतिशत (अभियुक्तों में से) जेल में हैं और 97 प्रतिशत अपराधी खुले में घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर के मामले में नागरिक संस्थाओं की अंतरात्मा अचानक जाग गई है। बांसुरी ने कहा कि मणिपुर में जो हुआ उसे माफ नहीं किया जा सकता। लेकिन मणिपुर में हुई (दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की) घटना के बाद पश्चिम बंगाल, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और केरल में दिल दहलाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। कृपया केवल मणिपुर के लिए ही तंत्र स्थापित न करें।

रत्नगर्भा में दंपत्ति ...

इस तरह उन्होंने हीरा उत्खनन का काम शुरू किया और किस्मत ने भी उनका साथ दिया। देखते ही देखते उन्होंने अपनी पत्नी मीणा देवी के नाम से 10 हीरे कार्यालय में जमा किए हैं। इनमें सबसे बड़ा हीरा 9.64 कैरेट का शामिल है। सोमवार को उन्होंने जो हीरा जमा किया है, वह उनका दूसरा बड़ा हीरा है। इसके अलावा राणा प्रताप सिंह ने अपने नाम से भी पट्टा बनवाया था जिसमें उन्हें 4.57 कैरेट का हीरा मिला था। बताया गया कि यह खदान दुर्गापुर गांव के निवासी किसान विमल सरकार के खेत में लगाई थी, जिसमें खेत मालिक 20 फीसदी के पार्टनर हैं। हीरा को हीरा कार्यालय में जमा कराया गया है जो अगली होने वाली नीलामी में रखा जाएगा। हीरा खदान संचालक राणा प्रताप सिंह ने बताया कि उन्हें अब तक छोटे-बड़े कुल 11 हीरे पन्ना की खदानों से मिल चुके हैं। जिनमें पत्नी मीणा सिंह के नाम 10 और मेरे नाम एक हीरा जमा किया गया है। हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि इसी माह 28 जुलाई को 7.90 कैरेट का हीरा जमा हुआ था और आज दो दिन बाद पुन: यह हीरा जरूआपुर में ही मिला है।

मंदिर में श्रद्धालुओं ...

श्रावण के चौथे सोमवार को देवतालाब के शिव मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। दोपहर के समय मंदिर में पूजन अर्चन के दौरान यह हादसा हो गया। पूजन-अर्चन के दौरान यहां बिजली का तार खंभे से टूट कर मंदिर परिसर में लगे टीन शेड पर गिर गया। इससे मंदिर में करंट फैल गया और 39 लोग उसकी चपेट में आ गए। करंट फैलने से भगदड़ मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों को जिले के मऊगंज, नई गढ़ी और देवतालाब के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मऊगंज में 27, नई गढ़ी में 3 और देवतालाब के अस्पताल में 6 श्रद्धालु भर्ती हैं। गंभीर हालत वाले तीन श्रद्धालुओं को रीवा शहर स्थित संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कलेक्टर प्रतिभा पाल और पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह भी घटनास्थल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि खंभे पर शॉर्ट सर्किट के कारण हादसा हुआ। सुरक्षा व्यवस्था में लगी जाली में भी करंट फैल गया था। प्रत्यक्षदर्शी रामायण प्रसाद मिश्रा ने बताया कि चरण तलैया के बराबर वाली गली से मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते पर यह हादसा हुआ। बिजली का तार टूट गया था। नीचे पानी भरा था, इस वजह से करंट फैल गया। रामायण प्रसाद मिश्रा की पत्नी सविता मिश्रा इस घटना में घायल हुई हैं। उन्हें रीवा लाया गया है। श्रावण के चौथे सोमवार को यहां तीन हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे। इसी बीच यह हादसा हो गया।

रोहिंग्या को भारत...

रोहिंग्याओं को फर्जी पासबुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि बनवा देते हैं। बदमाशों के पास से फर्जी पासबुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड जब्त किए गए हैं। एसटीएफ केश नंबर 1/23 के मामले में उन्हें गिरफ्तार कर जांच कर रही है। गिरफ्तार किए गए लोगों में उत्तम पाल (उनाकोटी, त्रिपुरा के डालुगांव), पश्चिम त्रिपुरा के कमलघाट के काजल सरकार, पश्चिम त्रिपुरा के कमलघाट के सागर सरकार, परवेज हुसैन उर्फ अब्दुल हुसैन (शिपाहीजेला जिला, त्रिपुरा), चांदपुर के मोहम्मद शहादत उर्फ सहादत (बांग्लादेश के नागरिक), शिव शंकर घोष उर्फ बोटो (बिलोनिया, दक्षिण त्रिपुरा), बिलोनिया, दक्षिण त्रिपुरा से कार्तिक नामा, बिजय बरुवा (चटगांव, बांग्लादेश के नागरिक) के नाम शामिल हैं। एसआईटी की जांच जारी है।

स्वर्वेद भाष्य

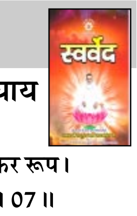

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(क्षर)

स्वर व्यञ्जन मिलि शब्द जो, सो सब क्षर कर रूप।
क्षर सारा व्यवहार है, क्षर शब्दन कर रूप ॥ 07 ॥

शब्दार्थ : (स्वर) बारह अक्षर (व्यञ्जन) कवर्ग आदि समस्त वर्ण।

भाष्य : स्वर, व्यञ्जन एवं संयुक्ताक्षर, ये सभी क्षर के स्वरूप हैं तथा इनका सारा व्यवहार क्षर है एवं सभी शब्दों का स्वरूप क्षर है।

नाम रूप मय दृश्य जग, क्षर भूतन मय जान।
क्षरत शब्दमय ग्रन्थ है, क्षर है क्षरत जाहन ॥ 08 ॥

शब्दार्थ : (जहान) समस्त सृष्टि।

भाष्य : नाम, रूप, समस्त दृश्य जगत तथा समस्त पञ्चभूत क्षर है, तथा क्षर शब्दों से बने हुए ग्रंथ क्षर हैं एवं प्रकृति की विकृत समस्त सृष्टि क्षर है।

राज्य में बिगड़ सकती है कानून व्यवस्था की स्थिति : कांग्रेस

भाजपा नेताओं पर समुदाय विशेष के खिलाफ नफरतपूर्ण भाषण देने का कांग्रेस का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के राजीव भवन में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के विधि विभाग के संयोजक अधिवक्ता द्वय हमीदुर रहमान तथा इसके अध्यक्ष मनोज भागवती ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर असम के साथ-साथ पूरे पूर्वोत्तर में राज्य सरकार द्वारा लिए गए कथित गलत निर्णयों से उत्पन्न समग्र स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। कांग्रेस का आरोप है कि असम में सत्तारूढ़ दल के सदस्यों द्वारा समुदाय विशेष के खिलाफ दिए गए नफरत भरे उन भाषणों के कारण राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति किसी भी समय बिगड़ने की संभावना है, जिसमें *मियां, अहोम, निचले असम, ऊपरी असम* आदि जैसे शब्दों का उपयोग किया गया है, जो आम जनता को एक-दूसरे के खिलाफ नफरत फैलाने के लिए उकसाते हैं। कानून विभाग ने सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्यों के व्यवहार की कड़ी निंदा की और सरकार के साथ-साथ पुलिस प्रशासन से इस तरह की नफरत फैलाने वाली टिप्पणी करने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है। सम्मेलन के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा (स्वा) द्वारा राज्य में की जा रही धन उगाही, असम सरकार द्वारा लिए जा रहे ऋण, गुवाहाटी उच्च न्यायालय का उत्तर गुवाहाटी के रंगमहल में प्रस्तावित स्थानांतरण, मणिपुर में धारा 356 लागू करने, बजरंग दल द्वारा मंगलदै में दिए जा रहे प्रशिक्षण आदि के साथ-साथ अन्य कई बिंदुओं पर भाजपा की सरकार को कांग्रेस द्वारा घेरने की कोशिशें की गईं।

कार्बी आंग्लांग में नए उग्रवादी संगठन के दो सदस्य गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग में सीआरपीएफ और कार्बी आंग्लांग पुलिस ने मांजा तिनाली पर चलाए गए एक अभियान में एक ऑल्टो वाहन से गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक दस्तावेजों के साथ दो उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार इस अभियान में कार्बी आंग्लांग के नए उग्रवादी समूह यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट ऑफ कार्बी आंग्लांग (यूपीएफकेएल) के 41 लेटर हेड भी जब्त किए गए हैं। छापेमारी के दौरान संगठन के दो सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए दो लोगों की पहचान राजेश फांसो और संजय इंग्ती के रूप में की गई है। पुलिस द्वारा जब्त किए गए हथियारों में गोला-बारूद और भी शामिल है। इसमें एक 9 एमएम पिस्टल, एक प्वाइंट 22 पिस्टल, नौ जिंदा गोलियां, तीन हैंड ग्रेनेड, दो डेटेनेटर शामिल हैं। इसी बीच, पुलिस और भी हथियारों की तलाश में जांच कर रही है।

रंगिया में संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन की अभिनय कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न

रंगिया (विभास)। रंगिया में संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन द्वारा आयोजित एक अभिनय कार्यशाला के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने यह बात कही। इस मौके पर उन्होंने संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन के विभिन्न कार्यो की व्याख्या करते हुए संगठन के उज्वल भविष्य की कामना की। समापन समारोह में उपस्थित प्रमुख पत्रकार तारणी चरण कलिता, नेकीबुर रहमान और रवीन्द्र डेका ने रूपकुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला, बिष्णु प्रसाद राभा और बानेश्वर देव शर्मा के चित्रों के सामने दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक का उद्घाटन बिहू विशेषज्ञ रवीन्द्र डेका ने किया। बैठक में कलाकार पेंशनर नरेंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने राज्य के सांस्कृतिक जगत के लिए पंकज पल्लव शर्मा की भूमिका के बारे में अपने भाषण में उल्लेख किया। इसके अलावा उपस्थित असम लेखिका समाज की सचिव प्रधान बर्नाली दत्त बोरा ने हर साल नाटक कार्यशाला का आयोजन कर नव पीढ़ी के लिए पंकज पल्लव शर्मा के प्रशंसनीय कदमों की सराहना की। अधिविद्या परिषद कामरूप जिले के सचिव रफीकुद्दीन अहमद ने समारोह में भाग लेते हुए संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन के प्रयासों को सराहा। वहीं योजना अभियंता मिलन सैकिया ने सांस्कृतिक क्षेत्र में नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा लाने में कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला। निदेशक पंकज पल्लव शर्मा द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में अवसर प्राप्त अध्यापक पविन कलिता, जयंत कुमार शर्मा, महेंद्र कलिता, बजेंद्र देव, मोहन शर्मा, फारूक हुसैन, यादव वैश्य, भास्कर कलिता, लीत कलिता, भवेश नाथ, गिरींद्र दास, कल्पज्योति तालुकदार, ध्रुबज्योति डेका, खाइरुल इस्लाम, मृण्मय भट्टाचार्य सहित बहुत से विशिष्ट लोगों ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत में सभी संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन के कलाकारों ने थीम गीत प्रस्तुत किया। बैठक में शिक्षार्थियों ने अभिनय, नृत्य आदि की प्रस्तुती दी। बैठक के अंत में, पंकज पल्लव शर्मा का लेखन/निर्देशन से मंचस्त किया गया *बेटी बचाओ* और *मोबाइल* नामक दो नाटकों में नरेश्वर राजवंशी, हिरदत्त नाथ, मेसेर अली, कल्पना कलिता, कनिका बुजरबरुवा, साधना शर्मा, चिया कुमार, दिशा कलिता, तन्मय डेका, अनु कलिता, निहारिका भट्टाचार्य, नीलाभ प्रतिम डेका, अंकित बोड़ो, राजू कलिता, पल्लव कलिता, प्रियांज्योति दास, किशानज्योति दास, विदिशमान कश्यप और अन्य कलाकारों को उनके प्रदर्शन के लिए प्रशंसा मिली।

गौशाला में प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक आज

गुवाहाटी (विभास)। सेठ सांवरिया सत्संग समिति के तत्वावधान में आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन प्रांगण में चल रही नौ दिवसीय श्री रामचरित मानस तथा शिव चरित्र कथा के आठवें दिन में भगवान श्रीराम के वनवास प्रसंग पर प्रकाश डाला गया। मर्यादा, छल-कपट, वचन प्रतिबद्धता, प्रेम-समर्पण, बिछोह - बनवास, मित्रता जैसे विषयों को मानस मर्यादा अनुरूप वर्णित करते हुए भक्तों को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर व्यासपीठ पर विराजमान परम् मनीषी, विद्धान पुज्य आचार्य श्री गौरव जी व्यास (श्री गोपालजी) ने कहा की मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राघवेन्द्र का अवतरण मनुष्यों को जन्म-परण और मरण के मध्य जीवन को मर्यादित जीवन जीने की कला सिखाते हुए भवसागर पार करने का सुगम मार्ग सीखना भी है। विभिन्न लिलाऔ के माध्यम से श्रीभगवान द्वारा अपने भक्तों का कल्याण करने के प्रसंग में बताया कि गौमाता और ब्राह्मण हितार्थ ईश्वर सत्ता का प्राकट्य होता है। इसलिए इन दोनों का सम्मान अन्तर्मन से होना चाहिए। श्रीराम कथा के साथ भगवान शिव के चरित्र का गुणगान में व्यासपीठ से गुरूवर इतने मग्न है कि हर बात को विस्तार से समझाते हैं आज भगवान के बनवास पर उनके संन्यासी रूप के दर्शन को गौरीशंकर भी अपने आप को रोक नहीं पाये, गौरीशंकर की जीवंत झांकी के दर्शन के साथ आरती का आंनद उठाते भक्त भाव विभोर हो गए। कथा का अंतिम दिवस मंगलवार को प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक की जीवंत झाकियों के साथ धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। इस दौरान समिति की ओर से बधाईयां बाटी जाएंगी। इससे पूर्व आज सुबह भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया, जिसमें यजमान के रूप में बलराम चौधरी तथा रूपेश खाखोलिया ने सपत्नीक पूजा अर्चना के साथ व्यास पीठ की आरती की। काफी संख्या में नगरवासी महाआरती का आंनद उठाने पहुंच रहे हैं बनारस के विद्वानों द्वारा 45 मिनट निरंतरता से होने वाली महाआरती के दर्शन विशेष हैं। मंगलवार को कथा को विराम देने के पश्चात हवन एवम पूर्णाहुति की जाएगी।

विश्वनाथ : सुंदरकांड परिवार ने 21 जोड़े के साथ किया महारुद्राभिषेक

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चाराली शहर के प्रसिद्ध ठाकुरबाड़ी मंदिर के प्रांगण में कल सुंदरकांड परिवार द्वारा 21 जोड़े के साथ महारुद्राभिषेक भव्यता के साथ आयोजित किया गया। जिसमें पंडित गोविन्द शास्त्री जी के नेतृत्व में आठ पंडित द्वारा पांच शिवलिंग रुद्राभिषेक 21 जोड़ों के साथ किया गया। दोपहर 1 बजे से लेकर शाम शाम 7 बजे तक महा रुद्राभिषेक किया गया। उसके पश्चात बाबा की भव्य आरती आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वनाथ घाट में जाते हुए सभी बोल बम कांवड़िया को भी महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर समाज के सभी गणमान्य व्यक्ति छत्तर सिंह पवार, हनुमान पांडिया, दिलीप अग्रवाल, दिलीप शर्मा, संदीप अग्रवाल, अशोक जयसवाल, अरुण सिंह, लाडी सिंह, संजीव पटवारी के साथ महिलाओं की काफी भीड़ देखी गई। इस महारुद्राभिषेक कार्यक्रम में विशेष सहयोग सुनील तिवारी, दिपक शर्मा, संजय अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, रामरतन सैनी, अशोक शर्मा, बाबूलाल व्यास, संजय व्यास, आनंद व्यास, शिवकुमार व्यास, मनीष तिवारी, बबलू प्रजापत, अनंत बियानी, सुशील बियानी, राजु सिंह, विनोद गुप्ता आदि रखा जिसके नेतृत्व यह कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

गुवाहाटी में ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की सीजीपीडी की एक टीम द्वारा राजधानी गुवाहाटी के रूपनगर में आज चलाए गए एक अभियान के दौरान 101 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया है। अभियान के दौरान दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान मणिपुर के थौबल निवासी सरुंगबम प्रेम कुमार सिंह (35) और गुवाहाटी लताशील के फरीदुल हसन (22) के रूप में की गई है। गिरफ्तार किए गए तस्करों के पास से 4 मोबाइल फोन, एक वरना कार (एएस-01-बीबी-6326) भी जब्त की गई है। इस सिलसिले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

रंगिया : बच्चों के लिए *योग और चित्रांकन* प्रतियोगिता आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया का अग्रणी साधना योग संस्थान द्वारा स्थानीय बच्चों के लिए *योग और चित्रांकन* का एक असाधारण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों ने नलबाड़ी के प्रसिद्ध चित्रकार गगन बेजबरुवा द्वारा अंकित योगासन चित्रों को कागज के विभिन्न रंगीन टुकड़ों से सजाकर आनंद लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई। इसके अलावा साधना योग महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी अपनी भावनाएं चित्रों में अंकित कर सभी के सामने व्यक्त कीं। कार्यक्रम को गगन बेजबरुवा और बिनीता बर्मन द्वारा बहुत ही खूबसूरती से संचालित करने के लिए साधना के सचिव योगाचार्य ज्योतिष कलिता द्वारा उन्हें धन्यवाद दिया गया।

मायुमं का नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर संपन्न

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा एवं नगांव शाखा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का सफलता पूर्वक समापन रविवार को हैबरगांव के शनि मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन में हुआ। 28 से 30 जुलाई तक आयोजित नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का सफल आयोजन से आयोजक संगठन में खुशी की साफ दिखाई दे रही थी। इस कड़ी में रविवार को एक समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष पंकज जालान एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रितेश खटेर उपस्थित थे, मंच संचालन कर रही ममता सिंघि एवं प्रियंका पारीक ने सभी को मंचासिन करवाया। दोनों शाखाओ के अध्यक्षओं द्वारा स्वागत भाषण दिया गया जिसमें कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समाज के सभी दाताओं, सभी संस्थाओ के साथ साथ हर एक सदस्यों को ध्यनवाद दिया। मुख्य अतिथि जालान ने अपने संबोधन में शिविर की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कार्यक्रम की प्रशंसा की, विशिष्ट अतिथि खटेर ने मंच के सरहनीय कार्य के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मारवाड़ी पंचायत के सचिव रतन कुमार जाजोदिया, मारवाड़ी युवा मंच के सलाहकार राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा, संजय गाडोदिया, जैन तेरापंथ सभा अध्यक्ष जीवनमल सुराणा के साथ साथ समाजबंधु उपस्थित थे। आमंत्रित अतिथि प्रांतीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य राहुल चमडिया एवं गौतम गोयनका ने समृद्धि शाखा एवं नगांव शाखा की प्रशंसा की। शाखा अध्यक्ष हीरा गाड़ोदिया, विनीत मोर सचिव निमिषा अग्रवाल, नारायण पारीक कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया, अमन खेतावत कार्यक्रम संयोजक नितिन मुंदड़ा, पंकज गाड़ोदिया, पूजा केजरीवाल के साथ दोनों शाखाओं के काफी सदस्य उपस्थित थे। शिविर में 110 से भी अधिक मरीजों की जांच की गई जिसमें 84 लोगों को कृत्रिम पाव एवं हाथ लगाएं गएं। जिसमें महिलाएं पुरुष एवं बच्चे शामिल है। इसकी जानकारी नगांव शाखा संयोजक नितिन मुंदड़ा ने सभा में दी और कहा कि शिविर में नगांव सदर विधायक रुपक शर्मा, पूर्व विधायक दुर्लभ चमुआ व स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक एजे मंहत ने भी समय-समय पर शिविर का निरीक्षण कर आयोजन समिति के सदस्यो की पीठ थपथपा कर हौसलाअफजाई की। शिविर को सफल बनाने में दोनों शाखाओं के सभी सदस्यों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ समृद्धि शाखा की अध्यक्ष ने राजा पारीक का विशेष ध्यनवाद दिया एवं दोनों शाखाओं के अध्यक्ष हीरा गाड़ोदिया एवं विनीत मोर ने सभी का आभार व्यक्त किया है।

कांवड़ियों की लायंस उमंग ने की सेवा

अलग-अलग स्थानो पर फीड द हंगर कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। सावन महीने की चौथी सोमवारी की पूर्व रविवार की रात कांवरियों की सेवा हेतु लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की और से सेवा शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का बड़ी संख्या में कांवड़ियों ने लाभ उठाया। कार्यक्रम संयोजीका रितु बंका, सरोज जालान, अनीता चौधरी व लियो उमंग की श्रेयाश गोयल की देखरेख में आयोजित इस शिविर में कांवड़ियों के बीच चाय व पका पकाया भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका, जिलापाल द्वितीय पंकज पोद्दार, निर्मल भूरा, पीडीजी सुधीर चौधरी, लायंस गौहाटी के अध्यक्ष अजय पोद्दार, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, रितु बंका, निभा सराफ, तृप्ति मोर, पूनम केजरीवाल, सीमा सोनी, लियो उमंग की ओर से रिद्धि जैन, दीपक शर्मा आदि उपस्थित थे। वही लायंस जिला की *वन डिस्ट्रिक्ट-वन एक्टिविटी* परियोजना के तहत छह अलग-अलग स्थान पर फीड द हंगर कार्यक्रम आयोजित किया गया। शीतल जैन की देखरेख में भंगागढ़ के जीएमसीएच, सचिव संगीता अग्रवाल की देखरेख में बी बरुवा कैंसर इंस्टीट्यूट कोषाध्यक्ष, स्वामी चौधरी की देखरेख में रूपनगर स्थित कल्याणी निवास में सुख राशन, सरिता गारोडिया की देखरेख फैंसी बाजार के सीताराम ठाकुरबाड़ी, पूनम केजरीवाल की देख रेख में आर्यनगर स्थित शिव शीतला हनुमान मंदिर तथा तृप्ति मोर की देखरेख में जीएमसीएच में कैलाश लोहिया के सहयोग से बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर लायंस गौहाटी के अध्यक्ष अजय पोद्दार, निखिल मोर, दीपक मोर सहित लायंस उमंग की अन्य सदस्याए मौजूद थी।

नगांव में पांच मवेशी चोर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जनता के सहयोग से नगांव पुलिस ने पांच संदिग्ध पशु चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आज बताया कि गिरफ्तार किए गए मवेशी चोरों की पहचान जियाबुर रहमान, तफजुल हुसैन, उस्मान अली, मुक्तसिदुर इस्लाम और महरूद्दीन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार संदिग्ध मवेशी चोरों को केंदूगुरी, पुरनिआटी और लाइकामारी चर क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान रविवार की रात को पक ?। गया। चोरों के कब्जे से सात चोरी की गई गायों को बरामद किया गया। आरोप है कि चोरों का गिरोह नगांव के अलग-अलग हिस्सों से गायों को चुराकर छुपाने के लिए चर क्षेत्र में ले गया था। बताया जाता है कि तस्कर चर में तस्करी की गई गायों को जुटाते हैं। बाद में उन्हें उच्च दरों पर बेच दिया जाता है। नगांव शहर के हैबरगांव टाउन थाने की पुलिस पशु चोरों को अपनी कस्टडी में लेकर पूछताछ कर रही है।

SHORT QUOTATION NOTICE

Sealed quotations affixing non refundable Court fee stamp Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only are invited from registered eligible Contractors/Firms for supply works for “Plantation Drive at Garbhanga, South Guwahati Range and a Public Meeting under Kamrup East Division” at the Kamrup East Division, Basistha, Guwahati -29 as mentioned below :

Details of Works: -

Sl. No.	Particulars	Location	No. of Days
1	Sofa and VIP Chairs with Centre Table	Near Garbhanga Beat Office, South Guwahati Range	1 (One)
2	Normal Chairs with cover.		
3	Generator		
4	Stand Fan		
5	Sound System for the meeting		

The quotations will be received up till 3.00 PM (IST) on 07/08/2023 in the office of the undersigned and it will be opened on the same day by the Evaluation Committee at 3.30 PM (IST) in presence of the interested quotationers or their authorized representative.

The undersigned and Tender Evaluation Committee reserves the right to accept or cancelled any quotation without assigning reasons thereof.

Payment will be made only after receiving of fund from the competent authority.

Divisional Forest Officer.
Kamrup East Division, Basistha.
Guwahati -29.

-- Janasanyog /C/ 8184/23

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड ने कल्याणी निवास को एक महीने का राशन दिया

गुवाहाटी। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड ने गुवाहाटी महानगर के रूपनगर स्थित कल्याणी निवास में *एक जिला एक आभियान* के अंतर्गत एक महीने का राशन सामग्री का योगदान दिया गया। ज्ञात हो कि यह आश्रय गृह काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर द्वारा संचालित है जहां तकरीबन 100 बच्चे रहते है जिनका और कोई ठिकाना नई है। इस संस्था के कार्यकर्ता ने बताया कि सरकार भी इसको चलाने में मदद करती है परंतु वो पर्याप्त नहीं इसलिए वो बहुत हद तक समजसेवी संस्था/ समजबंधु पे भी निर्भर है। क्लब के अध्यक्ष अनिल गर्ग सचिव दीपक भजनका, खंजाची राकेश पारीक एवं कार्यक्रम के संयोजक अनुपम अगरवाला का भरपूर सहयोग रहा। इसी कड़ी में क्लब द्वारा अपना चौथा कांवड़िया शिविर भी गणेशगुड़ी स्थित गोपाल बोड़ो विद्यालय के सामने संपन किया जिसमें गर्म चाय, बिस्कुट, पानी एवं सरबत का वितरण किया जिसमें करीब 1800 लोगो को सेवा दि गई। कार्यक्रम कि जानकारी क्लब के जन संपर्क अधिकारी अमित पोद्दार द्वारा दि गई।

Tender No. FS/Tender/23-24/01

Short Tender Notice

Sealed tenders affixing non-refundable court fees stamp of Rs 8.25 (Rupees Eight & Twenty Five paisa) only are invited from eligible and experienced registered Supplier/Contractors/Firms for carrying out the following works.

Sl. No.	Name of Work	Estimated Amount (In Rs.)	Location	Earnest Money (In Rs.)
1	Conducting for 15 days Training of newly appointed Junior Assistant (Director & Division level) & Stenographer in 4 batches.	13,09,000/-	Assam Forest School, Jalukbari, Guwahat-14	2% for General and 1% for ST/ SC/OBC on Estimated Amount

Bid documents with terms and conditions and other details may be obtained from the office of the undersigned during office hours on payment of Rs. 500.00 (Five Hundred) through Bank/Demand Draft payable to the Director, Assam Forest School, Jalukbari, Guwahati-14.

The tender will be received upto 01:00 P.M (I.S.T.) on 22/08/2023 in the office of the Director, Assam Forest School, Jalukbari and will be opened on the same day at 2.P.M. (I.S.T.) in the presence of the participating tenderers or their representatives. In the event of any unavoidable circumstances etc the same will be received and opened on the next working day, at the same time.

Director
Assam Forest School
Jalukbari, Guwahati-14

-- Janasanyog /C/ 8160 /23

हंगामे के बीच सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक 2023 लोकसभा में भी पारित

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा ने सोमवार को सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक 2023 पारित कर दिया। सिनेमैटोग्राफ (चलचित्र) संशोधन विधेयक का उद्देश्य फिल्म पायरेसी को रोकने और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा दिए गए आयु-आधारित प्रमाणन में सुधार के साथ-साथ सभी प्लेटफार्मों पर फिल्मों और सामग्री के वर्गीकरण में एकरूपता लाना है। सोमवार को लोकसभा में सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने सदन के पटल पर सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक 2023 पर विचार करने और पारित करने के लिए पेश किया था। सदन में इस विधेयक पर चर्चा के बाद बयान देते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस विधेयक का पारित होना बहुत महत्वपूर्ण है। फिल्म जगत से जुड़े सभी लोगों के अधिकारों को संरक्षण देने वाला और उनके हितों की रक्षा करने वाला विधेयक है। उन्होंने कहा कि साउथ की फिल्मों ने आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम किया है। इससे लाखों लोगों की रोजी-रोटी जुड़ी हुई है। उनके हितों को देखते हुए केन्द्र सरकार पायरेसी को रोकने के लिए यह विधेयक लाई है। फिल्मों के माध्यम से गांव-गांव की बातें देश-दुनिया में पहुंचाने का अवसर प्राप्त हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सोफ्ट पावर ने एक नई पहचान बनाई है। लाखों लोगों को रोजगार देने की क्षमता है। ऐसे बहुत सारे लोगों के हितों का ध्यान में रखते हुए इस विधेयक को लाया गया है। उन्होंने कहा कि सिनेमौटोग्राफी (संशोधन) विधेयक 2023 के लिए बहुत लंबा समय लगा। साल 1952 के बाद 1981 में एक बड़ा संशोधन हुआ था और अब चार दशक का समय लगा लेकिन इस दौरान भारतीय सिनेमा में बहुत कुछ बदला है। इन सालों में फिल्मों को बनाने के तरीके से लेकर इसे पायरेसी के माध्यम से चुराने तक के तरीके में बदलाव हुआ है। इंटरनेट के माध्यम से पाइरेटेड फिल्में कुछ सेकंड में लाखों जगह भेजी जा सकती हैं, जिससे फिल्म बनाने वाले की मेहनत पर पानी फिर जाता है। यह विधेयक पायरेसी के कारण फिल्म को होने वाले नुकसान से बचायेगा। पायरेसी के कारण फिल्म उद्योग को काफी नुकसान होता है। यह विधेयक सिनेमैटोग्राफी अधिनियम 1952 को संशोधित करेगा। इस विधेयक में कुछ नई कैटेगरीज जैसे यूए 7, यूए 13 और यूए 16 को शामिल किया गया है। विधेयक संसद में पास होने के बाद फिल्मों के सर्टिफिकेशन में ऐसी कैटेगरीज देखने को मिलेंगी। इसके अलावा बिना इजाजत फिल्म की कॉपी बनाने वाले व्यक्ति को तीन महीने से तीन साल तक जेल हो सकती है। साथ ही उसके ऊपर 3 लाख का जुर्माना भी लग सकता है।

दिल्ली आबकारी घोटालाः कोर्ट में पेश हुए सिसोदिया, बैंक से पैसे निकालने की मांगी अनुमति

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आज दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। मनीष सिसोदिया ने अपनी बीमार पत्नी का इलाज कराने के लिए बैंक खाते से पैसे निकालने की अनुमति देने की मांग की। स्पेशल जज एमके नागपाल ने सिसोदिया की अर्जी पर सुनवाई करते हुए ईडी को नोटिस जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी। इसके पहले राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया था कि वो सिसोदिया के साथ दुर्व्यवहार की सीसीटीवी फुटेज पेन ड्राइव में सौंपे। कोर्ट ने सिसोदिया समेत दूसरे आरोपितों को भी चार्जशीट की डिजिटल प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। 6 जुलाई को कोर्ट ने सिसोदिया को अगली सुनवाई से कोर्ट में सशरीर पेश होने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि सिसोदिया की पेशी के दौरान कोर्ट में पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता और नेता मौजूद नहीं रहेगा। सीबीआई ने 25 अप्रैल को इस मामले में दिल्ली में पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई ने इस मामले में दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी आरोपित बनाया है। पूरक चार्जशीट में मनीष सिसोदिया के अलावा जिन लोगों को आरोपित बनाया गया है उनमें बुची बाबू, अर्जुन पांडेय और अमनदीप ढल शामिल हैं। बुची बाबू तेलंगाना के मुख्यमंत्री कैसी राव की बेटी के कविता के सीए रह चुके हैं। ज्ञातव्य है कि सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने 25 नवंबर, 2022 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने 15 दिसंबर, 2022 को पहले चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 7, 7ए और 8 के तहत आरोप तय किए थे। पहले चार्जशीट में कोर्ट ने जिन आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट पर संज्ञान लिया है, उनमें कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण रामचंद्र पिल्लै, मुत्थू गौतम और समीर महेंद्रू शामिल हैं।

उत्तराखंड में 4 अगस्त तक मौसम का येलो अलर्ट, 04 बॉर्डर मार्ग सहित 165 सड़कें अवरुद्ध

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड में मानसून सीजन में बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य में लगातार हो रही बारिश से पहाड़ी मार्गों पर मलबा आने और भूस्खलन की घटनाओं से जहां आम जनजीवन पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है वहीं लोगों को आवागमन में भी बहुत दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। मौसम विभाग ने अगले 04 अगस्त के लिए भारी से भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य में 04 बॉर्डर मार्ग सहित 165 सड़कें अवरुद्ध हैं। सोमवार की सुबह देहरादून सहित अन्य इलाकों में हल्की धूप के साथ दिन की शुरूआत हुई। सुबह 09 बजे के बाद सूर्यदेव का लुकाछिपी का खेल चलता रहा। आकाश में आंशिक रूप से बादल मंडरा रहे हैं। सुबह 11 बजे तक कभी धूप तो कभी छांव हो रही है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूवार्नुमान में राज्य के सभी जिलों में आगामी 4 अगस्त तक येलो अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान गरज-चमक के साथ भारी से बहुत भारी व तीव्र से अति तीव्र दौर का बारिश होने की संभावना है। संवेदनशील इलाकों में कहीं-कहीं हल्के भूस्खलन और चट्टान गिरने से सड़कों, राजमार्गों में कटाव हो सकता है। निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति बनने की संभावना है। राज्य में लगातार हो रही वर्षा से पिथौरागढ़ जिले में 04 बॉर्डर मार्ग सहित प्रदेश भर में करीब 165 सड़कें बंद है। बीआरओ टीम अवरुद्ध मार्गों को खोलने का कार्य कर रही है। देहरादून जिले में चकराता लाखामण्डल मोटर मार्ग में 32 किमी. में और त्यूनी-पुरौला- नौगांव राज्य मार्ग संख्या 17 मोटर मार्ग किमी. 19 में खूनीगाड़ के निकट आंशिक रूप से बन्द हैं। इसके अलावा 08 ग्रामीण मोटर मार्ग सहित कुल जिले में 10 अन्य मार्ग बंद हैं। इन बंद मार्गों को खोलने का कार्य जारी है।

ममता ने डेंगू संक्रमण के लिए फिर बताया अजीबो-गरीब कारण, पंचायतों में बोर्ड नहीं बनने को ठहराया जिम्मेदार

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में बारिश की शुरूआत होते ही जानलेवा डेंगू के तेज संक्रमण को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पिछले कई दिनों से अजीबो-गरीब कारण बता रही हैं। सोमवार को उन्होंने दावा किया कि राज्य भर के पंचायतों में हाल ही में संपन्न हुए चुनाव के बाद अभी तक बोर्ड गठन नहीं हो पाने के कारण संक्रमण फैल रहा है। राज्य विधानसभा में डेंगू के तेज संक्रमण को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पंचायतों में बोर्ड गठित नहीं हुआ है जिसकी वजह से ग्राम पंचायतें काम नहीं कर पा रही हैं। मैं चाहती हूं कि जल्द से जल्द बोर्ड गठित हो ताकि डेंगू रोकथाम के लिए समग्र प्रयास किया जा सके। इसके अलावा उनसे यह भी पूछा गया था कि कोलकाता के बिधाननगर जैसा क्षेत्र जो पूरी तरह से साफ-सुथरा और चमचमाता रहता है वहां भी डेंगू का संक्रमण तेज है। इसके पीछे आप क्या कारण बताएंगी? तब उन्होंने मेट्रो के काम को जिम्मेवार ठहराते हुए कहा कि रेलवे की ओर से यहां मेट्रो के काम के लिए जगह-जगह खुदाई हुई है जहां पानी जमा हुआ है। उसी में डेंगू के मच्छर पनप रहे हैं। उन्होंने नगर पालिका और नगर निगमों को मच्छर जनित बीमारियों के फैलाव को रोकने के लिए प्रतिरोधक उपाय करने को भी कहा। इसके अलावा ममता ने स्वीकार किया कि अभी तक डेंगू की वजह से राज्य में आठ लोगों की मौत हो चुकी है जबकि अस्पतालों में 897 लोग भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सचिवालय से पूरे हालात पर निगरानी रखी जा रही है और उच्च स्तरीय बैठकें भी लगातार हो रही हैं। ममता ने बताया कि पश्चिम बंगाल में 26 जुलाई तक 4401 लोग डेंगू संक्रमित हैं। जिलावार देखे तो नदिया और उत्तर 24 परगना सबसे अधिक डेंगू की चपेट में हैं। उन्होंने कहा कि पंचायतों में जल्द से जल्द बोर्ड गठन कर डेंगू रोकथाम के लिए कूद पड़ना होगा। हालांकि भाजपा विधायक उनके बयान को लेकर हंगामा करते रहे। जब ममता जवाब दे रही थीं तब नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी सदन में नहीं थे। प्रवेश करने के बाद उन्होंने नए सिरे से डेंगू का मामला उठाया जिसे लेकर अध्यक्ष विमान बनर्जी ने कहा कि जब आप कक्ष में नहीं थे तब मुख्यमंत्री इस पर जवाब दे चुकी हैं। इसके बाद भाजपा विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी और सदन से वाकआउट किया। उल्लेखनीय है कि इसके पहले पिछले हफ्ते शुक्रवार को सदन में डेंगू के मामले पर स्थिति स्पष्ट करते हुए ममता ने कहा था कि बांग्लादेश से संक्रमण पश्चिम बंगाल में फैल रहा है।

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा कराए सरकार : अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार को बिना देरी किए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करवानी चाहिए। चौधरी ने सोमवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम बिहार और पश्चिम बंगाल पर भी चर्चा करने के लिए तैयार हैं। लेकिन सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा जल्द कराए। चौधरी ने कहा कि विपक्षी दलों के सांसद मणिपुर का दौरा कर वापस आए हैं। अब चाहिए कि सत्ता पक्ष के सांसद भी मणिपुर का दौरा करें और हालात का जायजा लें। उल्लेखनीय है कि विपक्ष संसद में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए एकजुट है।

इंडिया घटक दलों की मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी सदन में मणिपुर मुद्दे पर जवाब दें। इंडिया घटक दलों के जो सांसद मणिपुर के दौरे पर गए थे उन्होंने आज संसद भवन परिसर में बैठक की और इंडिया गठबंधन के पार्टी नेताओं को वहां के हालात के बारे में जानकारी दी। उसके बाद सभी दलों ने पुनः सदन में मणिपुर पर चर्चा की मांग की।

पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की हालत में मामूली सुधार, इनवेसिव वेंटिलेशन से हटाया गया

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की हालत में मामूली सुधार दिखना शुरू हो गया है। उन्हें इनवेसिव वेंटिलेशन से हटा लिया गया है। हालांकि वुडलैंड अस्पताल में उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों की टीम को लगता है कि संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि उनके रक्त में सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) स्तर में बड़ा सुधार देखा गया है। यह वर्तमान में लगभग 150 है जबकि शनिवार को जब उन्हें भर्ती कराया गया था तब 300 के सामान्य स्तर से काफी कम था। डॉक्टर उनके शरीर में एंटीबायोटिक्स की खुराक बढ़ाने में भी सक्षम रहे हैं। इन जटिलताओं के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री के हृदय की कार्यप्रणाली प्रभावशाली है और यही कारण है कि उन पर दवा का असर तेजी से होना शुरू हो गया। आज सुबह उनका सीटी स्कैन भी कराया गया। सीपीआई (एम) नेता को पिछले शनिवार को ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई थी। वह काफी समय से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के मरीज हैं।

उनके करीबी पार्टी सूत्रों ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की हालत शनिवार को इतनी नहीं बिगड़ती अगर वह कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती होने के लिए सहमत हो गए होते। पूर्व मुख्यमंत्री 2021 में कोरोना से संक्रमित हो गए थे और उन्हें इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इंडिया के सांसदों ने संसद में विपक्षी नेताओं को दी मणिपुर के हालात की जानकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। गठबंधन इंडिया के सांसदों ने मणिपुर का हाल ही में दौरा किया और उसकी जानकारी विपक्षी सांसदों को दी। खबर के मुताबिक हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करने वाले भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) के 21 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को संसद में विपक्षी दलों के फ्लोर नेताओं को जानकारी दी। 21 सांसदों की हुई बैठक में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। सांसदों ने मणिपुर की अपनी दो दिवसीय यात्रा का अनुभव साझा किया, जहां उन्होंने राहत शिविरों में पीड़ितों और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति पर मणिपुर की भाजपा सरकार के साथ-साथ केंद्र की भी आलोचना की और कहा कि दोनों सरकारों ने इस मामले पर अपनी आंखें बंद कर ली हैं। विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे चौधरी ने कहा कि चाहे वह राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार, वे कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं, किसी को कोई परेशानी नहीं है। दोनों सरकारों ने अपनी आंखें बंद कर ली हैं। बता दें कि मणिपुर का दौरा करने वाले इंडिया के सदस्यों ने वहां से लौटने के बाद यहां संवाददाताओं से भी बातचीत की। दिल्ली रवाना होने से पहले विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इम्फाल के राजभवन में मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इसमें पूर्वोत्तर राज्य में शांति बहाली का आग्रह किया गया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल मणिपुर में मौजूदा संकट के लिए मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं और उन्हें बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।

मुंबई में चलती ट्रेन में फायरिंग, चार की मौत, आरोपित आरपीएफ कांस्टेबल गिरफ्तार

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई में विरार स्टेशन के पास जयपुर से मुंबई जा रही ट्रेन में की गई गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी सहित चार लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में सहायक पुलिस निरीक्षक टीका राम भी शामिल है। इस घटना के बाद आरोपित आरपीएफ कांस्टेबल चेतन कुमार को दहिसर में गिरफ्तार कर लिया गया। बोरीवली रेलवे पुलिस घटना की जांच कर रही है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने मीडिया को बताया कि जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस के बी-5 बोगी में सोमवार सुबह 5:23 बजे फायरिंग की गई । आरपीएफ के पुलिस कांस्टेबल चेतन कुमार ने सहायक पुलिस निरीक्षक टीकाराम को गोली मार दी । बीच बचाव करने वाले तीन यात्रियों की भी गोली लगने से मौत हो गई। इस घटना के बाद आरोपित कांस्टेबल ने दहिसर स्टेशन पर चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोका और फरार होने का प्रयास करने लगा। उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । बोरीवली रेलवे पुलिस ने सभी के शव शताब्दी अस्पताल भेज दिए हैं। बताया गया है कि इस ट्रेन में सहायक पुलिस निरीक्षक टीकाराम की टीम ने सूरत स्टेशन से ड्यूटी ज्वाइन की। टीकाराम का कांस्टेबल चेतन कुमार के साथ पालघर के बाद विवाद शुरू हुआ। किस विषय पर विवाद हुआ, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। विरार स्टेशन के आसपास चलती ट्रेन में आरोपित ने टीकाराम को अपने सर्विस रिवाल्वर से गोली मार दी। इसका विरोध करने वाले तीन यात्रियों को भी गोली मार दी और बोगी में टहलने लगा। ट्रेन दहिसर - मीरा रोड स्टेशन के बीच पहुंची तो आरोपित ने चेन पुलिंग की। आज ही चेतन कुमार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

चुवाड़ी-चम्बा सुरंग की संभावनाएं तलाशने के लिए सर्वेक्षण करवायेगी प्रदेश सरकार : सीएम सुक्खू

शिमला, (हि.स.)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू रविवार रात्रि चम्बा जिले में अन्तर्राष्ट्रीय मिंजर मेले के समापन समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार चुवाड़ी-चम्बा सुरंग की संभावनाएं तलाशने के लिए सर्वेक्षण करवायेगी तथा इसके लिए आवश्यक धनराशि भी उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को आवाजाही में काफी सुविधा होगी तथा उनके समय एवं धन की भी बचत होगी। उन्होंने उपस्थित जनों को मिंजर मेले की शुभकामनाएं दीं तथा प्रदेशवासियों के सुखद भविष्य की कामना भी की। उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय चम्बा के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए वर्तमान सरकार द्वारा अभी तक 160 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार द्वारा सिंहुता-लाहड़ू सड़क को डबल लेन करने के लिए 52 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

सुप्रीम कोर्ट में एनसीपी नेता नवाब मलिक की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले हफ्ते

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी नेता नवाब मलिक की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दी है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस ने मामले की सुनवाई अगले हफ्ते करने का आदेश दिया। नवाब मलिक ने बांबे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। बांबे हाई कोर्ट ने 13 जुलाई को नवाब मलिक की अंतरिम जमानत खारिज कर दी थी। नवाब मलिक ने स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की थी। इसके पहले भी नवाब मलिक ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अंतरिम जमानत की मांग की थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बांबे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए दूसरी याचिका दायर कीजिए। उसके बाद नवाब मलिक ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी पहले से दाखिल याचिका वापस ली और बांबे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए नई याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान नवाब मलिक की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि नवाब मलिक की एक किडनी फेल हो गई है और दूसरी काम करना बंद कर रही है, उनको जमानत दी जाए। मलिक को 23 फरवरी, 2022 को ईडी ने कथित तौर पर भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से जुड़े संपत्ति के लेनदेन के मामले में मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद से वे जेल में बंद हैं।

विश्व शांति के लिए भारतीय संस्कृति की ओर देख रही है दुनिया : गडकरी

– केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने गुरुग्राम में अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र का किया शिलान्यास

गुरुग्राम, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दुनिया में निराशा का भाव फैला है। आज विश्व शांति के लिए दुनिया भारतीय संस्कृति की तरफ देख रही है। हमारे संतों ने विदेशों की धरती पर हमारी संस्कृति, विरासत और इतिहास का प्रचार-प्रसार किया है और वहां के लोगों को नई दिशा दी है। हमारी उपासना पद्धति अलग-अलग हो सकती है, लेकिन संस्कृति, विरासत, इतिहास एक है और यही भारत की विशेषता है। केंद्रीय मंत्री गडकरी सोमवार को गुरुग्राम में बनने वाले भारत अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास के बाद संबोधन कर रहे थे। इसी के साथ ही तीन दिवसीय संस्कृति महोत्सव भी संपन्न हो गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी और मेघालय के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, सांस्कृतिक केंद्र के संरक्षक लक्ष्मी नारायण भाला व मुख्य संयोजक अमित जैन सहित अन्य गणमान्य लोग भी मंच पर उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने धर्मनिरपेक्षता पर बोलते हुए कहा कि इसे समझना जरूरी हैं। शासन को धर्म निरपेक्ष होना चाहिए, व्यक्ति कभी धर्म निरपेक्ष नहीं हो सकता। सेक्यूलर शब्द का अर्थ भी सर्व धर्म सम्भाव है। धर्म का संबंध कर्तव्य के साथ होता है। हिंदुत्व का अर्थ जीवन पद्धति है। हमारा इतिहास, संस्कृति हमें विरासत से मिली हैं। रामायण, महाभारत और साधु-संतों के मार्गदर्शन से मिली है। मंत्री गडकरी ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य किसान, गरीब का कल्याण करना है। विश्व में जो भी निराशा फैली हुई है, उससे निकालने के लिए हमारी संस्कृति को दुनिया में फैलाना है और यह केंद्र निश्चित ही यह कार्य करेगा। गडकरी ने कहा कि अलग भाषा, अलग भेष, अलग-अलग रहन-सहन होने के बावजूद हमारी संस्कृति एक है। यही भारत की विशेषता, श्रेष्ठता है। हमारी भारतीय संस्कृति, मूल्यदृष्टि जीवन पद्धति, मूल्य दृष्टि परिवार पद्धति विश्व के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। स्वाभाविक रूप से हमारा इतिहास, हमारी संस्कृति, हमारी विरासत, हमारा साहित्य, हमारी कलाएं इन सब बातों का जतन करना ही हमारे समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। किसी भी देश के इतिहास में उसका अगर भविष्य हमें देखना है तो स्वाभाविक रूप से उस देश का इतिहास, संस्कृति और दोनों के आधार पर समग्र जीवन का जो परिणाम होता है, उस पर ध्यान देना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी संस्कृति की रक्षा करते हुए और इस संस्कृति का महत्व पूरे विश्व के लोगों तक पहुंचाने में हमारे भारत अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। हमारी पारिवारिक पद्धति, भारतीय संस्कृति, योगा, आयुर्वेद दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे विचार कितने भी श्रेष्ठ हो, हमारे सिद्धांत कितने भी श्रेष्ठ हो, पर जहां हम जाते हैं वहां के लोगों को उनकी भाषा में समझाना उतना ही आवश्यक हैं, इसलिए मुझे खुशी है कि आज पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति से जुड़ी अनेक बातों पर रिसर्च हो रहा है।

संसद में राज्य निर्माण का मुद्दा न उठाने पर बुनिमो ने आठ सांसदों के मुखौटा लगे पुतले फूंके

झांसी, (हि. स.)। संसद में बुन्देलखंड राज्य निर्माण का मुद्दा न उठाये जाने को लेकर बुन्देलखंड निर्माण मोर्चा ने बुन्देलखंड क्षेत्र के 9 में से 8 सांसदों के मुखौटा लगे पुतलों का दहन किया। साथ ही प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को देते हुए बताया कि गत लोकसभा (2014) चुनाव में झांसी-ललितपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री. उमा भारती, राजनाथ सिंह एवं प्रधानमंत्री ने बुन्देलखंड राज्य 3 साल के भीतर बनवा देने का वादा बुन्देलखंड की जनता ने किया था। 3 साल की जगह 9 साल 2 माह पूरे हो गए है परंतु अभी तक कार्यवाही तक प्रारम्भ नहीं हुई है। इसी प्रकार अमित शाह ने कहा था कि बुन्देलखंड में अवैध खनन बंद कर दिया जाए तो हर बुन्देली को एक मारुति कार मिल जाएगी। ऐसा झूठ बोलकर उन्होंने ने बुंदेलियों की आस को चोट पहुंचने का कार्य किया है।

महोबा-हमीरपुर सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल द्वारा पृथक अखण्ड बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण के लिए संसद में रखा गया प्राइवेट बिल स्वीकार कर लिया गया पर अखंड बुन्देलखंड क्षेत्र के अन्य आठ सांसदों ने बिल का समर्थन नहीं किया। अगर बुन्देलखंड क्षेत्र के आठों सांसदों ने बिल का समर्थन किया होता तो अभी तक कैबिनेट की मंजूरी मिल जाती जिससे राज्य निर्माण की प्रक्रिया साकार रूप लेना प्रारम्भ कर देती। संसद के साढ़े चार साल पूरे होने को है पर सांसद भानू वर्मा, विष्णु दत्त शर्मा, अनुराग शर्मा, वीरेंद्र खटीक, प्रह्लाद पटेल, राज बहादुर सिंह, आर.के.पटेल, श्रीमती संध्या राय ने राज्य निर्माण का समर्थन नहीं कर अन्याय किया है। पूर्व घोषणानुसार संसद सत्र के बीच में इन आठों सांसदों का मुखौटा एक साथ लगाकर इनका पुतला फूंका गया। इस दौरान बुन्देली योद्धाओं ने कहा कि बुंदेलियों का सब्र अब टूटता जा रहा, कहीं ऐसा न हो कि 2023 व 2024 के चुनाव में इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़े। पुतला फूंकने वालों में रघुराज शर्मा, वरुण अग्रवाल, कुंवर बहादुर आदिम , प्रदीप झा, नरेश वर्मा, गोलू ठाकुर,अरुण रायकवार, विजय रायकवार, ब्रजेश राय, प्रदीप गुर्जर, शुभम गौतम, कलाम कुरैशी, अन्नू मिश्रा, प्रेम सपेरे, रामजी पारीछा, प्रभु कुशवाहा, देवी प्रसाद पारीछा, सईदा बेगम, सचिन साहू, शिवम गौतम, ललितपुर सुनील शर्मा, सौरभ लोधी, जय पाल लोधी, यशपाल राजपूत, शिशुपाल लोधी, प्यारे राजा, भगवानदास, अजय कुमार, विजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

इंडियन ऑयल ने उपकरणों की खरीद के लिए पीजीआई को दिये 41.67 लाख रुपये

लखनऊ, (हि.स.)। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान को बीएसएल -3 लैब निर्माण और उपकरणों की खरीद के लिए 41.67 लाख रुपये दान दिया है। एसजीपीजीआई लखनऊ और आईओसीएल यूपी राज्य कार्यालय के बीच सोमवार को इंडियन ऑयल भवन में सीएसआर पहल के तहत एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। पीजीआई की ओर से निदेशक प्रो. आर.के. धीमन और माइक्रोबायोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. ऋचा मिश्रा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अनुदान को ई एम डी आईओसीएल, यूपीएसओ- संजीव कक्कड़ द्वारा अनुमोदित किया गया और एच आर प्रमुख दीपाली पांडे और वरिष्ठ प्रबंधक बी.एल.पाल द्वारा कार्यान्वित किया गया। मल्टी ड्रग प्रतिरोधी और व्यापक रूप से दवा प्रतिरोधी तपेदिक रोगियों के लिए परीक्षण को बढ़ाने और 2025 तक 'टी बी मुक्त भारत' के लक्ष्य को पूरा करने के लिए IOCL-UPSO-1 41.67

लाख रुपये दान करने पर सहमत हुआ है। संजय गांधी पी जी आई के निदेशक प्रो आर.के. धीमन के मार्गदर्शन में तपेदिक रोगियों में दवा प्रतिरोध का पता लगाने के लिए एक कुशल, व्यवहार्य और उन्नत डिजिटल प्रणाली स्थापित करने के लिए माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. ऋचा मिश्रा ने आईओसीएल को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। इस अनुदान के माध्यम से खरीदे गए उपकरण द्वारा जाँच रिपोर्ट अति शीघ्र उपलब्ध हो पायेंगी और क्षय रोगियों का उसी दिन उचित उपचार शुरू किया जा सकेगा। यह संवेदनशीलता परीक्षण की उस पारंपरिक पद्धति की तुलना में है, जिसमें तीन महीने तक का समय लगता है। इसके अलावा माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग में डॉ. ऋचा मिश्रा के नेतृत्व में कल्चर-ड्रग संवेदनशीलता और मौलीक्यूलर परीक्षण के लिए एक समर्पित क्षय रोग जैव सुरक्षा स्तर 03 लैब का निर्माण किया जा रहा है और यह लैब छह महीने में कार्यात्मक हो जाएगी।

मनरेगा कार्य में भ्रष्टाचार का आरोप

बिजनौर, (हि.सं.)। जनपद के ब्लॉक जलीलपुर के गांव रावटी के ग्रामीणों ने सीडीओ को दी गई शिकायत में मनरेगा कार्य में बड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जांच कराए जाने की मांग की है। शिकायतकर्ता कपिल कुमार तथा राजीव ने विकास भवन में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा को एक शिकायत दी, जिसमें कहा गया है कि गांव के ही रोजगार सेवक कविता पत्नी धर्मवीर सिंह बिना काम किए पैसा निकाल रही हैं। यही नहीं, धर्मवीर सिंह जिसकी पत्नी रोजगार सेवक है, के स्थान पर मनरेगा के सभी कार्य श्याम देखता है तथा अपने नाम से भी कार्य दिवस दिखाकर लगातार पैसा निकाल रहा है जबकि धर्मवीर सिंह रोडवेज में संविदा परिचालक हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि ऐसे मामले कई दर्जन हैं जिसमें लाखों का गोलमाल किया जा चुका है तथा इसमें विभागीय अधिकारी और कर्मचारियों की भी मिलीभगत है। शिकायतकर्ता ने साक्ष्य में जॉब कार्ड की एक सूची सीडीओ को दी है जिसमें धर्मवीर सिंह के नाम से अलग-अलग तारीखों में पैसा निकाला गया है। शिकायतकर्ता कपिल राजीव अनिल सिंह हरपाल सिंह भूदेव सिंह नेपाल सिंह आदि का दावा है कि वह पहले भी शिकायत कर चुके हैं जिसके बाद नेट से डाटा हटा दिया गया। इस मामले में उन्होंने सीडीओ को भी अवगत कराया। सीडीओ पूर्ण बोरा ने उच्च स्तरीय जांच कराने का आश्वासन दिया है ।

नहीं रहे वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा, सांसद- विधायक सहित कई लोगों ने जताई संवेदना

खूंटी, (हि.स.)। खूंटी के जानेमाने अधिवक्ता और नॉटरी पब्लिक लक्ष्मीकांत शर्मा का निधन रविवार की रात उनके खूंटी स्थित आवास में हो गया। उनके आकस्मिक निधन की खबर मिलते ही खूंटी और कचहरी परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। सहसा किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि हमेशा हंसमुख रहनेवाले मिलनसार अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा हमारे बीच नहीं रहे। लक्ष्मीकांत खूंटी के प्रख्यात चिकित्सक डॉ मन्मथ नाथ शर्मा के पुत्र और डॉ श्रीकांत शर्मा के अनुज थे। वे मूलरूप से कर्रा प्रखंड

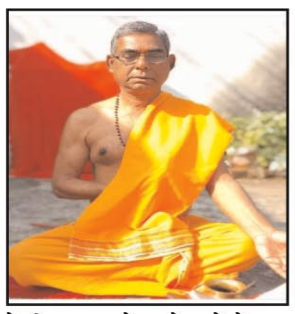

के बिकुवादाग के रहने वाले थे। 67 वर्षीय लक्ष्मीकांत शर्मा पिछले 35 वर्षों से खूंटी कोर्ट में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे। वे अपने पीछे दो पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं। सोमवार को तजना मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके कनिष्ठ पुत्र अवनी मोहन शर्मा ने मुखाग्नि दी। उनकी अंतिम यात्रा में लोगों की भारी भीड़ उमडी पड़ी। अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा के निधन पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पद्मभूषण कड़िया मुंडा, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, विधायक कोचे मुंडा, डॉ निर्मल सिंह, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, अनूप कुमार साहू सहित कई लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

पूर्व मध्य रेलवे के 50 स्टेशनों के आधुनिकीकरण का प्रधानमंत्री करेंगे शुभारंभ

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रेलवे के आधुनिकीकरण और स्टेशनों के अमृत स्टेशनों में परिवर्तित करने के बड़े अभियान की शुरूआत छह अगस्त को करेंगे। कार्यक्रम की जोरदार तैयारी चल रही है इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर, समस्तीपुर, दीनदयाल उपाध्याय, धनबाद और दानापुर मंडलों के कुल 50 स्टेशनों के आधुनिकीकरण और अमृत स्टेशनों में शामिल कर निर्माण कार्य की शुरूआत करेंगे। पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के जेडआरयूसीसी सदस्य अमरेन्द्र कुमार अमर ने सोमवार को बताया कि इसके प्रथम चरण में बेगूसराय जिला में स्थित समस्तीपुर मंडल के सलौना तथा सोनपुर मंडल के लखमीनिया स्टेशन के जीर्णोद्धार तथा

सौन्दर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सोनपुर मंडल के दस, समस्तीपुर मंडल के 12, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के साथ धनबाद मंडल के 15 और दानापुर मंडल के 13 स्टेशनों का प्रधानमंत्री प्रथम चरण में कायारंभ करेंगे। बेगूसराय एवं बरौनी स्टेशनों का काम द्वितीय चरण के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल है। उन्होंने बताया कि छह अगस्त को शुभारंभ के समय इन स्टेशनों पर रेलवे पंडाल बना कर विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगा। जिसमें प्रधानमंत्री ऑनलाइन माध्यम से कार्यों का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण स्टेशनों पर किया जाएगा। जिसमें रेलवे के अधिकारी के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

पूर्व की सरकारों की कुनीति व कुशासन से गरीब और बीमारू था यूपी : सीएम योगी

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संसाधनों से अमीर होने के बावजूद उत्तर प्रदेश पूर्व की गैर भाजपा सरकारों की कुनीति व कुशासन से गरीब और बीमारू राज्य बना था। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने सुनीति और सुशासन से उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी है। आज दुनिया मानती है कि यूपी गरीब व बीमारू राज्य नहीं बल्कि वह प्रदेश है, जहां छह साल में साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठे हैं। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर में आयोजित पीएम आवास योजना के लाभार्थी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों को सवालों के घेरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस, सपा और बसपा की सरकारों ने जनता को जनहित और विकास की योजनाओं के लाभ से वंचित रखा। कांग्रेस नारा देकर भी गरीबी नहीं हटा पाई। सपा के नारे जातिवाद, परिवारवाद के शिकंजे में भ्रष्टाचार के प्रतीक बन गए। बसपा के हाथी के पेट में पूरा प्रदेश ही समा जा रहा था। इन सबका परिणाम यह रहा कि यूपी पिछड़ता चला गया। यदि जनता गरीब रहेगी तो प्रदेश व देश समृद्ध नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि छह साल से यूपी में दिख रहा विकास और जनकल्याण के कार्य पहले भी हो सकते थे, लेकिन पूर्व की सरकारों में इच्छाशक्ति का अभाव था।

उनके एजेंडे में सिर्फ मैं और मेरा परिवार था - सपा का बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि उनके एजेंडे में "मैं" और मेरा परिवार ही था। प्रदेश के संसाधनों को लूटने के लिए महाभारत के सभी रिश्ते जुड़ जाते थे। उन्होंने किसानों, व्यापारियों का शोषण किया, युवाओं से अन्याय किया, महिलाओं की सुरक्षा खतरे में डाली।

बाल बांका नहीं कर सकती बीमारी - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में 15 जुलाई से 15 नवंबर तक का समय इंसेफेलाइटिस की दहशत के नाम रहता था। 40 वर्षों में 50 हजार बच्चों की मौत हो गई थी। डबल इंजन की सरकार ने इंसेफेलाइटिस का समूल कर दिया है। इंसेफेलाइटिस पूरी तरह नियंत्रित है, बस उन्मूलन की घोषणा ही बाकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरडी मेडिकल कॉलेज के सुदृढ़ीकरण और एम्स की स्थापना हो जाने से सर्दी हो या गर्मी, बरसात हो या बसंत, कोई भी बीमारी बच्चों का बाल बांका नहीं कर सकती।

कोई पैसा मांगे तो सीधे मुझे दें सूचना - योगी ने कहा कि पीएम मोदी का सपना है कि हर व्यक्ति के पास अपना घर हो। हर व्यक्ति की भी यही कामना होती है कि उसके पास अपना घर, उसमें बिजली पानी, रसोई गैस, राशन कार्ड, स्वास्थ्य बीमा आदि की सुविधा हो। आजादी के बाद पहली बार डबल इंजन की सरकार ऐसी सभी योजनाओं का लाभ दे रही है। उन्होंने पीएम आवास योजना को प्रधानमंत्री की तरफ से गिफ्ट बताते हुए कहा कि किस्त की रकम से समय पर मकान बनवाइए। यदि कोई पैसा मांगे तो सीधे मुझे सूचना दीजिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को राशन कार्ड, बिजली कनेक्शन, रसोई गैस कनेक्शन, आयुष्मान योजना का लाभ भी दिया जाएगा। उन्होंने आवास बन जाने पर गृह प्रवेश में जनप्रतिनिधियों को भी बुलाने और जो खुद खाते हों, वही जनप्रतिनिधियों को भी खिलाने की बात भी कही। उन्होंने बताया कि यूपी में पीएम आवास योजना शहरी के तहत 54 लाख गरीबों को आवास मिले हैं। गोरखपुर में 43600 आवास स्वीकृत हैं। इसमें से 35500 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले छह वर्षों में 61184 आवास उपलब्ध कराए गए।

विकास संग जनकल्याण की बढ़ रही रफ्तार - मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में विकास के साथ ही जनकल्याण की रफ्तार निरंतर बढ़ रही है। देश का सुरक्षित राज्य होने के साथ यूपी निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य है। गोरखपुर को ही देखें तो अच्छी सड़कें शोभा बढ़ा रही हैं। एम्स, खाद कारखाना, चिड़ियाघर, रामगढ़ताल से विकास की नई तस्वीर दिखती है। मेडिकल कॉलेज रोड विदेशी रोड लगता है। फ्लाईओवर बन जाने से खजांची चौक पर जाम की समस्या भी समाप्त हो जाएगी। आज गोरखपुर में सब कुछ है। यहां से संगठित अपराध, गैंगवार का सफाया हो चुका है। मच्छर और इंसेफेलाइटिस की समस्या का समाधान हो गया है। गोरखपुर तो अब सभी बीमारियों का समाधान करने वाला क्षेत्र बन गया है। दुनिया के निवेशक यहां निवेश करने आना चाहते हैं। गोरखपुर चार विश्वविद्यालय से शिक्षा का आधुनिक हब बन गया है। जल्द ही सहजनवा में अटल आवासीय विद्यालय में सत्र प्रारंभ होने जा रहा है। बेसिक स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो संकीर्ण सोच वाला होगा, उसे ही विकास नजर नहीं आ रहा होगा। सीएम ने कहा कि कोरोना काल से देश में 80 करोड़ और यूपी में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा मिल रही है जबकि पहले सत्ताधारी पार्टी से जुड़े लोग गरीबों का राशन हड़प जाते थे। आज किसी ने ऐसा किया तो जेल उसके इंतजार में है।

पहले नौकरी के नाम पर डकैती होती थी, आज नौकरी में सेंधमारी करने वाले जेल में मिलेंगे। डीबीटी से पेंशन में कमीशन खोरी को खत्म कर दिया गया है। सीएम ने सभी लोगों से विकास की सोच से जुड़ने, नागरिक दायित्व का निर्वहन करते हुए स्वच्छता को बढ़ावा देने की अपील की।

मेरी माटी, मेरा देश अभियान से जुड़ने की अपील - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी लोगों से मेरी माटी, मेरा देश अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारा देश व इसकी माटी के प्रति दायित्व होता है कि हम गंदगी न फैलाएं, अराजकता का प्रतिकार करें, भ्रष्टाचार को पनपने न दें। अराजकता, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार की सूचना शासन-प्रशासन को दें। लाभार्थी सम्मेलन को प्रदेश सरकार के मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय निषाद, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रशासन ने कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से की पुष्पवर्षा

प्रयागराज, (हि.स.)। सावन के चौथे सोमवार पर शिवालयों में हर-हर महादेव की गूंज है। आज जिलाधिकारी ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। जिससे सभी कांवड़ियों में जोश आ गया और वे प्रफुल्लित होकर बोल बम, बोल बम का नारा लगाने लगे। इस अवसर पर प्रयागराज के सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ लगी रही। गंगा स्नान कर श्रद्धालु दूध और गंगाजल से अभिषेक करने के लिए शिव मंदिरों में गये। इस दौरान जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, डीसीपी गंगापार अभिषेक

भारती, डीसीपी अभिनव त्यागी ने दशाश्वमेध घाट सहित अन्य घाटों, कांवड़ यात्रा मार्गों, मनकामेश्वर मंदिर, पड़िला महादेव मंदिर पर कांवड़ियों व श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की।

जमीन घोटाले मामले में अफसर अली की जमानत पर हुई सुनवाई

रांची, (हि. स.)। सेना के कब्जे वाली जमीन और रांची के अन्य भूखंडों की फर्जी दस्तावेजों के सहारे खरीद-बिक्री से जुड़े जमीन घोटाले के आरोपित अफसर अली की जमानत पर ईडी कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में सुनवाई के दौरान अफसर अली की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने कहा कि अफसर अली पर मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने का आरोप है। लेकिन उसके पास से एक रुपये की भी बरामदगी नहीं हुई है। इस पर ईडी के अधिवक्ता ने कहा कि लैंड स्कैम में अफसर अली की भूमिका सबसे बड़ी है। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान उसके पास से 26 अलग-अलग भूमि की डीड बरामद हुई है, जो फर्जी है। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने बहस की। अफसर अली की ओर से अधिवक्ता शंभु अग्रवाल ने बहस की। दोनों पक्षों की

ओर से बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। उल्लेखनीय है कि लैंड स्कैम की अब तक की जांच में अमित अग्रवाल, दिलीप घोष, रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर चुकी है। अफसर अली से पहले अमित अग्रवाल और दिलीप घोष ने भी जमानत याचिका दाखिल की थी। लेकिन दोनों की जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी थीं।

नीतीश कुमार से बिहार संभल नहीं रहा : सम्राट चौधरी

पटना, (हि.स.)। बिहार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने सहयोग कार्यक्रम के बाद सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश बाबू से बिहार संभल नहीं रहा है? भाजपा नेता की हत्या हो रही है, दलितों के साथ किस तरह का अत्याचार किया जा रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि अररिया में पति को कोटा में बांधकर उसकी पत्नी के साथ गलत व्यवहार किया गया। जदयू नेता के द्वारा नवादा में किस तरह दलित के साथ अत्याचार किया गया यह बातें हर किसी को मालूम है। इसका मतलब साफ है कि बिहार पूरी तरह जल रहा है और नीतीश कुमार जी आराम से सो रहे हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार राजनीति से अप्रासंगिक हो गए तो अब बचाता ही क्या है। लालू जी तो पहले से ही अप्रसांगिक है। लालू जी को फंसाने वाले नीतीश कुमार उनको जेल भेजने वाले नीतीश

कुमार अब उन्हीं की गोद में जाकर लालू जी बैठे हुए हैं तो फिर उनका वोट बचेगा क्या? सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार समेत पूरे देश की जनता अब यह तय कर चुकी है कि भाजपा की ही सरकार सारे जगहों पर रहेगी। बिहार में अब लालू जी और नीतीश जी का दिन लद चुका है।अब बिहार में इनका कुछ भी नहीं चलने वाला हैं। बीमार हैं घर में बैठकर आराम करें। अभी तो कोई कोर्ट चला जाए और अपील कर दें की एक पंजीकृत अपराधी कैसे किसी पार्टी का सुप्रीमों हो सकता है तो फिर उनको घर में बैठना पड़ जाएगा।

पूरे देश में आईएनडीआईए की मजबूती देख घबरायी है भाजपा : शिवपाल यादव

आजमगढ़, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी(सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि पूरे देश में इंडियन नेशनल डिवेल्पमेंटल इंक्लूसिव एलायंस काफी मजबूत है, जिससे भाजपा घबराई हुई है। वहीं उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत कर वर्ष 2024 के चुनाव में भाजपा की सरकार को उत्तर प्रदेश से हराना है। वह लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर संगठन की मजबूती व पार्टी को एकजुट करने के लिए दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को आजमगढ़ जनपद पहुंचे हैं। नगर के नेहरूहाल सभागार में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव का पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने फूल माला से स्वागत किया। इस दौरान पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं से शिवपाल यादव ने अपील किया कि सभी समाजवादी लोग एक झंडे के तले मजबूती के साथ खड़े होकर वर्ष 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लें। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि वह

पूर्वांचल के दौरे पर हैं। आजमगढ़ में दो दिनों तक वह संगठन को मजबूत करने, सभी समाजवादियों को एकजुट करने के लिए आए हैं। सभी को एकजुट कर वर्ष 2024 के चुनाव में समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश से भाजपा सरकार को हराएगी। आजमगढ़ से चुनाव लड़ने के सवाल पर शिवपाल यादव ने एक बार फिर दोहराया कि जो पार्टी का निर्देश व आदेश होगा वही वह करेंगे। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के द्वारा केदारनाथ व बद्रीनाथ पर दिए गए बयान को खुद व पार्टी को अलग करते हुए कहा कि यह उनका व्यक्तिगत बयान है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी की चाल है। हम उस पर नहीं जाना चाहते, न ही समाजवादी पार्टी जाना चाहती है। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ सहित अन्य स्थानों पर पार्टी की भंग चल रही इकाईयों को बहुत जल्द ही गठन कर लिया जायेगा। जिला इकाइयों के गठन के बाद हम समाजवादियों को एकजुट कर व संगठन को मजबूत कर वर्ष 2024 का चुनाव लड़ेंगे। एन.डी.ए. बनाम आई.एन.डी.आई.ए. पर सपा महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि आई.एन.डी.आई.ए. बहुत मजबूत है, यह पूरे देश में मजबूत है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी घबराई हुई है। सपा महासचिव ने कहा कि गुटबाजी अब बिल्कुल नहीं रहेगी। इसलिए वह आए हैं।

हाई कोर्ट ने ब्रह्म मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के मामले में फैसला सुरक्षित रखा

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने राजधानी रांची स्थित टैगोर हिल के ऊपर स्थित ब्रह्म मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के मामले में फैसला सुरक्षित रखा है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सोमवार को मामले की सुनवाई की। ब्रह्म मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने का आग्रह करने वाली सोसाइटी ऑफ प्रिजर्वेशन ऑफ ट्राईबल कल्चर एंड नेचुरल ब्यूटी ने झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है। इस

मामले में राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि टैगोर हिल का ब्रह्म मंदिर राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने योग्य नहीं है, इसके लिए कुछ मापदंड होते हैं, जो ब्रह्म मंदिर पूरा नहीं करता है। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद ने कोर्ट को बताया कि भारतीय पुरातत्व विभाग की मंजूरी के बाद टैगोर हिल की मरम्मत के लिए 69 लाख 30 हजार रुपये राज्य सरकार ने स्वीकृत कर दिया है। राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शैलेश पोद्दार, केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने पैरवी की। मामले में हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सोमवार को मामले की सुनवाई की।

नीतीश सरकार के खिलाफ भाजपा ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

किशनगंज, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा बिहार में बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ सोमवार को हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। शहर के महावीर मार्ग रोड गुरुद्वारा गली के सामने बिहार में बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, शिक्षक भर्ती में अराजकता सहित अन्य मुद्दों को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाकर कार्यकर्ताओ ने विरोध दर्ज किया है। भाजपा नेताओं ने कहा की महिलाओं, छात्र युवाओं सहित आम जनता पर अत्याचार व लाठीचार्ज तथा 10 लाख सरकारी नौकरी देने के झूठे वादे के विरुद्ध, भ्रष्ट एवं दमनकारी चाचा भतीजे की सरकार के विरोध में एवं विधानसभा मार्च के दौरान हुए लाठीचार्ज एवं हत्या के विरोध स्वरूप हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक की अगुआई में कार्यक्रम का विधिवत शुरूआत भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप के द्वारा हस्ताक्षर कर किया गया।

जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक ने बताया की हस्ताक्षर अभियान मे सैकड़ों लोगों ने हस्ताक्षर किया। हस्ताक्षर की कॉपी राज्यपाल को सुपूर्द किया जाएगा। हस्ताक्षर अभियान के दौरान गोप ने कार्यकर्ता और आम जनों को संबोधित करते हुए कहा की नीतीश कुमार के भ्रष्टाचार व ठग बंधन की सरकार बिहार में हत्या अपरहण और दमनकारी नीति चलाकर बिहार के जनमानस के साथ खिलवाड़ करने का काम कर रही है। गोप ने कहा की जंगलराज की वापसी एवं बिहार के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का कार्य किया जा रहा है जहां शासन प्रशासन के बीच समन्वय नहीं है, वही विरोध करने वाले चाहे शिक्षक हो छात्र हो या सामान्य जनता हो गोली का शिकार हो रहे हैं। हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम में जिला महामंत्री मनीष सिंहा, उपाध्यक्ष हरि अग्रवाल, नगर अध्यक्ष सुबोध महेश्वरी, अरविंद मंडल, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष शिवम शाह, आईटी सेल संयोजक कौशल आनंद, नगर अध्यक्ष विश्वजीत शाह, जिला कोषाध्यक्ष राहुल शाह, विशाल कुमार, शुभम सिंह, जयदीप राज एवं दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

चीरहरण की सीबीआई जांच

मणिपुर बीते 87-88 दिनों से जल रहा है। बाजार, मकान, घर, गली-मुहल्लों में सन्नाटा पसरा है। इस बीच जो विध्वंस किए गए हैं, आगजनी से बहुत कुछ 'राख' किया गया है, उनके जले-टूटे अवशेष ही साक्ष्य हैं। अपने-अपने इलाकों में छात्र और महिलाएं भी क्रमशः बंदूक लेकर और मशाल जला कर पहरेदारी में जुटे हैं। सेना और सुरक्षा बलों के जूतों की आवाज सुनाई देती है अथवा कहीं-कहीं गोलियां, ग्रेनेड चलाने के विस्फोट सुनाई देते हैं। मणिपुर करीब तीन माह के बाद भी अशांत और तनावपूर्ण है। विश्वास नहीं होता कि 17 जुलाई के बाद कोई मौत नहीं हुई होगी! बहरहाल केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई जांच का निर्णय सही दिशा में, सटीक कदम है। दो महिलाओं का चीरहरण, उन्हें नग्न अवस्था में घुमाना, एक 21 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक बलात्कार, घटना का वीडियो वायरल होना, राष्ट्रव्यापी गुस्सा और देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ की क्षुब्ध टिप्पणी आदि व्यापक घटनाक्रम हैं, जिनकी गहराई में जाना जरूरी है। भारत सरकार ने सर्वोच्च अदालत से अनुमति मांगी है कि चीरहरण कांड का संपूर्ण ट्रायल, मणिपुर के बजाय, असम में किया जाए। मौजूदा हालात में मणिपुर प्रशासन से निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की उम्मीद रखना भी फिजूल है। राज्य सरकार से ही मणिपुर के लोगों का भरोसा टूट चुका है। मोहभंग हो चुका है। ऐसे में सीबीआई जांच ही एकमात्र विकल्प था, लेकिन उसे भी समयबद्ध किया जाए, क्योंकि सीबीआई जांच लंबी खिंच जाती है। सीबीआई वायरल वीडियो, उसके कैमरे और वीडियो बनाने वालों की भी जांच करेगी। प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। मणिपुर का यथार्थ यह है कि करीब 65,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं और 50,000 से अधिक बेघर हुए हैं। करीब 3000 लोग घायल हुए हैं, जबकि मौतों की संख्या 165 तक पहुंच चुकी है। राज्य में करीब 5000 हिंसक घटनाएं हुई हैं। करीब 24,000 लोग राहत-शिविरों में शरण लिए हैं। वहीं महिलाओं ने 32 शिशुओं को जन्म दिया है और अब भी कई गर्भवती औरतें शिविरों के भीतर हैं। पुलिस ने 12,740 लोगों को एहतियात के तौर पर गिरफ्तार किया है और 252 संदिग्ध चेहरों की पहचान की गई है। मणिपुर में सेना और सुरक्षा बलों की 124 कंपनियां तैनात हैं और पहरेदारी कर रही हैं। इन आंकड़ों पर गौर करें, तो किसी युद्ध का बिम्ब मन में उभरता है। जातीय टकराव में हिंसा और हत्याओं की इतनी घटनाओं की जांच सीबीआई कैसे करेगी? अथवा चीरहरण कांड तक ही सीमित रहेगी? मणिपुर में 5100 से अधिक आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं। यह मैतेई बनाम कुकी, नागा समुदायों के बीच तनाव और टकराव के ही नतीजे हैं, लेकिन मणिपुर म्यांमार, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और चीन सरीखे पड़ोसी देशों से घिरा हुआ है। म्यांमार के नागरिक 72 घंटे के लिए कभी भी मणिपुर में घुस सकते हैं। कोई वीजा नहीं। सीमाएं खुली हैं। ऐसा निर्णय भी भारत सरकार ने किया होगा! म्यांमारी नागरिक लौटते हैं या नहीं, इसका रिकॉर्ड अधूरा है। म्यांमार का सबसे ताकतवर ड्रग और हथियारों का सिंडिकेट मणिपुर में ही सक्रिय है। अफीम की खेती और आधुनिक, स्वचालित हथियारों की तस्करी के अड्डों और उनकी सक्रियता की जानकारी राज्य और केंद्र सरकार दोनों को है, लेकिन सभी शुतुरमुर्ग बने हैं। मणिपुर में आज भी 40 उग्रवादी समूह मौजूद हैं, यह भी सरकारें जानती हैं। मणिपुर का संकट सिर्फ जातीय टकराव नहीं, बहुआयामी है। बेशक संसद में इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए थी। भारत सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी होगी।

मणिपुर करीब तीन माह के बाद भी अशांत और तनावपूर्ण है। विश्वास नहीं होता कि 17 जुलाई के बाद कोई मौत नहीं हुई होगी! बहरहाल केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई जांच का निर्णय सही दिशा में, सटीक कदम है। दो महिलाओं का चीरहरण, उन्हें नग्न अवस्था में घुमाना, एक 21 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक बलात्कार, घटना का वीडियो वायरल होना, राष्ट्रव्यापी गुस्सा और देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ की क्षुब्ध टिप्पणी आदि व्यापक घटनाक्रम हैं, जिनकी गहराई में जाना जरूरी है। भारत सरकार ने सर्वोच्च अदालत से अनुमति मांगी है कि चीरहरण कांड का संपूर्ण ट्रायल, मणिपुर के बजाय, असम में किया जाए। मौजूदा हालात में मणिपुर प्रशासन से निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की उम्मीद रखना भी फिजूल है। राज्य सरकार से ही मणिपुर के लोगों का भरोसा टूट चुका है। मोहभंग हो चुका है। ऐसे में सीबीआई जांच ही एकमात्र विकल्प था, लेकिन उसे भी समयबद्ध किया जाए, क्योंकि सीबीआई जांच लंबी खिंच जाती है। सीबीआई वायरल वीडियो, उसके कैमरे और वीडियो बनाने वालों की भी जांच करेगी। प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। मणिपुर का यथार्थ यह है कि करीब 65,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं और 50,000 से अधिक बेघर हुए हैं। करीब 3000 लोग घायल हुए हैं, जबकि मौतों की संख्या 165 तक पहुंच चुकी है। राज्य में करीब 5000 हिंसक घटनाएं हुई हैं।

कुछ अलग

हद पार का साम्राज्य

ऊंचे लक्ष्यों के फलक पर हिमाचल ने अपनी हैसियत पर दबाव बढ़ाते हुए क्षमता का क्षरण कर लिया है। यह दौड़ आंकड़ों में बेशक विशेष दर्जा हासिल करती होगी, लेकिन व्यावहारिक दृष्टि से बेअसर होने लगी है। केवल सरकारी मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की 870 सीटें भरी जाएंगी। एम्स व एक निजी मेडिकल कालेज के प्रवेश को जोड़ा जाए तो आंकड़ा हजार को पार कर जाएगा। यह हद को पार करने का साम्राज्य है, जो अपनी ही क्षमता को खंडित करता है। दरअसल स्वास्थ्य सेवाओं के मापदंड को हम मेडिकल कालेजों की शक्ति में विभाजित कर चुके हैं। जो डाक्टर कभी अपनी दक्षता के शिखर पर मरीज की देखभाल करते थे, आज मेडिकल कालेजों के प्रबंधन में व्यस्त हैं। चिकित्सा संस्थानों की शुमारी में व्यावसायिक पदोन्नतियां हो गईं, लेकिन मरीजों के हाल पे किसी को रोना नहीं आया। कमोबेश शिक्षा का भी अति से पार साम्राज्य तब बनता है जब हर विषय, हर कालेज में और हर स्कूल-विज्ञान स्कूल का दावा करता है। प्रदेश के पास सरकारी कालेजों की संख्या अगर 140 तक पहुंच गई, तो इसे उपलब्धि कहें या हिमाचल में शिक्षा का नया आयाम मानें। यह दौड़ कालेज-कालेज का खेल या यह तेरा कालेज-यह मेरा कालेज का राजनीतिक फलक है, जो एक दूसरे के मुकाबले राजनीतिक प्रतिनिधित्व की शक्ति है। यानी पिछले कुछ सालों में कई कालेज बिना किसी कारण या रणनीति के स्नातकोत्तर हो गए। उदाहरण के लिए घुमारवीं के सरकारी कालेज में अगर एक दर्जन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हैं, तो फिर नए विश्वविद्यालय की आवश्यकता क्यों हुई। हिमाचल में फैकल्टी बाद में आती है, पहले पाठ्यक्रम और नित नए कालेज, स्नातकोत्तर कालेज और अब तो विश्वविद्यालय भी उग रहे हैं। राजनीतिक सीमाओं के विभाजन में शिक्षा और चिकित्सा के लिए कई इमारतें बंट सकती हैं या संस्थानों की नई फेहरिस्त खड़ी हो सकती है, लेकिन गुणवत्ता के लिहाज से कार्य संस्कृति, काबिलीयत और कर्मठता की जरूरत हमेशा रहती है। हम नए संस्थानों, नए आंकड़ों और नए भवनों की आशा में भूल गए हैं कि महज 70 लाख की आबादी के लिए कितने फलक चाहिए। हम अपनी क्षमता के निर्माण में काबिलीयत को भूल रहे हैं। रोजगार के नाम पर सरकारी सेवाओं में समर्पण भूल रहे हैं। ऊंचे शिखर की तलाश में हम अपना आधार भूल रहे हैं। भूल रहे हैं कि अगर एक सिविल अस्पताल या क्षेत्रीय अस्पताल मरीज को बचाने के लक्ष्य से काम करे, तो मेडिकल कालेज भी इसके स्तर को ऊंचा करेगा, वरना मरीज यूं ही किसी न किसी बहाने आगे धकिया दिए जाएंगे या रैफर-रैफर के खेल में सारा इंतजाम बंट जाएगा। पिछले दिनों बिलासपुर के क्षेत्रीय अस्पताल से एम्स पहुंची मरीज को आईजीएमसी रैफर किया गया, लेकिन अंततः डिलीवरी तो एक एंबुलेंस सहायक ने ही करवा दी। ऐसे इंतजाम से भयभीत होने की वजह हमेशा रहेगी। इसी तरह सरकारी स्कूल अगर शिक्षा के आधार को पुख्ता करेंगे, तो कालेज की पढ़ाई आगे ले जाएगी, लेकिन अब तो स्कूल से कालेज और कालेज से विश्वविद्यालय के बीच उच्च स्तर का भी कोई फासला नहीं रहा, बस एक डिग्री भर का अंतर है। हमने इसी तरह बीएड कालेजों की संख्या को घर-घर पहुंचा दिया, तो इंजीनियरिंग की पढ़ाई को ही बेरोजगार बना दिया। आश्चर्य यह कि अति पढ़ा-लिखा होकर भी हिमाचल अशुद्ध पाठ्यक्रम का बेरोजगार हो गया। डाक्टरी की पढ़ाई सरकारी अस्पतालों की काबिलीयत में हार गई। आम शिक्षा बेरोजगारी में मात खा गई।

गरीबी संबंधी रिपोर्टों के मद्देनजर अब भारत में केंद्र व राज्य सरकारों के रणनीतिक प्रयासों से बहुआयामी गरीबी में और कमी आएगी

बहुआयामी गरीबी घटने का परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत एसडीजी लक्ष्य 1.2 प्राप्त करने की राह पर निकल गया, जिससे वर्ष 2030 के लिए तय की गई मियाद से बहुत पहले बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधा करने में मदद मिलेगी। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे अधिक कमी उत्तरप्रदेश में देखी गई, जहां 3.43 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। इसके बाद बिहार में 2.25 करोड़, मध्यप्रदेश में 1.35 करोड़, राजस्थान में 1.08 करोड़ और पश्चिम बंगाल में 92.6 लाख लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उल्लेखनीय है कि यूएनडीपी की रिपोर्ट 2023 में कहा गया कि भारत में पिछले 15 वर्षों में गरीबी में उल्लेखनीय रूप से कमी आई है। भारत में 2005-2006 से 2019-2021 के दौरान कुल 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।

इन दिनों देश और दुनिया में भारत में बहुआयामी गरीबी के घटने से संबंधित दो रिपोर्टें गंभीरतापूर्वक पढ़ी जा रही हैं। एक, नीति आयोग द्वारा 17 जुलाई को जारी की गई राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) प्रगति समीक्षा रिपोर्ट 2023 और दो, 11 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) के द्वारा वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) की रिपोर्ट 2023। ये दोनों रिपोर्टें भारत में बहुआयामी गरीबी घटने का सुकूनदेह परिदृश्य प्रस्तुत करते हुए दिखाई दे रही हैं। गौरतलब है कि नीति आयोग के द्वारा जारी राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में बहुआयामी गरीब लोगों की हिस्सेदारी वर्ष 2015-16 के 24.85 फीसदी से घटकर वर्ष 2019-21 में 14.96 फीसदी हो गई है। यह सूचकांक आय गरीबी के आकलन की पूरक है। यह सूचकांक स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में सुधार को बताता है, जो इसके सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के अनुरूप है। इसके तहत पोषण, बाल एवं किशोर मृत्युदर, खाना बनाने में उपयोग होने वाले ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास, मांओं के स्वास्थ्य, स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति जैसे आधारभूत संकेतक शामिल हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत एसडीजी लक्ष्य 1.2 प्राप्त करने की राह पर निकल गया, जिससे वर्ष 2030 के लिए तय की गई मियाद से बहुत पहले बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधा करने में मदद मिलेगी। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे अधिक कमी उत्तरप्रदेश में देखी गई, जहां 3.43 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। इसके बाद बिहार में 2.25 करोड़, मध्यप्रदेश में 1.35 करोड़, राजस्थान में 1.08 करोड़ और पश्चिम बंगाल में 92.6 लाख लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उल्लेखनीय है कि यूएनडीपी की रिपोर्ट 2023 में कहा गया कि भारत में पिछले 15 वर्षों में गरीबी में उल्लेखनीय रूप से कमी आई है। भारत में 2005-2006 से 2019-2021 के दौरान कुल 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। 2005-2006 में जहां गरीबों की आबादी 55.1 प्रतिशत थी वह 2019-2021 में घटकर 16.4 प्रतिशत हो गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2005-2006 में भारत में लगभग 64.5 करोड़ लोग गरीबी की सूची में शामिल थे, यह संख्या 2015-2016 में घटकर लगभग 37 करोड़ और 2019-2021 में कम होकर 23 करोड़ हो गई। खास बात यह है कि भारत में सभी संकेतकों के अनुसार गरीबी में गिरावट आई है। सबसे गरीब राज्यों और समूहों, जिनमें बच्चे और वंचित जाति

समूह के लोग शामिल हैं, ने सबसे तेजी से प्रगति हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में पोषण संकेतक के तहत बहुआयामी रूप से गरीब और वंचित लोग 2005-2006 में 44.3 प्रतिशत थे जो 2019-2021 में कम होकर 11.8 प्रतिशत हो गए। इस दौरान और बाल मृत्यु दर 4.5 प्रतिशत से घटकर 1.5 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार जो खाना पकाने के ईंधन से वंचित गरीबों की संख्या भारत में 52.9 प्रतिशत से गिरकर 13.9 प्रतिशत हो गई है। वहीं स्वच्छता से वंचित लोग जहां 2005-2006 में 50.4 प्रतिशत थे उनकी संख्या 2019-2021 में कम होकर 11.3 प्रतिशत रह गई है। पेयजल के पैमाने की बात करें तो उक्त अवधि के दौरान बहुआयामी रूप से गरीब और वंचित लोगों का प्रतिशत 16.4 से घटकर 2.7 हो गया। बिना बिजली के रह रहे लोगों की संख्या 29 प्रतिशत से 2.1 प्रतिशत और बिना आवास के गरीबों की संख्या 44.9 प्रतिशत से गिरकर 13.6 प्रतिशत रह गई है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत सहित 25 देशों ने भी अपने यहां गरीबों की संख्या में कमी की है। रिपोर्ट के अनुसार भारत उन 19 देशों की लिस्ट में शामिल है जिन्होंने 2005-2006 से 2015-2016 की अवधि के दौरान अपने वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) मूल्य को आधा करने में सफलता हासिल की। गौरतलब है कि डिजिटलीकरण के तहत जिस तरह आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-डीबीटी) में मदद की है, उससे भी गरीबों का सशक्तिकरण हुआ है। भारत में वर्ष 2014 से लागू की गई डीबीटी योजना देश में गरीबी कम करने में एक वरदान की तरह दिखाई दे रही है। भारत में डीबीटी से कल्याणकारी योजनाओं के जरिए महिलाओं, बुजुर्गों और किसानों और कमजोर वर्ग के लोगों को अकल्पनीय फायदा हो रहा है। जहां कोरोनाकाल में 80 करोड़ लोगों का डिजिटल राशन प्रणाली से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत खाद्यान्न निशुल्क दिया गया, वहीं अब विगत एक जनवरी 2023 से 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को हर महीने खाद्यान्न निशुल्क प्रदान किया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आने वाली देश की दो-तिहाई आबादी को राशन प्रणाली के तहत मुफ्त में अनाज देने की पहल दुनिया भर में रेखांकित की जा रही है। 2023 में वर्षभर गरीबों की खाद्य सुरक्षा तथा मुफ्त अनाज का वितरण गरीबी में कमी लाने का अहम उपाय दिखाई दे रहा है। वस्तुतः देश का कृषि उत्पादन देश के गरीबों और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा सहारा बन गया है। कृषि मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर के मुताबिक चालू कृषि वर्ष 2022-23 में 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है। जो देश में अब तक रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन है। खाद्यान्न उत्पादन वृद्धि से गरीबों का सशक्तिकरण हो रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि देश में गरीबों के कल्याण के लिए लागू की गई विभिन्न सरकारी योजनाएं मसलन सामुदायिक रसोई, वन नेशन वन राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत पोषण अभियान, समग्र शिक्षा जैसी योजनाएं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से गरीबी के स्तर में कमी और स्वास्थ्य व भूखमरी की चुनौती को कम करने में सहायक रही हैं। निश्चित रूप से तेजी से बढ़ती खाद्यान्न कीमतों के मद्देनजर गरीबों को मुश्किलों से बचाने और खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चितता हेतु अभी बहुत अधिक कारगर प्रयासों की जरूरत बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2023 में भारत 142.86 करोड़ लोगों की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश बना गया है, अतएव देश की नई आबादी के लिए रोजगार के नए अवसरों का निर्माण करना जरूरी होगा। रोजगार के ऐसे नए अवसर गरीबी नियंत्रण में सहायक होंगे। निश्चित रूप से देश में बहुआयामी गरीबी अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। देश में करीब 23 करोड़ लोग अभी भी गरीब हैं। ऐसे में गरीबी, बेरोजगारी, भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए सरकार के द्वारा घोषित नई जनकल्याण योजनाओं, स्वरोजगार योजनाओं, कौशल विकास, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामुदायिक रसोई व्यवस्था तथा पोषण अभियान-2 को पूरी तरह कारगर व सफल बनाया जाना होगा। मोटे अनाज का उत्पादन और वितरण बढ़ाकर देश में भूख और कुपोषण की चुनौती का सामना करके गरीबों की कार्यक्षमता बढ़ानी होगी। हम उम्मीद करें कि नीति आयोग और संयुक्त राष्ट्र की बहुआयामी गरीबी संबंधी रिपोर्टों के मद्देनजर अब भारत में केंद्र व राज्य सरकारों के रणनीतिक प्रयासों से बहुआयामी गरीबी में और कमी आएगी। ऐसे में देश के आम आदमी की कार्यक्षमता बढ़ेगी और आर्थिक कल्याण के साथ देश के विकास की रफ्तार भी बढ़ेगी।

कहर के बाद प्रदेश को चाहिए सतत विकास

हिमाचल प्रदेश सरकार के अनथक प्रयासों ने पर्यटकों को तो किसी तरह निकाल कर हिमाचल से रवाना किया, लेकिन हिमाचल में 130 से ज्यादा लोग मौत के मुंह में चले गए। सरकार के अनुमान के अनुसार लगभग 8000 करोड़ का नुकसान प्रदेश को हुआ है। जहां तक हाईवे का प्रश्न है, वह कई जगह इस तरह से टूटा है कि उसे ठीक करने में काफी समय लग जाएगा। हिमाचल में अधिकतर पुल बह गए हैं या इस हालत में हैं कि उनका लोग इस्तेमाल ही नहीं कर पाएंगे। हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं बरसात के दिनों में सामान्य हैं। हिमाचल की मुख्य नदियों ब्यास, सतलुज, चिनाब और छोटी सहायक नदियों जैसे फोजल, सरवरी, लारजी और बाकी खड्डों और दरिया-नालों में इतना पानी आया कि हर नदी का जल स्तर खतरे के निशान से कहीं ऊपर बहने लगा।

जुलाई के दूसरे सप्ताह में प्रदेश में बरसातों का कहर इस कदर बरपा कि हिमाचल का नक्शा ही बदल दिया। नदियों-नालों में बाढ़ आ गई, पहाडियां गिरने लगी, सडकें टूट गयीं, घर बह गए, पुल बह गए और पर्यटन सीजन में हिमाचल आये लगभग 70 हजार पर्यटक हिमाचल के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर फंस गए। मनाली-कुल्लू, सैंज, बंजार, मणिकर्ण, कसोल, किन्नौर, सिरमौर, मंडी, कांगड़ा, शिमला, चम्बा के कुछ भागों में बरसातों और बादलों के फटने से सब कुछ तहस नहस हो गया। हिमाचल प्रदेश सरकार के अनथक प्रयासों ने पर्यटकों को तो किसी तरह निकाल कर हिमाचल से रवाना किया, लेकिन हिमाचल में 130 से ज्यादा लोग मौत के मुंह में चले गए। सरकार के अनुमान के अनुसार लगभग 8000 करोड़ का नुकसान प्रदेश को हुआ है। जहां तक हाईवे का प्रश्न है, वह कई जगह इस तरह से टूटा है कि उसे ठीक करने में काफी समय लग जाएगा। हिमाचल में अधिकतर पुल बह गए हैं या इस हालत में हैं कि उनका लोग इस्तेमाल ही नहीं कर पाएंगे। हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं बरसात के दिनों में सामान्य हैं। हिमाचल की मुख्य नदियों ब्यास, सतलुज, चिनाब और छोटी सहायक नदियों जैसे फोजल, सरवरी, लारजी और बाकी खड्डों और दरिया-नालों में इतना पानी आया कि हर नदी का जल स्तर खतरे के निशान से कहीं ऊपर बहने लगा। पूरे प्रदेश में बरसात का कहर था। स्थानीय लोगों, प्रशासन, आपदा प्रबंधन तथा पुलिस ने इस सब में एक अहम भूमिका निभाई। भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर मुसीबत में फंसे लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों तक लाते रहे। हिमाचल भूस्खलन, भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं के कारण भौगोलिक दृष्टि से सबसे ज्यादा असुरक्षित जगह है। पिछले 20 सालों में निश्चित तौर पर यहां बहुत विकास हुआ है लेकिन पर्यावरण और यहां के परिवेश को नुकसान भी हुआ है। बहुत से स्थानीय लोगों का कहना है कि फोरलेन और आधुनिकीकरण इसका मुख्य कारण है। जब सडकें कम चौड़ी थीं और सुरंगें नहीं थी, तो पहाड़ और उसके आसपास की जमीन इतनी झरझरी नहीं थी। अब जरा सी बारिशें और उसके बाद धूप से चट्टानें फिसलती हैं और पहाड़ नीचे आ जाते हैं। नदियों में अंधाधुंध खनन हो रहा है। नदी के किनारे स्पॉट हो गए हैं, नदी में से पत्थर और रेत निकाल कर उसे खोखला कर दिया है। पानी का बहाव इस कारण और भी तेज हो जाता है। नदी के किनारे पहले बहुत वृक्ष होते थे, अब नदी के किनारों पर लोगों ने नदी की तरफ अतिक्रमण कर घर, दुकानें, मकान बना लिए हैं। भुंतर और हाथीथान में बहे घर, दुकानें और पेट्रोल पम्प शायद इसी कारण बह गए कि वे सब नदी के जल स्तर की बराबरी पर थे। नदी के किनारे लगातार अतिक्रमण से इतने कमजोर हो गए हैं कि वे जरा सा पानी का दबाव सहन नहीं कर पाते। हिमाचल की सभी नदियों में खनन और अतिक्रमण जोरों पर है। प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के लिए आप के पास कितना भी इंफ्रास्ट्रक्चर क्यों न हो, काफी नहीं होता है। प्रकृति सब पर भारी पडने की क्षमता रखती है अगर हम सूझबूझ से काम न लें तो खतरा है। हिमाचल को फिर से अपने पांव पर खड़ा होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर प्रयासरत हैं कि केंद्र सरकार उन्हें ज्यादा से ज्यादा सहायता दे, ताकि हिमाचल में जीवन फिर से पटरी पर लौट सके। हिमाचल सरकार ने लोगों को कुछ आर्थिक सहायता तो दी, लेकिन वह तत्काल राहत थी। बरसातों में प्रभावित हिमाचल वासियों और संस्थाओं को और आर्थिक सहायता की आवश्यकता है। हिमाचल के कई शहरों में बरसात ने इतना नुकसान किया है कि उन्हें फिर से स्थापित करना होगा। मनाली इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित है। आने वाले समय में बहुत सारी कंपनियां सरकार द्वारा निकाले गए टेंडर के लिए आवेदन करेंगी। सरकार को इन सभी कंपनियों के बारे में गंभीरता से सोचना होगा क्योंकि उनके बारे में और उनके काम के बारे में पूरी जानकारी लेनी होगी। भाई-भतीजावाद और राजनीतिक दबाव में आकर किसी को भी काम नहीं सौंपना होगा। जितने भी पुल बह गए हैं उनका निर्माण जल्दी करना होगा। और ऐसे पुलों का निर्माण करना होगा जिनमें भूकंप और अकस्मात बाढ़ को सहने की क्षमता हो। मलेशिया और दूसरे कई देशों में ऐसे पुलों का निर्माण हुआ है। गांवों और कस्बों में से गुजरने वाले नाले जो बरसात में पूरे उफान पर आ जाते हैं, उन्हें चिन्हित कर, पक्का करना होगा। जहां संभव हो वहां छोटे-छोटे चेक डैम बनाने होंगे, ताकि उनमें बारिश का पानी इकट्ठा रहे जो बाद में प्रयोग किया जा सके। हिमाचल वासियों को बारिश के पानी के संग्रहण के बारे में जागरूक करना होगा ताकि घरों और पगडंडियों का पानी कहीं एक जगह इकट्ठा किया जा सके। लोग अपने घरों में पानी के बड़े टैंक बना सकते हैं, जहां पानी इकट्ठा किया जा सकता है। नदी के किनारों को मजबूत करना होगा और अवैध खनन को रोकने के लिए सरकार को कड़े कानून बनाने होंगे।

नागरिक बोध

मणिपुर के आईने में भारतीय राष्ट्रवाद और इतिहास का सबसे बड़ा संकट

लगभग तीन महीने से जातीय हिंसा में झुलस रहे मणिपुर में महिलाओं के साथ बर्बरता का एक वीडियो देख पूरा देश सन्न रह गया। जिन महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया गया, उनमें एक महिला फौजी की पत्नी है, जिसने कारगिल में युद्ध लड़ा था। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी सैकड़ों घटनाएं हुई हैं। मणिपुर में जारी हिंसा में लगभग 155 लोग मारे जा चुके हैं। करीब 60,000 लोग बेघर हो गए हैं। 5000 से ज्यादा आगजनी की घटनाएं हुई हैं। राज्य भर में थाने लूटे गए हैं। हजारों की संख्या में हथियार और लाखों कारतूस संघर्षरत समुदायों के हाथ में पहुंच चुके हैं। अब इस आग की लपटें मिजोरम तक पहुंचने लगी हैं। इतने संवेदनशील हालात के बाद भी केंद्र और राज्य सरकारों का रवैए पर कई लोग सवाल उठा रहे हैं। जब वह भयावह वीडियो वायरल हुआ तो प्रधानमंत्री ने चुप्पी तोड़ी, लेकिन इसके बाद मणिपुर के मुद्दे को सभी राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से ढंकने की कोशिशें शुरू हो गईं। दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि मणिपुर में अब कोई "बीच का रास्ता" रह ही नहीं गया है। विभिन्न समुदाय अपने रुख को ज्यादा से ज्यादा कट्टर बनाते जा रहे हैं। नागरिक समाज का विलोप हो चुका है और दो संघर्षरत समुदायों के बीच बातचीत-समझौते के लिए अनिवार्य नैतिक प्रतिष्ठा राजनीतिक दल खो चुके हैं। इस बीच राहुल गांधी का मणिपुर दौरा काफी अहम था। उनके दौरे को पीड़ित समुदायों के घावों पर मलहम लगाने के प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है। भारत एक महादेश है। यह अपने अंदर पूर्वोत्तर से लेकर सुदूर दक्षिण तक भौगोलिक, भाषाई, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्तर पर स्थानीय अस्मिता की भावनाएं समेटे है। ये भावनाएं किसी समुदाय की पहचान, बोली, भाषा, धार्मिकता या संस्कृति से जुड़ी हो सकती हैं। इनकी अभिव्यक्ति अपने-अपने तरीके से होती है। कभी संगठन बनाकर, कभी अलग झंडों के जरिये या कभी सत्ता और संपत्तियों में सुरक्षित, उचित भागीदारी पाकर। ये अस्मिताएं मिलकर अखिल भारतीय अस्मिता के साथ जुड़ती हैं। इन्हीं पहचानों, इन्हीं अभिव्यक्तिओं से या कहें कि इन्हीं तमाम स्थानीय उप-राष्ट्रीयताओं से मिलकर अखिल भारतीय राष्ट्रीयता बनती है। भारत राष्ट्र का काम है इन सभी स्थानीय राष्ट्रीयताओं को भारतीय राष्ट्रवाद की बड़ी छतरी के नीचे लाना और उन्हें यह भरोसा देना कि हम सब मिलकर एक हैं। यह एक नाजुक काम है। इसमें दूरंदेशी, उदारता, गहरी समझ और बड़े भविष्य का खाका बनाने की क्षमता होनी चाहिए। यह चलताऊ तौर से नहीं किया जा सकता। इसे चुनावी लाभ या आर्थिक लाभ मात्र के दृष्टिकोण से किया जाना घातक हो सकता है। यहां समझने की जरूरत है कि राजनीतिक विचारधाराएं विभिन्न भारतीय अस्मिताओं को किस नजरिए से देखती हैं। हजारों वर्षों की सघन सामाजिक प्रक्रिया में पैदा हुई इन भारतीय अस्मिताओं को यदि चुनावी फायदे के लिए एक जरिया, एक औजार, 'टूल' मानकर राजनीतिक दल या सरकारें चलेंगी तो परिणाम मणिपुर जैसे ही आएंगे। चुनावी लाभ और सत्ता के लिए भाजपा-आरएसएस ने हमेशा से भारतीय राष्ट्रवाद के महासागर को एक संकीर्ण रूप में दिखाने की कोशिश की है। सत्य यह है कि महान विविधताओं से भरे हमारे भारत देश, जहां संस्कृति, परंपरा और विभिन्न एथनिक समुदाय आपस में, एक दूसरे में गड्डमड्ड हैं, को आरएसएस के 'हिंदू-गैर हिंदू' नजरिए से देखने का परिणाम यही होगा कि अन्य अस्मिताएं ऐसे ही सरलीकृत ढंग से इसे आजमाने लगेंगी। जाहिराना भाजपा देश के अंदर मौजूद स्थानीय अस्मिताओं और उप राष्ट्रीयताओं को सुरक्षा और अपनेपन का भाव देने में असफल हो गई और इसका भारतीय समाज के हर एक समुदाय पर दूरगामी असर पड़ा है।

देश दुनीया से

विदेशी संस्थागत निवेशकों का भारतीय स्टॉक (पूंजी) बाजार में बढ़ रहा है निवेश

भारत की अर्थव्यवस्था में आज लगभग किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है, जिसके चलते भारत का स्टॉक बाजार नित नई ऊंचाईयां हासिल करता दिखाई दे रहा है। इसके ठीक विपरीत अमेरिका, चीन, रूस, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, आदि जैसे लगभग सभी विकसित देशों में आज आर्थिक समस्याओं का अंबार लगा है। मुद्रा स्फीति की समस्या को तो कई विकसित देश अभी भी सम्हाल नहीं पाए हैं। विदेशी निवेशक संस्थानों का भरोसा इसी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर वापिस बहाल हुआ है और औसतन प्रतिदिन 100 करोड़ रुपए के शेयर विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय स्टॉक बाजार में खरीद रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद से भारतीय स्टॉक बाजार ने जो रफ्तार पकड़ी हैं, वह भारतीय स्टॉक बाजार के इतिहास में पहिले कभी भी नहीं रही है।

किस भी देश के लिए स्टॉक (पूंजी) बाजार में हो रहा उतार चढ़ाव उस देश की अर्थव्यवस्था में भविष्य में होने वाले परिवर्तनों को दर्शाता है। यदि स्टॉक बाजार में तेजी दिखाई देती है तो इसका आशय सामान्यतः यह लगाया जाता है कि उस देश की अर्थव्यवस्था में सुधार दृष्टिगोचर है। इसके विपरीत यदि स्टॉक बाजार नीचे की ओर जाता दिखाई देता है तो इसका आशय यह लगाया जाता है कि निकट भविष्य में उस देश की अर्थव्यवस्था में कुछ समस्याएं आने वाली हैं। भारत की अर्थव्यवस्था में आज लगभग किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है, जिसके चलते भारत का स्टॉक बाजार नित नई ऊंचाईयां हासिल करता दिखाई दे रहा है। इसके ठीक विपरीत अमेरिका, चीन, रूस, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, आदि जैसे लगभग सभी विकसित देशों में आज आर्थिक समस्याओं का अंबार लगा है। मुद्रा स्फीति की समस्या को तो कई विकसित देश अभी भी सम्हाल नहीं पाए हैं। विदेशी निवेशक संस्थानों का भरोसा इसी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर वापिस बहाल हुआ है और औसतन प्रतिदिन 100 करोड़ रुपए के शेयर विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय स्टॉक बाजार में खरीद रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद से भारतीय स्टॉक बाजार ने जो रफ्तार पकड़ी हैं, वह भारतीय स्टॉक बाजार के इतिहास में पहिले कभी भी नहीं रही है। 7 अप्रेल 2014 को भारत में सेन्सेक्स 22,343 अंकों पर था, जो 26 मई 2014 को 24,700 के आंकड़े को पार कर गया। वर्ष 2019 में चुनावी बिगुल बजने से पहले 10 अप्रेल 2019 को सेन्सेक्स 38,600 अंकों पर पहुंचा। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में स्टॉक बाजार ने लगभग 73 प्रतिशत यानी 16,250 अंको से ज्यादा की छलांग लगाई। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी पर नियंत्रण स्थापित करते हुए भारत ने पूरी दुनिया के पटल पर सफलता की एक कहानी लिखी। वर्ष 2020 में भारतीय स्टॉक बाजार ने दुनिया के बाजारों के मुकाबले निवेशकों को 15 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न प्रदान किया। मौजूदा समय में भारत में सेन्सेक्स 65,000 के पार पहुंच गया है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में सेन्सेक्स ने 66 प्रतिशत यानी 25,500 अंकों की तेजी दिखाई है। बम्बई स्टॉक एक्स्चेंज का मार्केट केप 7 अप्रेल 2014 को 74.51 लाख करोड़ रुपए था, जो वर्तमान में बढ़कर 294.11 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच चुका है। इस प्रकार, इस दौरान निवेशकों की झोली में 219.59 लाख करोड़ रुपए आ चुके हैं। भारत में पिछले 40 दिनों में सेन्सेक्स ने लगभग 1800 अंकों की छलांग लगाई है। भारतीय स्टॉक बाजार में वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के दौरान विदेशी निवेशकों की अहम भूमिका रही है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 4,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश भारतीय स्टॉक बाजार में किया है। अप्रेल 2023 से जुलाई 2023 तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1500-1600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश भारतीय स्टॉक बाजार में किया है। जो विदेशी संस्थागत निवेशक जनवरी-फरवरी 2023 में भारतीय कम्पनियों के शेयर बेचकर चीन की कम्पनियों के शेयर खरीद रहे थे परंतु अब मार्च-अप्रेल 2023 के बाद से पुनः वे भारतीय कम्पनियों के शेयर खरीदने लगे हैं। पिछले 9 वर्षों में से केवल 2 वर्ष ही ऐसे रहे हैं जिनमे विदेशी संस्थागत निवेशकों का भारतीय स्टॉक बाजार में शुद्ध रूप से निवेश ऋणात्मक रहा है।

अफगानिस्तान में तालिबान ने जलाया तबला और हारमोनियम: कहा- संगीत से नैतिक भ्रष्टाचार होता है, इससे युवा भटक जाएंगे

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से कई तरह के बदलाव आए हैं। वहां महिलाओं की नौकरी और पढ़ाई पर पाबंदी से लगाने से लेकर ब्यूटी पार्लर तक बंद करा दिए हैं। वहीं अब अफगानिस्तान में संगीत को अनैतिक घोषित करने की तैयारी की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान में तालिबान ने म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट जला दिए। घटना इस वीकेंड की है, जब अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में तालिबान ने तबला, हारमोनियम और गिटार जैसे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट इकट्ठा कर उनमें आग लगा दी। हेरात प्रांत में सदाचार को प्रोमोट करने वाले मंत्रालय के प्रमुख अजीज अल-रहमान अल-मुहाजिर ने कहा- संगीत को बढ़ावा देने से नैतिक भ्रष्टाचार होता है और इसे बजाने से युवा भटक जाएंगे।

शादी के हॉल से जब्त किए थे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट

तालिबान ने जो म्यूजिकल म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट जलाए हैं उनमें तबले, हारमोनियम और गिटार के अलावा ड्रम, एम्पलीफायर और स्पीकर भी शामिल हैं। इनकी कीमत कई सौ डॉलर्स बताई गई है और इन्हें हेरात के वेडिंग हॉल्स से जब्त किया गया था। अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद से तालिबान लगातार नैतिकता का हवाला देकर महिलाओं के अधिकारों को छीन रहा है। इस पर संयुक्त राष्ट्र संघ तक चिंता जाहिर कर चुका है। महीने की शुरुआत में तालिबान ने सभी ब्यूटी पार्लर बंद कराने की घोषणा की थी। अफगानिस्तान में हजारों ब्यूटी पार्लर हैं। इनकी ओनरशिप महिलाओं के पास ही है।

अफगानिस्तान को वैश्विक स्वीकार्यता का इंतजार

महिलाओं के अधिकारों पर पाबंदी लगाने के बावजूद अफगानिस्तान दुनिया से स्वीकार्यता की मांग करता है। पिछले हफ्ते तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा था- सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं। हम उन देशों से मान्यता की अपील करते हैं जो अमेरिका के दबाव में नहीं हैं। हम चाहते हैं कि दुनिया के ताकतवर इस्लामिक देश हमें सरकार के तौर पर पहचाने।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में आतंकी हमले में 44 लोगों की मौतः जमीयत उलेमा इस्लाम की रैली में ब्लास्ट; 100 से ज्यादा घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य के बाजौर में एक पॉलिटिकल रैली में ब्लास्ट हुआ। पुलिस ने इसे आतंकी हमला बताया है। 44 लोगों की मौत हो चुकी है और 100 से ज्यादा लोग घायल हैं। घटना बाजौर की खार तहसील की है। यहां सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल जमीयत उलेमा इस्लाम फजल की रैली चल रही थी। इस रैली को सीनियर लीडर हाफिज हमदुल्लाह संबोधित करने वाले थे, लेकिन वो किसी वजह से यहां पहुंच नहीं सके। बाद में मीडिया से बातचीत में हाफिज ने कहा- हमारे करीब 44 कार्यकर्ता इस ब्लास्ट में मारे गए हैं। मैं इस घटना की निंदा करता हूं। हमारे हौसले इस तरह के हमलों से कम नहीं होंगे। हाफिज ने आगे कहा- इस तरह के हमले पहले भी होते रहे हैं। इनकी गहराई से जांच होनी चाहिए। हमें तो किसी तरह की सिक्योरिटी भी मुहैया नहीं कराई जाती। हम इस मसले को संसद में उठाएंगे। पुलिस के मुताबिक ब्लास्ट हुआ। इस वक्त रैली में काफी लोग मौजूद थे। माना जा रहा है कि हमलावर पार्टी समर्थकों के बीच ही मौजूद था। इसलिए इसे फिदायीन हमला माना जा रहा है। चीफ मौलाना फजल ने घटना के बाद प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से बातचीत की और उन्हें तफ्सील से जानकारी दी। सरकार ने घटना की जांच के आदेश भी दे दिए हैं। फजल ने समर्थकों से कहा- आप लोग फौरन अस्पताल पहुंचें और घायलों को खून मुहैया कराएं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी के मुताबिक यह हमला मुल्क को कमजोर करने की एक और साजिश है। सरकार आतंकियों से निपटने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

भगोड़े नवाज फिर बनेंगे पाकिस्तान के पीएम : शहबाज शरीफ ने दिए संकेत, बोले- तटस्थ नेता को बनाएंगे अंतरिम पीएम

पाकिस्तान । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने वित्त मंत्री इस्हाक डार को कार्यवाहक

प्रधानमंत्री नियुक्त किए जाने की संभावना से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी आम चुनाव को पारदर्शी बनाने के मकसद से अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए अगले महीने किसी 'तटस्थ व्यक्ति' का चयन किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा संकेत भी दिया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने अपने बड़े भाई नवाज शरीफ के पाकिस्तान वापस लौटने का भी संकेत दिया। बता दें, नवाज साल 2019 से लंदन में रह रहे हैं। वह तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। शहबाज शरीफ ने कहा कि यदि पीएमएल-एन चुनाव जीतती है, तो 73 वर्षीय नवाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि नेशनल असेंबली (एनए) के भंग होने की अधिसूचना संसद के निचले सदन का कार्यकाल पूरा होने से कुछ दिन पहले राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को भेजी जाएगी। एनए 12 अगस्त की आधी रात 12 बजे अपना कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि सहयोगी दलों, पीएमएल-एन के सर्वोच्च नेता नवाज शरीफ और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज के साथ विचार-विमर्श के बाद कार्यवाहक व्यवस्था पर सहमति बनेगी।

फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर में भयंकर झड़प, पांच की मौत; पड़ोस में रहने वाले लोग घर छोड़कर भागे

लेबनान । दक्षिणी बंदरगाह शहर सिडोन के पास लेबनान के सबसे बड़े फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर में भारी झड़प हो गई। इस घटना में कम से कम पांच लोग मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। वही, फिलिस्तीनी गुट फतह ने एक अभियान के दौरान कमांडर अशरफ अल-आर्मोची और उनके चार साथियों के मारे जाने की पुष्टि की। गुट फतह ने लेबनान में फिलिस्तीनी शिविरों की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने के उद्देश्य से घृणित और कायरतापूर्ण अपराध की निंदा की। वहीं, फिलीस्तीनी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एक अज्ञात बंदूकधारी ने सशस्त्र समूह के सदस्य महमूद खलील की हत्या करने की कोशिश की। हालांकि खलील को कुछ नहीं हुआ, लेकिन उनका एक साथी मारा गया। इसके बाद ईन अल-हिलवे शिविर में लड़ाई शुरू हो गई। इस घटना में कम से कम पांच लोग मारे गए। वहीं, सात लोग घायल हुए हैं। लेबनान की सरकारी एजेंसी का कहना है कि घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। लेबनानी सेना ने बताया कि मोर्टार का एक गोला शिविर के बाहर एक सैन्य बैरक पर गिरा। इससे एक सैनिक घायल हो गया, जिसकी हालत स्थिर है। ईन अल-हिलवे शिविर में अपनी अराजकता के लिए जाना जाता है। वहां हिंसा होना आम बात है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है।

पुतिन ने लिया रूस की परमाणु पनडुब्बियों-युद्धपोतों का जायजा

नेवी डे पर की 30 नए जंगी जहाजों की घोषणा ; 3 हजार नौसैनिकों ने निकाला मार्च

सेंट पीटर्सबर्ग।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन देश की नेवी डे परेड में शामिल हुए। इस मौके पर पुतिन ने परमाणु पनडुब्बियों और युद्धपोतों का जायजा लिया। नेवी डे का आयोजन पुतिन के होम टाउन सेंट पीटर्सबर्ग में हुआ। इस दौरान 45 जंगी जहाजों और पनडुब्बियों ने नेवा नदी में प्रदर्शन किया। नेवी डे पर नौसेना के 3000 सदस्यों ने मार्च भी निकाला। वहीं, इस मौके पर पुतिन ने रूसी नौसेना के लिए 30 जंगी जहाजों की घोषणा की। उन्होंने कहा इससे नौसेना की ताकत में इजाफा होगा और देश की सुरक्षा मजबूत होगी। इस दौरान रूस के डिफेंस मिनिस्टर सर्गेई शोइगू, नेवी के कमांडर एडमिरल निकोलाई येवमेनोव भी मौजूद रहे।

जंग के बारे में कुछ नहीं बोले पुतिन

आमतौर पर रूस में किसी भी बड़े आयोजन पर पुतिन यूक्रेन जंग के बारे में जरूर कुछ न कुछ कहते हैं। हालांकि, हुई नेवी डे परेड में उन्होंने जंग के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। पुतिन ने सिर्फ यह कहा- आज रूस आत्मविश्वास के साथ बड़े स्तर पर अपनी नौसेना की पॉलिसी को लागू कर रहा है। साथ ही अपनी ताकत को और बढ़ा रहा है। रूस की नेवी डे परेड में 4 अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

परेड में ब्लैक सी फ्लीट भी शामिल हुई

रिपोर्ट के मुताबिक नेवी डे परेड में नौसेना की ब्लैक सी फ्लीट खासतौर पर शामिल हुई। दरअसल, 23 जुलाई को रूस ब्लैक सी ग्रेन डील से बाहर हो गया है। इससे ब्लैक सी एक बार फिर रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष का पॉइंट बन चुका है। पुतिन ने अफ्रीकी देशों के नेताओं से मुलाकात के दौरान कहा है कि वो फिर से इस डील का हिस्सा नहीं बनेंगे।

ग्रेन डील दोनों देशों के बीच पिछले साल जंग शुरू होने के बाद हुई थी। इसके तहत दोनों देशों ने यह तय किया था कि वो ब्लैक सी से गुजरने वाले एक-दूसरे के उन जहाजों पर हमले नहीं करेंगे, जिनमें फूड आइटम खासतौर पर अनाज होगा।

रूस के इस डील से बाहर निकलने के कारण अफ्रीकी देशों में अनाज का संकट मंडरा रहा है। इसके तहत पुतिन ने अफ्रीकी देश के नेताओं से मुलाकात की है। पुतिन ने अफ्रीकी देशों के नेताओं को भरोसा दिलाया है कि वो तीन से चार महीनों में करीब 50 हजार टन गेहूं 6 अफ्रीकी देशों को देंगे। इसके लिए रूस पेमेंट नहीं लेगा। इसके पहले यूएन 2 लाख 75 हजार टन गेहूं सप्लाई पर समझौता कर चुका है। यह वर्ल्ड फूड प्रोग्राम का ही हिस्सा है।

जंग रोकने पर क्या बोले पुतिन...

पुतिन ने साफ किया कि यह युद्ध तब तक नहीं रुकेगा जब तक यूक्रेन की सेना उन पर हमले करना जारी रखेगी। अफ्रीकी नेताओं से मुलाकात के दौरान पुतिन ने कहा- अगर यूक्रेन हम पर हमला करेगा तो हमें जवाबी कार्रवाई करनी पड़ेगी। कुछ लोग चाहते हैं कि शांति वार्ता की बात हो। हमने इससे इनकार नहीं किया है। मैंने पहले भी कहा है कि हम शांति वार्ता से इनकार नहीं करते। पुतिन ने कहा- यूक्रेनी सेना आक्रामक है, वो हम पर हमले कर रही है। वे बड़े स्तर पर आक्रामक रणनीतिक अभियान चला रहे हैं। हम शांति वार्ता के प्रस्ताव को बिल्कुल नहीं नकार रहे, लेकिन कोई भी प्रक्रिया शुरू होने के लिए दोनों पक्षों के बीच एक आम सहमति बनना सबसे अहम है।

अमेरिकी राज्यों में मनाया जाएगा श्री श्री रविशंकर डे, यह सम्मान भी मिला

वॉशिंगटन। ऐतिहासिक गर्व के क्षण में, भारतीय आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी श्री श्री रविशंकर ऐसे पहले और एकमात्र आध्यात्मिक गुरु हैं, जिन्हें 30 यू एस कैनेडियन सिटीज ने सम्मानित किया है। होवार्ड काउंटी, मैरीलैंड और टेक्सास के राज्यों में श्री श्री रविशंकर डे मनाने की घोषणा की गई है। इस घोषणा में, गुरुदेव के निर्देशन में, आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान द्वारा सेवा करने, शांति एवं आनंद का प्रसार करने, विवाद समाधान, पर्यावरण के लिए कार्य करने और ध्रुवीकृत विश्व का निर्माण करने के लिए समुदायों को साथ लाने के अथक प्रयासों का सम्मान किया है एवं संज्ञान लिया है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा, टगहरी प्रतिबद्धता और उत्साह के साथ गुरुदेव और उनके अनुयायियों ने युद्ध में तबाह क्षेत्रों की यात्रा की, कठोर कैदियों को परामर्श दिया और कट्टर विरोधियों के मतभेदों का समाधान किया। साथ ही साथ, होवार्ड काउंटी और मैरीलैंड के द्वारा एक कार्यकारी घोषणा की गई, जिसमें कहा गया टमानवतावादी, आध्यात्मिक गुरु, शांतिदूत और विश्व में सबसे अधिक मान्यताप्राप्त परिवर्तनकारी, गुरुदेव श्री श्री रविशंकर हमारे समाज को एक ऐसे समय में एकसाथ लेकर आए, जब ध्रुवीकरण और अलगाव की भावना चरम पर थी। गुरुदेव व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर शांति, एकता, आशा और आत्म नवीनीकरण के द्वारा हमारे समाज और विश्व को एक साथ लेकर आए। गुरुदेव और संस्थान के अपार योगदान और आध्यात्म और सेवा के द्वारा लोगों के जीवन में रूपांतरण लाने के लिए, होवार्ड काउंटी ने 22 जुलाई और टेक्सास और बर्मिंघम ने 29 और 25 जुलाई को श्री श्री रविशंकर डे घोषित किया है।

इन शहरों में गुरुदेव का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इन शहरों में आयोजित कार्यक्रमों में गुरुदेव विभिन्न पृष्ठभूमि, जाति एवं लिंग के हजारों साधकों से मिले और उन्हें संबोधित किया। गुरुदेव ने उन्हें भीतर की यात्रा पर ले जाते हुए प्रभावशाली ध्यान भी कराए। पिछले महीने, यू एस काउंटी ऑफ एलेघेनी अठ्ठाईसवां यूएस शहर बन गया, जिसने शांति और विवाद समाधान के मानवतावादी प्रयासों के लिए गुरुदेव श्री श्री रविशंकर को सम्मानित किया।

मशहूर स्टंटमैन की 68 मंजिला टावर से गिरकर मौत, घंटेभर पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी चढ़ाई की फोटो

फ्रांस । गगनचुंबी इमारतों पर करतब दिखाने के लिए मशहूर स्टंटमैन डेयरडेविल यानी रेमी ल्यूसिडी की हांगकांग में 68वीं मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। ल्यूसिडी ने अपनी मौत से करीब एक घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की थी।

ऐसे हुई मौत

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ल्यूसिडी ट्रेगुंटर टावर परिसर में स्टंट दिखाने के लिए अंदर गए। जब वह टावर चढ़ रहे थे, तो वह ऊपरी मंजिल के पेंटहाउस के बाहर फंस गए। इसलिए घबराहट में उन्होंने एक खिड़की को खटखटाया, इससे वहां काम कर रही एक नौकरानी चौंक गई। उसे देखकर वह भी घबरा गए और उनका पैर फिसल गया। इससे वह 68वीं मंजिल से गिर गए और उनकी मौत हो गई।

झूठ बोलकर गए थे इमारत के अंदर

हांगकांग के अधिकारियों ने बताया कि ल्यूसिडी को शाम करीब 6 बजे इमारत में देखा गया और उन्होंने गेट पर सुरक्षा गार्ड को बताया कि वह 40वीं मंजिल पर एक दोस्त से मिलने आए हैं। जब कथित मित्र से कर्मचारियों ने पुष्टि की तो पता चला कि ल्यूसिडी ने झूठ बोला।

49वीं मंजिल तक दिखे सीसीटीवी में

सुरक्षाकर्मी ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह पहले ही लिफ्ट में जा चुके थे। सीसीटीवी फुटेज में उन्हें 49वीं मंजिल पर आते और बाद में इमारत के शीर्ष पर सीढ़ी चढ़ते हुए देखा जा सकता है। लोगों को छत की ओर जाने वाली खिड़की खुली हुई मिली, लेकिन उनका कहना है कि ल्यूसिडी को कहीं नहीं देखा।

एक कैमरा भी मिला

हालांकि, शाम साढ़े सात बजे के करीब शख्स को खिड़की को खटखटाते देखा गया, जिससे अपार्टमेंट की एक नौकरानी को पुलिस को फोन करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि ल्यूसिडी पेंटहाउस के बाहर फंसे हुए थे और मदद के लिए खिड़की पर हाथ मार रहे थे।

ऑस्ट्रेलियाई बीच पर मिली रहस्यमयी चीज भारतीय रॉकेट का मलबा: 14 दिन की जांच में खुलासा, दुनियाभर की स्पेस एजेंसियों से किया था संपर्क

कैनबरा। 17 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तट पर बहकर आई एक रहस्यमयी चीज ने सबको हैरान कर दिया था। सोमवार को वहां की स्पेस एजेंसी ने बताया कि वो बेलनाकार अनजान चीज कुछ और नहीं बल्कि भारतीय रॉकेट का मलबा है। एजेंसी ने कहा है कि ये तीसरी स्टेज पर अलग हुआ पीएसएलवी लॉन्च व्हीकल का हिस्सा है। इसकी जांच में ऑस्ट्रेलिया की स्पेस एजेंसी को 2 हफ्तों का समय लगा। पहले इस टुकड़े के जासूसी उपकरण और लापता एएच370 फ्लाइट का हिस्सा होने की आशंका जताई जा रही थी। हालांकि, ईसरो ने अब तक इस मामले से जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी है।

स्टोरेज में रखा गया रॉकेट का मलबा

ऑस्ट्रेलिया की स्पेस एजेंसी ने कहा है कि फिलहाल 2 मीटर ऊंचे टुकड़े को स्टोरेज में रखा गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्पेस ट्रीटी के तहत भारत भी इसकी जांच में सहयोग कर रहा है। जांच के लिए ऑस्ट्रेलिया ने दुनियाभर की एजेंसियों से संपर्क किया था। रॉकेट का हिस्सा मिलने वाले दिन ऑस्ट्रेलियाई स्पेस एजेंसी ने इसकी तस्वीर ट्वीट करते हुए कहा था- जुरियन बे, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में मिली इस वस्तु की हम जांच कर रहे हैं। ये कोई फॉरेन स्पेस लॉन्च व्हीकल का हिस्सा हो सकता है।

स्पेस एजेंसी ने लोगों से इसे न छूने की हिदायत दी थी। साथ ही ये भी बताया था कि ऐसी ही अगर कोई और चीज मिलती है तो स्पेस एजेंसी को मेल पर जानकारी दें।

लोग इसे चंद्रयान से जोड़ रहे

ईसरो और न ही ऑस्ट्रेलिया की स्पेस एजेंसी ने इस टुकड़े के बारे में ज्यादा जानकारी दी है। हालांकि, सोशल मीडिया पर लोग इस टुकड़े को चंद्रयान-3 से जोड़कर देख रहे हैं। इसकी लॉन्चिंग 14 जुलाई को दोपहर 2.35 बजे हुई थी।

5 अगस्त को ये चंद्रमा की ऑर्बिट में पहुंचेगा और 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंड करेगा। सफलता मिलते ही अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा।

जानें क्यों ऑस्ट्रेलिया को लौटाना होगा रॉकेट का टुकड़ा...

ऑफिस फॉर आउटर स्पेस ट्रीटी के तहत अगर किसी देश में दूसरे देश की स्पेस ऑब्जेक्ट गिरती है तो उसे जांच के बाद वापस करना पड़ता है। इसकी जानकारी संयुक्त राष्ट्र संघ को भी देनी पड़ती है।

पाक-चीन मनाएंगे पीओके से गुजरने वाले सीपीईसी की 10वीं सालगिरह

आतंकी हमले के बीच चीनी उप-प्रधानमंत्री का स्वागत; बीआरआई में शामिल होकर पछता रहा इटली

इस्लामाबाद। 2013 में चीन और पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच बिजनेस बढ़ाने के लिए चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर यानी सीपीईसी की शुरुआत की थी। ये कॉरिडोर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बेल्ट एंड रोड इनीशिटिव के तहत शुरू किया गया था। इस साल सीपीईसी और बीआरआई के दस साल पूरे हो चुके हैं। चीन और पाकिस्तान का सीपीईसी प्रोजेक्ट पीओके से होकर गुजरता है। इसके चलते भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जाहिर की थी। इन प्रोजेक्ट्स की दसवीं सालगिरहा मनाने के लिए एक तरफ जहां चीन के वाइस प्रीमियर यानी उप प्रधानमंत्री ही लिफेंग इस्लामाबाद पहुंचे। वहीं, पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा राज्य के बाजौर में आतंकी हमले में 44 लोगों की मौत हो गई। हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। इसके बावजूद इस्लामाबाद की सरकारी इमारतों को रोशनी जगमगाया गया है। सड़कों पर चीन और पाकिस्तान के झंडे लगाए गए हैं।

आतंक के बीच फंसी चीन-पाक की दोस्ती - सीपीईसी के तहत चीन पाकिस्तान में ट्रांसपोर्ट, एनर्जी और इंफ्रास्ट्रकटर प्रोजेक्टस में 60 अरब डॉलर (करीब 4.9 लाख करोड़ रुपए) का निवेश कर रहा है। अब तक इस पर करीब 40 अरब डॉलर खर्च भी हो चुके हैं। इस्लामाबाद युनिवर्सिटी के प्रोफेसर अजीम खालिद का कहना है कि अब तक सीपीईसी के मिले-जुले नतीजे देखने को मिले हैं। पाकिस्तान के नेता चीन से दोस्ती को हिमालय से मजबूत, समुद्र से गहरी और शहद से मीठी बताते हैं। हालांकि, ये दोस्ती आतंक की चपेट में है। दरअसल, सीपीईसी चीन के शिनजिआंग इलाके को पाकिस्तान में बलूचिस्तान के ग्वादर पोर्ट से जोड़ता है। शुरुआत में दावा

किया गया था कि इस प्रोजेक्ट से बलूचिस्तान के लोगों को फायदा मिलेगा। हालांकि, ये दावा गलत साबित हुआ। नतीजा ये रहा कि बलूच अलगाववादी संगठन बीएलए ने सीपीईसी के प्रोजेक्ट्स पर कई हमले किए। सरकार को ये हमले रोकने के लिए वहां ऐके47 के साथ हजारों सैनिकों को तैनात करना पड़ा है। 2021 में बीएलए ने चीनी इंजीनियरों को दासू डैम प्रोजेक्ट साइट पर ले जा रही बस को उड़ा दिया था। इसमें 9 इंजीनियरों समेत कुल 13 लोग मारे गए थे। कराची यूनिवर्सिटी में चीन की महिला प्रोफेसरों की वैन पर बीएलए की महिला फिदायीन ने हमला किया था। इसमें 6 लोग मारे गए थे। इनमें से 5 चीनी थे। पेशावर में एक चीनी डॉक्टर के परिवार पर हमला हुआ था। कुल चार लोग मारे गए थे। अप्रैल 2021 में क्वेटा के फाइव स्टार होटल में अटैक हुआ। ये होटल चीन के राजदूत की मेजबानी कर रहा था। हमले में 5 लोगों की मौत हुई। चीन बीच में ही छोड़ रहा पाकिस्तान का साथ सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि चीन कर्ज देने के लिए ज्यादातर ऐसे देशों को चुनता है जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार या उसके अपने ट्रेड रूट में कोई अहम स्थान रखते हों। वो इन देशों में ज्यादातर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए लोन देता है। इन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से ज्यादातर वो होते हैं जो किसी न किसी रूप में चीन के लिए जरूरी होते हैं। वो कई ऐसे प्रोजेक्ट्स के लिए भी लोन देता है जो उस देश के लिए किसी काम के नहीं होते। पाकिस्तान को दिया गया चीन का ज्यादातर कर्ज चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के नाम पर है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस कॉरिडोर का कुछ हिस्सा चीन रणनीतिक रूप से काफी जरूरी मानता है। इस जरूरी हिस्से का काम चीन लगभग पूरा कर चुका है। अब उसने सीपीईसी में निवेश भी घटाना शुरू कर दिया है। चीन ने श्रीलंका के बाद अपने फायदे के लिए पाकिस्तान को भी कर्ज के जाल में फंसा लिया है।

सुरक्षित और सुगम सड़क मार्ग से बढ़ी राजस्थान की विकास गति : गहलोत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हर गांव-ढाणी को मजबूत सड़कों से जोड़ने का संकल्प साकार हो रहा है। इससे प्रदेश की विकास गति और अधिक बढ़ने के साथ नए आयाम स्थापित हुए हैं। राज्य सरकार दुर्घटना रहित सुरक्षित और सुगम सफर के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण सड़कों का जाल बिछा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचने वाले पर्यटकों के साथ ही पूरे देश में राजस्थान की मजबूत सड़कों की सराहना हो रही है। गहलोत ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से 2422 करोड़ रुपए की लागत से 1514 राजस्व गांवों की नवीन डामर सड़कों के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े प्रदेशवासियों को सम्बोधित किया। गहलोत ने कहा कि किसी भी प्रदेश और गांवों के विकास में सड़कों की अहम भूमिका होती है। सार्वजनिक निर्माण और अन्य विभागों ने मिलकर इस दिशा में बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारा है। आज राजस्थान मजबूत सड़क तंत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। इसमें निर्माणकर्ता ठेकेदारों की भी अहम भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 1 लाख किलोमीटर से अधिक सडकों का विकास कराने का लक्ष्य रखा है। इसमें अभी तक 65 हजार किलोमीटर में सड़कों का विकास हो चुका है। नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिकाओं में भी पीडब्ल्यूडी के माध्यम से सड़कें बनवा रहे हैं। आगे भी नवीन सड़क निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण के कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि तय समय सीमा में ही गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण होने से आमजन को राहत मिली है। यह गति बनी रहेगी। गहलोत ने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों का शुभारम्भ 5 अगस्त से होगा। अभी तक 58 लाख से अधिक हर उम्र, हर वर्ग के खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराकर नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने आमजन से खेल मैदान में टीम भावना और स्वस्थ खेल प्रतिस्पर्धा के लिए आह्वान किया। सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव ने बताया कि 31 जिलों की 106 विधानसभा क्षेत्रों के 1514 गांवों में नवीन सड़कों के निर्माण से गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवहन सुविधा में सुगमता आएगी। किसानों की आय में वृद्धि होगी। ये सड़कें गांव और ग्रामीणों के लिए जीवनदायिनी साबित होंगी। विभाग द्वारा शेष गांवों को भी शीघ्र ही सड़कों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट 2023-24 में 16 हजार 123 करोड़ रुपए की लागत से 23 हजार किलोमीटर सड़कों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अभी तक 32 हजार 384 करोड़ रुपए से 65 हजार किलोमीटर में सड़कों का विकास हुआ है।

जरूरतमंद की मदद से आएगा समाज में सकारात्मक बदलाव : खन्ना

जयपुर (हिंस)। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अविनाश राय खन्ना ने कहा है कि समाज के प्रति चिंतन केवल भाषण तक सीमित नहीं है, हम सब को मिल जुलकर जरूरतमंद लोगों की हर संभव मदद करनी चाहिए। इससे समाज में एक सकारात्मक बदलाव आएगा। इसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए। खन्ना ग्रासरूट मीडिया फाउंडेशन की ओर से सोमवार को त्रिमूर्ति सर्किल स्थित एक निजी होटल में आयोजित पुस्तक चर्चा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। जिस किताब *समाज चिंतन* पर पुस्तक चर्चा का आयोजन किया गया उसका लेखन अविनाश राय खन्ना ने ही किया है। खन्ना ने कहा कि आज किसी को तकलीफ में देखते हैं तो ज्यादातर लोग पल्ला झाड़कर आगे बढ़ जाते हैं, कुछ उसके संबंधित को रिपोर्ट करवा कर थोड़ा सा सहयोग कर देते हैं। मगर यह भी पर्याप्त नहीं है। किसी की तकलीफ को दूर करने में हम क्या कर सकते हैं, यह हमारी सोच होनी चाहिए। और इसी सोच को इस पुस्तक में मूर्त रूप देने का प्रयास किया गया है। अविनाश राय ने पुस्तक के कुछ अध्यायों पर चर्चा करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने बिना धरना-प्रदर्शन किए और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाए अपने विधानसभा क्षेत्र में जूते पॉलिश करके सरकार को सड़क की मरम्मत करवाने पर मजबूर किया,जबकि सरकार ने विधानसभा में पूछे सवाल के जवाब में कहा था कि सड़क की मरम्मत के लिए फिलहाल फंड नहीं है। पुस्तक चर्चा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार डॉ. गोपाल शर्मा ने कहा कि अविनाश राय खन्ना की पुस्तक समाज चिंतन समाज के इर्द गिर्द घूमती है। अन्याय का प्रतिकार करते हुए पुस्तक व्यवस्था परिवर्तन का पक्ष लेती है। लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ कैसे मिले, उनका जीवन स्तर कैसे सुधरे यह सब पुस्तक में समाहित है। गोपाल शर्मा ने कहा कि देश के लेखकों ने अपनी कलम से सही राह दिखाने का कार्य किया है। अविनाश राय खन्ना ने भी कथनी और करनी को एक करते हुए समाज को चिंतन की एक नई राह दिखाई है जो सभी के लिए मील का पत्थर साबित होगी। डॉ. गोपाल शर्मा ने कहा कि अविनाश राय खन्ना और ओंकार सिंह लखावत कई दशकों से राजनीति के क्षेत्र में होते हुए भी राजनीति से बहुत ऊपर उठे हुए हैं। उनकी निष्ठापूर्ण साधना हम सभी के लिए अनुकरणीय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सांसद ओंकार सिंह लखावत ने कहा कि साधारण कार्यकर्ता से राजनेता बने अविनाश राय खन्ना ने संसद में आम आदमी से जुड़े सवाल पूछकर प्रशासन को उनका समाधान करने पर मजबूर किया है। अविनाश राय खन्ना ने संसद में आतंकवाद, नशा, शिक्षा, स्वास्थ्य, अप्रवासी भारतीय, खेल जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार से इसका समाधान करवाया। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी ललित के पंवार, समाजसेविका लीला बोरड़िया, सेवानिवृत्त मेजर जनरल अनुज माथुर ने अविनाश राय खन्ना, ओंकार सिंह लखावत और डॉ. गोपाल शर्मा का स्वागत किया। जयसिंह भगासरा ने आभार प्रकट किया।

दलित महिला प्रतिनिधियों की बैठक में 20 दलित सरपंचों ने लिया हिस्सा

हिसार (हिंस)। ऑल इंडिया दलित महिला अधिकार मंच ने जिला स्तरीय दलित महिला प्रतिनिधि रिफ्रेशर प्रशिक्षण बैठक की। बैठक में 20 दलित सरपंचों हिस्सा लिया। सोमवार को एसडीओ विजय कात्याल, पंचायत सचिव लेखराज व एसडीओ सूरजमल मुख्य अतिथि ने बाबा साहब अंबेडकर, सावित्री बाई फुले के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दलित महिला प्रतिनिधियों को पंचायती राज से संबंधित विषयों पर उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करना तथा राजनैतिक रूप से उन्हें सशक्त करना था। बैठक में जिले की अलग-अलग पंचायतों से 20 दलित सरपंचों सहित 32 लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान दलित महिला प्रतिनिधियों को उनके अधिकार, कर्तव्य व शक्तियों व ग्राम पंचायत विकास योजना के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि पंचायत सचिव लेखराज ने ग्राम पंचायत विकास योजना तथा ग्राम सभा की होने वाली बैठक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एसडीओ विजय कात्याल ने ग्राम पंचायत के बजट व कार्यों की जानकारी दी। एसडीओ सूरजमल ने सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और राजनीतिक व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा करते हुए प्रतिनिधियों को जागरूक किया। वीरभान ने कहा कि सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इस मौके पर डॉ. राजकुमार माला व अनिल बागड़ी ने भी प्रतिनिधियों को संबोधित किया। आयोजनकर्ता व हिसार जिला की को-ऑर्डिनेटर मंजू व ने ऑल इंडिया दलित महिला अधिकार मंच के कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया दलित महिला अधिकार मंच दलित महिलाओं व बालिकाओं के ऊपर होने वाले शोषण के विरुद्ध सात राज्यों में कार्य कर रहा है। यह दलित महिला प्रतिनिधियों में उनके नेतृत्व क्षमता को विकसित करने व राजनैतिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

अपना भारतीय सनातन पार्टी विस चुनाव में पचास प्रत्याशी उतारेगी मैदान में

जयपुर (हिंस)। अपना भारतीय सनातन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोहर लाल शर्मा के नेतृत्व में जयपुर में कोर कमेटी की एक आकस्मिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कोर कमेटी के सदस्यों द्वारा राजस्थान में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की सहभागिता पर अंतर मंथन के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि पार्टी आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव में अपने पचास प्रत्याशी मैदान में उतारेगी। यह भी निर्णय लिया गया है कि समय के अभाव में पार्टी चुनाव की तैयारी बूथ स्तर पर एक मिशन चलाकर कार्यकर्ताओं की सूची बनाएगी। प्रदेश सचिव राजेंद्र दीक्षित ने बताया कि चुनाव की औपचारिक घोषणा पार्टी द्वारा अगस्त माह में जयपुर होगी। घोषणा के समय पार्टी अपने प्रत्याशी की पहली सूची भी जारी कर सकती है।

गुरुग्रामवासियों को जल्द मिलेगी जाम से मुक्ति : नितिन गडकरी

गुरुग्राम (हिंस)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुग्राम की जनता को आश्वासन दिया कि यातायात के जाम से जल्द ही मुक्ति मिल जाएगी। दिल्ली का रिंग रोड यूईआर-टू पानीपत से शुरू हो रहा है। इससे एयरपोर्ट पहुंचने में 15 से 20 मिनट का समय लगेगा। केंद्रीय मंत्री सोमवार को गुरुग्राम में भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास समारोह के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि छह महीने के अंदर यहां के लोगों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिल जाएगी। द्वारका एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य जल्द ही पूरा होने की प्रक्रिया में है। इस सड़क का निर्माण पूरा होते ही द्वारका व पुराने गुरुग्राम के क्षेत्र निवासी वाया सोहना होते हुए दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे का इस्तेमाल कर केवल दो घंटे में जयपुर पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस सड़क नेटवर्क के पूरा होते ही निश्चित रूप से गुरुग्राम-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी ट्रैफिक लोड में कमी आएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली में बनाए जा रहे नए आउटर रिंग रोड का कार्य अगले छह माह में पूरा हो जाएगा। इस निर्माण के पूरा होते ही पानीपत से आईजीआई एयरपोर्ट का सफर दो घंटे के बजाय एक चौथाई समय मे पूरा होगा, जिससे समय व ईंधन दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जो कूड़े के ढेर थे, उसका भी हमने सड़क निर्माण में प्रयोग किया है। उन्होंने बताया कि 30 लाख टन कचरा रोड में डाला गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शिव मूर्ति के पास इसी सड़क पर आठ लेन जमीन के अंदर व आठ लेन जमीन के ऊपर का एक मजबूत रोड नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। यह सड़क विशेष रूप से गुरुग्राम, आईजीआई हवाई अड्डा, दक्षिण और पश्चिम दिल्ली से चंडीगढ़ और उससे आगे की ओर जाने वाले यातायात के लिए एक तेज लिंक सुनिश्चित करेगी।

सुनाम पहुंचे सीएम मान : शहीद ऊधम सिंह को राष्ट्रीय शहीद के दर्जे पर कहा, केंद्र से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

चंडीगढ़। मान ने कहा कि शहीद ऊधम सिंह, शहीद करतार सिंह सराभा, शहीद-ए-आजम भगत सिंह जैसे योद्धाओं को यदि देश का सर्वोच्च भारत रत्न दिया जाए तो इससे भारत रत्न का सम्मान व गरिमा बढ़ेगी। मुल्क वासियों में शहीदों के प्रति पहले से ही बड़ा रूतबा है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि केंद्र सरकार कौन होती है जो यह तय करे कि कौन शहीद है और कौन नहीं। क्या ऐसे महान शहीदों की किसी सरकार के प्रमाण पत्र की जरूरत पड़ेगी? मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि कि शहीद ऊधम सिंह ने 21 साल तक जलियांवाला बाग की मिट्टी की कसम को याद रख कर लंदन में अपना बदला लिया। भगवंत मान ने कहा कि पाकिस्तान में शहीदों की कुछ निशानियां मौजूद हैं। इनमें भगत सिंह व अन्य शहीदों के फांसी के रस्से व कुछ अन्य निशानियां हैं, लेकिन पाक में राजनीतिक उथल-पुथल जारी है। इन सभी निशानियों को भारत लाने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते कहा कि केंद्र शासित प्रदेशों में चुनी हुई सरकारों के अधिकारों को छीनने वाले अध्यादेश से क्या शहीदों की आत्मा सुकून मिलेगा। लोकतंत्र की बहाली के लिए शहीदों ने शहादतें दीं और यदि लोकतंत्र के खिलाफ कुछ आएगा तो शहीदों की आत्मा तड़पेगी। देश का लोकतंत्र किसी के बाप की जागीर नहीं है। अगले साल देश की जनता, अपने ही हक में फैसला सुना देगी। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, विधायक वरिंदर गोयल, विधायक लाभ सिंह उगोके, काउंसिल अध्यक्ष निशान सिंह टोनी आदि उपस्थित रहे। अकाली दल संयुक्त के वरिष्ठ नेता व पूर्व वित्त मंत्री परमिंदर सिंह ढींडसा ने शहीद ऊधम सिंह के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी की नहीं बल्कि शाही पार्टी की सरकार है। इस सरकार ने तो अनाज मंडियों में होने वाले विशाल शहीदी समारोहों को एसी हाल तक सीमित कर दिया है। सरकार ऐसे समारोहों पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए केंद्र की ओर से भेजी ग्रांट की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को राहत नहीं मिल रही है। ढींडसा ने कहा कि सरकार को हरेक तहसील स्तर पर यूपीएससी कोचिंग सेंटर खोलने चाहिए। शहीद ऊधम सिंह का सपना था कि उनके मुल्क का हरेक नौजवान शिक्षित हो। विज्ञापन पर 750 करोड़ रुपए खर्च करने के बजाय युवाओं को शिक्षित करने पर खर्च करने की जरूरत है। इस दौरान एसजीपीसी के पूर्व सदस्य सनमुख सिंह मोखा, प्रितपाल सिंह हांडा, गुरुचरण सिंह धालीवाल, सतगुर सिंह, यादविंदर निर्माण, मनिंदर सिंह, सोहन भंगू, दर्शन मोरांवाली, नरेश जिंदल, प्रितपाल काला, बाबा सिंह, रूप सिंह, मनप्रीत सिंह गिल, परमिंदर जार्ज, गुरसिमरत सिंह, रोहतास बंगाली आदि उपस्थित रहे।

लापता होने के मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक दर्जन लोगों से की पूछताछ

कुलगाम (हिंस)। कुलगाम से सैन्य जवान के लापता होने के मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक दर्जन लोगों से पूछताछ की है। इस दौरान सेना के जवान जावेद अहमद वानी की कॉल डिटेल की जांच भी की जा रही है। इस बीच सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में जवान की तलाश में व्यापक तलाशी अभियान जारी रखा है। लद्दाख में तैनात सैन्यकर्मी जावेद जावेद अहमद वानी लद्दाख क्षेत्र में तैनात है और वह बकरीद पर छुट्टी पर आया हुआ था। परिवार वालों के अनुसार वह शनिवार शाम को पास में कुछ खरीदने गया था, लेकिन काफी समय बाद जब वह वापस नहीं आया तो उसकी तलाश शुरू की और पुलिस को इसकी सूचना दी। बाद में उसकी कार परानहॉल में लावारिस हालत में पाई गई। कार में जावेद के जूते और कुछ खून के निशान मिले थे। अब तक एक दर्जन लोगों से पूछताछ की गई है और कॉल रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। वानी के पिता ने आतंकियों से उसे छोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वे उसे जिंदा छोड़ दें, क्योंकि वह परिवार का एकमात्र कमाने वाला है।

वाहनों में लाउड स्पीकर व तेज आवाज में म्युजिक बजाने वालों पर कार्रवाई की जाए : गंगाराम पूनिया

हिसार (हिंस)। पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया ने ट्रेफिक थाना प्रभारी को शहर की सभी सड़कों पर चलने वाले वाहनों की अधिकतम स्पीड निर्धारित करवाने और सड़क पर स्पीड संबंधित बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वाहनों में लाउड स्पीकर और तेज आवाज में म्युजिक बजाने वालों पर कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया सोमवार को अपने कार्यालय में पुलिस पब्लिक समन्वय समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे। समिति सदस्यों के सुझावों पर उन्होंने ट्रेफिक थाना प्रभारी को ये निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि हिसार के मुख्य बस स्टेंड के गेट से कोई भी बस चालक सवारी न बैठाएं बल्कि सभी सवारियां बस स्टेंड के अंदर से बस में बैठे। उन्होंने कहा कि बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे की आवाज निकालने वाले मोटरसाइकिल चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने समिति सदस्यों से कहा कि पटाखे की आवाज निकालने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी है जो आगे भी जारी रहेगी। शिक्षण व कोचिंग संस्थानों के पास पुलिस पीसीआर को तैनात किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बैठक में आए सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुए पिछली बैठक के दौरान उठाए गए मुद्दों पर क्रमवार चर्चा कर पुलिस द्वारा किए गए उनके निदान का आंकलन किया। समिति के सदस्यों ने पिछली बैठक में उठाए गए मुद्दों पर पुलिस की तरफ की गई प्रभावी कार्रवाई पर पुलिस अधीक्षक का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक ने अपराध नियंत्रण व पुलिस संबंधित समस्याओं पर सुझाव मांगे। समिति के सदस्यों की तरफ से ट्रेफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने और सेक्टर 9-11 के अंदर से भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने, शहर में खुले कोचिंग सेंटरों के आसपास पुलिस की गश्त बढ़ाने, ट्रेक्टर और वाहनों में तेज आवाज में म्यूजिक बजाने और हांसी की तरफ जाने वाली प्राइवेट बस चालकों द्वारा तेज गति से बस चलाने से संबंधित मुद्दे उठाए गए। इस पर पुलिस अधीक्षक ने प्रभावी कार्रवाई करने और पुलिस गश्त के फेरों की संख्या में इजाफा करने का आश्वासन देते हुए उनसे भी सहयोग का आह्वान किया। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मचारियों के व्यवहार और काम की समयबद्धता को लेकर भी समन्वय समिति के सदस्यों से पूछताछ की। बैठक में पुलिस उप अधीक्षक विनोद शंकर, ट्रेफिक थाना प्रभारी निरीक्षक जसवंत और पुलिस पब्लिक समन्वय समिति के सदस्य मौजूद रहे।

खेतों में ट्रैक्टर ट्राली का रास्ता हुआ बंद तो सड़कों पर उतरे किसान

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत के गांव ककरोई गांव के खेतों में पानी भर जाने से 50 एकड़ की फसल खराब हो गई है। नहर से पानी लाने के लिए डाली जाने वाली पाइप का बेस बनाकर ऊंचा उठा दिए जाने से आने आने का भी रास्ता बंद हो गया है। खेतों में ट्रैक्टर ट्राली ले जाना संभव नहीं रह गया है। इससे परेशान होकर किसान विरोध करने को सड़क पर में उतर आए हैं। किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मेयर निखिल मदान, विधायक सुरेंद्र पंवार, मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा, संजय सिगला मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों की समस्या को सुना। सोमवार को ककरोई में विरोध प्रदर्शन करने के साथ सरपंच कर्मबीर सिंह, सुंदर सिंह, कपिल अनिल, रवि, जयपाल सिंह, संदीप, श्याम सिंह, रामफूल, सचिन, रवीन्द्र, जयप्रकाश, रमेश, राकेश, दिनेश अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यहां पर साढ़े तीन किलोमीटर लंबी पेयजल पाइप बिछाई जा रही है। पहले यहां पर पानी निकासी के लिए नाला बना हुआ था लेकिन अब पाइप रखने के लिए जो बेस बनाया जा रहा है वह खेत से ऊंचा है जिस कारण खेतों से पानी की निकासी नहीं हो रही है। कार्यकारी अभियंता निजेश का कहना है कि पश्चिम यमुना लिंक नहर ककरोई गांव के पास सोनीपत सेक्टर 23 के लिए पानी लाने की परियोजना है। इससे शहर के लोगों को पेयजल आपूर्ति की जानी है। उन्होंने यह भी कहा कि जूंआ ड्रेन ओवर फ्लो होने के कारण खेतों में पानी भरा हुआ है। मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा ने मौका मुआयना करने के बाद कहा कि इस परियोजना पर दोबारा से विचार कर समाधान निकाला जाना चाहिए।

शिवालयों में शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक

जयपुर (हिंस)। श्रावण के चौथे सोमवार को तड़के से ही शिवालय हर-हर महादेव, ओम नम: शिवाय के जयकारों से गूंज उठे। शिवजी के जलाभिषेक के लिए अलसुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी पड़ी। शहर के झारखंड महादेव मंदिर व तारकेश्वर महादेव मंदिर के बाहर तक भक्तों की लाइनें लग गई। भक्तों ने शिवजी के जलाभिषेक कर बिल्व पत्र, आक-धतुरा आदि अर्पित किए। शाम को मंदिरों में शिवजी के विशेष झांकी के दर्शन हुए। क्वींस रोड स्थित झारखंड महादेव मंदिर में तड़के से ही भक्त महादेवजी के जलाभिषेक के लिए पहुंचे, यहां अलसुबह से ही मंदिर के बाहर तक भक्तों की लंबी कतार लग गई। यहां महिलाओं और पुरुषों की अलग-अलग कतार लगी नजर आई। मंदिर ट्रस्ट की ओर से शिवजी के जलाभिषेक के लिए पानी और रामझारों की व्यवस्था की गई। वहीं सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस जवानों के साथ कदम-कदम पर स्वयंसेवक नजर आए। भक्त शाम 4 बजे तक शिवजी के जलाभिषेक किया। इसके बाद फूलों की विशेष झांकी सजाई गई। इधर चौड़ा रास्ता स्थित तारकेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन खुलने के साथ ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। शिवजी के जलाभिषेक के लिए भक्तों में होड सी लगी रही। मंदिर में तारक बाबा के जयकारे गूंज उठे। ता ?केश्वर महादेव के जलाभिषेक के लिए भक्तों की मंदिर के बाहर लंबी कतार लग गई। बनीपार्क स्थित जंगलेश्वर महादेव, झोटवाड़ा रोड स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर, छोटी चौपड़ स्थित रोजगारेश्वर महादेव मंदिर सहित कॉलोनियों के मंदिरों में भी सुबह से ही भक्त शिवजी के जलाभिषेक करते नजर आए। साथ ही चौड़ रास्ते के पटवो का रास्ता स्थित मीठेश्वर महादेव मंदिर में हलवाई समिति की ओर से बाबा अमरनाथ व नीलकंठ महादेव की झांकी सजाई गई। शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भोलेनाथ के भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल शिवमय बना दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। इसके अलावा सावन के चौथे सोमवार को भी शहर में कांवड़ यात्राओं का दौर जारी रहा। गलता तीर्थ से सुबह से ही शहर के विभिन्न शिवालयों के लिए कांवड़ में जल लेकर भक्त रवाना हुए। इस दौरान बोल बम तारक बम के जयकारे गूंज उठे। परकोटे में अलसुबह से ही कांवड़ यात्राएं निकली नजर आई।

बस-कार की भिड़ंत में एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत, तीन गंभीर

भीलवाड़ा (हिंस)। जिले से गुजरने वाले भीलवाड़ा-कोटा राजमार्ग पर रविवार देर रात सवाईपुर चौराहे के निकट बस और कार की जबरदस्त टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य तीन गंभीर जख्मी हो गए। ये परिवार मेनाल वाटरफॉल से घूम कर वापस आ रहा था, तभी परिवार की कार एक रोडवेज बस से भिड़ गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही तीन लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। बडलियास थाना प्रभारी शिवचरण ने बताया कि उत्तर प्रदेश के इटावा व वर्तमान में अजमेर शहर के आदर्श नगर क्षेत्र में रहने वाला बृजेश राठौड़ का परिवार रविवार को कोटा-लाडपुरा राजमार्ग पर स्थित मेनाल वॉटरफॉल पर घूमने गया था।

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते समय रखें इन बातों का ध्यान, कभी नहीं कम होगा क्रेडिट स्कोर

नई दिल्ली।

आज के समय में लोगों को क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करना काफी पसंद आ गया है। देश में यूपीआई, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के जरिये पेमेंट ज्यादा हो रही है। इस साल लगभग 10 करोड़ लोगों के पास क्रेडिट कार्ड की सुविधा पहुंच गई है। देश में जिस तरह क्रेडिट कार्ड की पेमेंट बढ़ रही है ठीक उसी तरह लोगों को उसका सही इस्तेमाल का ज्ञान होना बेहद जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसे स्मार्ट तरीकों के बारे में बताएंगे जिसके जरिये आप अपने क्रेडिट स्कोर को खराब होने से बचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि आप क्रेडिट कार्ड का सही से इस्तेमाल कैसे करें

न्यूनतम भुगतान के ऑप्शन से बचें – आपको हमेशा इस बात का ध्यान देना चाहिए क्रेडिट कार्ड के द्वारा खर्च किए गए पैसों क पूरा भुगतान करें। अगर आप क्रेडिट कार्ड का बिल समय से नहीं भरते हैं तो आपको ब्याज के साथ बिल का भुगतान करना पड़ सकता है। कई क्रेडिट कार्ड कंपनी ग्राहक से 40 फीसदी का एनुअल रेट के हिसाब से ब्याज लेते हैं।

देर से पेमेंट ना करें – आपको क्रेडिट कार्ड का बिल समय से भरना चाहिए। अगर आप समय से बिल का भुगतान करते हैं तो आपका क्रेडिट स्कोर भी काफी सही रहता है। अगर क्रेडिट स्कोर 100 अंक के नीचे पहुंच जाता है तो उसे खराब माना जाता है।

खर्च को कम रखें – आपको हमेशा कोशिश करना चाहिए कि आप क्रेडिट कार्ड से ज्यादा भुगतान ना करें। आपको क्रेडिट कार्ड के लिमिट से 30 फीसदी तक ही खर्च करना चाहिए। अगर आप समय से बिल भर सकते हैं तब ही आपको ज्यादा खर्च कर सकते हैं।

नियम व शर्तों को ध्यान से पढ़े – आप जब भी क्रेडिट कार्ड लें तो आपको उसका नियम व शर्तों के बारे में पूरा पढ़ लेना चाहिए। कई बार हम नियम व शर्तों को नहीं पढ़ते जो बाद में हमें महंगा साबित होता है।

कार्ड की जानकारी को सुरक्षित रखें – आपको कभी भी क्रेडिट कार्ड से जुड़ी कोई जानकारी किसी को नहीं देनी चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपके साथ फ्रॉड हो सकता है। आपको अनजान व्यक्ति से कभी भी पासवर्ड शेयर नहीं करना चाहिए। इसके अलावा आपको हमेशा कार्ड को सही जगह पर रखना चाहिए। अगर आप कार्ड को कहीं भूल जाते हैं तो ये आपको परेशानी में डाल सकता है।

न्यूज ब्रीफ

फिर उड़ान भरते नजर आ सकते हैं जेट एयरवेज के विमान! डीजीसीए ने हवाई परिचालन प्रमाणपत्र को दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिवालिया विमानन कंपनी जेट एयरवेज के विमान एक बार फिर उड़ान भरते नजर आ सकते हैं। कंपनी के लिए सफल बोली लगाने वाले जालान-कालरॉक कंसोर्शियम ने कहा कि नागर विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन के हवाई परिचालन प्रमाणपत्र को रिन्यू कर दिया है। बता दें कि नकदी संकट से जूझ रही जेट एयरवेज ने 17 अप्रैल 2019 से उड़ान बंद कर दी थीं। इसके बाद 20 मई 2022 को हवाई परिचालन प्रमाणपत्र (एओसी) फिर से जारी किया गया। हालांकि, एयरलाइन का परिचालन शुरू नहीं हो पाया, जिसके चलते एओसी 19 मई, 2023 को खत्म हो गई। जालान-कालरॉक गठजोड़ (जेकेसी) ने एक बयान में कहा कि उसे 28 जुलाई 2023 को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से जेट एयरवेज का एओसी मिल गया है। बयान में कहा गया कि एओसी का नवीनीकरण जेट एयरवेज के पुनरुद्धार में डीजीसीए के भरोसे को फिर से प्रमाणित करता है।

2030 तक 4000 डॉलर होगी प्रति व्यक्ति आय, भारत की आर्थिक वृद्धि में विदेशी व्यापार की अहम

मुंबई। देश में प्रति व्यक्ति आय 2029-30 तक करीब 70 फीसदी बढ़कर 4,000 डॉलर पहुंच जाएगी।2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 2,450 डॉलर थी।स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा, प्रति व्यक्ति आय बढ़ने से भारतीय जीडीपी को समर्थन मिलेगा। उसका आकार 2029-30 तक 6 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में घरेलू उपभोग में वृद्धि देखी जा रही है। 2029-30 तक जीडीपी में घरेलू उपभोग का हिस्सा आधा से अधिक हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2000-01 में भारत में प्रति व्यक्ति आय 460 डॉलर थी, जो 2010-11 में बढ़कर 1,413 डॉलर पहुंच गई।2020-21 में यह और बढ़कर 2,150 डॉलर पहुंच गई। 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 2,450 डॉलर थी। वहीं, 2022-23 तक 3,360 डॉलर प्रति व्यक्ति आय के साथ राज्यों में तेलंगाना शीर्ष पर है। कर्नाटक दूसरे और आंध्र प्रदेश तीसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2030 तक भारत की आर्थिक वृद्धि में विदेशी व्यापार की अहम भूमिका होगी। इस अवधि तक भारत का विदेशी व्यापार करीब दोगुना बढ़कर 2.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच जाएगा। 2022-23 में यह 1.2 लाख करोड़ डॉलर रहा था।

रुपया सात पैसे गिरकर 82.25 पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी कोषों की बिकवाली के कारण शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे गिरकर 82.25 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें 84 डॉलर प्रति बैरल से अधिक होने से भी रुपए पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.23 पर खुला और बाद के कारोबार में यह 82.25 तक चला गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 82.18 पर बंद हुआ था।

झुनझुनवाला की हिस्सेदारी वाली कंपनी में निवेश का मौका: 4 अगस्त को ओपन होगा कॉनकॉर्ड बायोटेक का आईपीओ, प्राइस बैंड 705 से 741 प्रति शेयर

मुंबई। बायोफार्मा कंपनी कॉनकॉर्ड बायोटेक लिमिटेड का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 4 अगस्त को ओपन हो रहा है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग, यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 1,551 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला के पास इस कंपनी में 24.09प्रतिशत की हिस्सेदारी है। दरअसल, बिग बुल राकेश झुनझुनवाला ने अपनी एसेट मैनेजमेंट कंपनी रेयर एंटरप्राइजेज के जरिए यह हिस्सेदारी खरीदी थी। पिछले साल उनकी मौत के बाद पूरी हिस्सेदारी रेखा झुनझुनवाला के पास ट्रांसफर हो गई थी। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 4 से 8 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। 18 अगस्त को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 20 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 705-741 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 741 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,820 रुपए लगाने होंगे।

महंगे नहीं होंगे लोन और न ही बढ़ेगी ईएमआई

आरबीआई के कंफर्ट जोन में महंगाई, 6.50 प्रतिशत पर ही बनी रह सकती है ब्याज दर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक अपकमिंग मॉनेटरी पॉलिसी रिव्यू मीटिंग में प्रमुख ब्याज दरों (रेपो रेट) पर यथास्थिति बनाए रख सकती है। यानी रेपो रेट 6.50प्रतिशत रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व और यूरोपीय सेंट्रल बैंक के बेंचमार्क दरों में बढ़ोतरी के बावजूद घरेलू मुद्रास्फीति आरबीआई के कंफर्ट जोन में बनी हुई है।

यह लगातार तीसरी बार होगा जब आरबीआई दरों में बदलाव नहीं करेगी। आरबीआई ने फरवरी से दर को 6.5प्रतिशत पर बरकरार रखा है, तब इसे 6.25प्रतिशत से 0.25 पॉइंट बढ़ाया गया था। इसके बाद अप्रैल और जून में पिछली दो मीटिंग में ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी अगली मीटिंग में 8-10 अगस्त को होगी। इसमें लिए गए नीतिगत फैसलों की घोषणा 10 अगस्त को आरबीआई गवर्नर करेंगे।

अमेरिका और यूरोप में बढ़ी ब्याज दरें

पिछले हफ्ते अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर 25 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 5.25-5.50प्रतिशत कर दी, जिससे यह कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने गुरुवार को एक चौथाई प्रतिशत अंक की नई दर वृद्धि की घोषणा की, जिससे उसकी रेपो रेट 3.75प्रतिशत हो गई है।

एक्सपर्ट कमेंट्स

मुद्रास्फीति कम चलने से ब्याज दर में बदलाव की उम्मीद कम : बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, मुद्रास्फीति इस समय 5प्रतिशत से कम चल रही है। इस कारण उम्मीद है कि आरबीआई ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। हालांकि, आने वाले महीनों में महंगाई बढ़ने के साथ मुद्रास्फीति में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।

2 हजार के नोट वापस लेने से स्थिति अनुकूल : कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा, चूंकि 2 हजार रुपए के नोट को वापस लेने की घोषणा के बाद नकदी की स्थिति अनुकूल हो गई है, इसलिए उम्मीद है कि आरबीआई मौजूदा स्टांस पर कायम रहेगा। हालांकि, घरेलू मुद्रास्फीति के रुख पर सभी की निगाहें रहेंगी।

सीपीआई के 6प्रतिशत से ऊपर जाने का अनुमान : इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, सब्जियों की कीमतों में उछाल से जुलाई 2023 में सीपीआई या खुदरा मुद्रास्फीति 6प्रतिशत से ऊपर जाने का अनुमान है। ऐसे में रेपो रेट पर यथास्थिति बनी रहने के साथ एमपीसी की तीखी टिप्पणी देखने को मिल सकती है।

महंगाई 4प्रतिशत के ऊपर ही रहने की संभावना - आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछली मिटिंग के बाद बताया था कि वित्त वर्ष 2023-24 में महंगाई 4प्रतिशत के ऊपर ही रहने की संभावना है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2023-24 में रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5प्रतिशत रहने का अनुमान है।

आरबीआई ने 6 बार में दरें 2.50प्रतिशत बढ़ाई - आरबीआई ने मई 2022 से फरवरी 2023 तक 6 बार में दरों में 2.50प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। अप्रैल में रेपो रेट को 6.50प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया था। उससे पहले फरवरी में दरों को 6.25प्रतिशत से बढ़ाकर 6.50प्रतिशत किया गया था। मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग हर दो महीने में होती है।

रेपो रेट में बदलाव न होने से लोन महंगे नहीं होंगे, ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी – आरबीआई के पास रेपो रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो, आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। रेपो रेट ज्यादा होगा तो बैंकों को आरबीआई से मिलेने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में आरबीआई रेपो रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को आरबीआई से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है। इस उदाहरण से समझते हैं।

कोरोना काल में जब इकोनॉमिक एक्टिविटी ठप हो गई थीं तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई गवर्नर ने जीडीपी को लेकर कहा था कि भारत की वित्त वर्ष 2023 में रियल जीडीपी 7.2प्रतिशत देखने को मिली जो पहले के 7प्रतिशत के अनुमान से ज्यादा मजबूत है। सभी फैक्टर्स को ध्यान में रखते हुए, 2023-24 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5प्रतिशत देखने को मिल सकती है।

लोकसभा में आएगा कस्टम्स टैरिफ एक्ट में बदलाव का प्रस्ताव

वित्त मंत्रालय ने एलपीजी पर कस्टम ड्यूटी 5प्रतिशत से बढ़ाकर 15प्रतिशत करने का नोटिफिकेशन जारी किया था

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में कस्टम्स टैरिफ एक्ट की पहली अनुसूची में संशोधन के लिए प्रस्ताव पेश करेंगी। लिक्विड पेट्रोलियम गैस, प्रोपेन और ब्यूटेन पर आयात शुल्क बढ़ाने के लिए यह प्रस्ताव पेश किया जा रहा है। इस बदलाव को लेकर फाइनेंस मिनिस्ट्री ने 30 जून को नोटिफिकेशन जारी किया था। सरकार ने नोटिफिकेशन में कहा था- एलपीजी सिलेंडर पर कस्टम ड्यूटी 5प्रतिशत से बढ़ाकर 15प्रतिशत की जा रही है। इसके ऊपर 15प्रतिशत एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस भी लगेगा। हालांकि, सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम को आयात पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई थी।

उनके लिए ये निल है। सरकार के इस कदम का मकसद डोमेस्टिक कंज्यूमर्स को प्रोटेक्ट करने के साथ इंपोर्ट बिल कम करना है। ऐसे में सरकारी कंपनी के उपभोक्ताओं पर इसका असर नहीं होगा। आखिरी बार घरेलू सिलेंडर के दाम 1 मार्च 2023 को 50 रुपए बढ़े थे। दिल्ली में इसकी कीमत 1103 रुपए, मुंबई में 1102.50 रुपए और कोलकाता में 1129 रुपए है।

वित्त वर्ष 2022-23 में 153.50 रुपए बढ़े दाम

पिछले वित्त वर्ष में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कुल 4 बार बदलाव हुआ है। दिल्ली में दाम 949.50 रुपए से बढ़कर 1003 रुपए हो गए हैं। 7 मई को 2022 को दाम 50 रुपए बढ़ाए थे जिससे ये 949.50 रुपए से बढ़कर 999.50 रुपए पर पहुंच गए थे। 19 मई 2022 को फिर से दामों में 2.50 रुपए का इजाफा किया गया। इसके बाद कीमत 1003 रुपए हो गई थी। 6 जुलाई 2022 को एलपीजी कीमतें 50 रुपए बढ़ाई गई थी। इस बढ़ोतरी के बाद दाम 1053 रुपए हो गए थे। 1 मार्च 2023 को दाम फिर से 50 रुपए बढ़ाए गए, जिससे सिलेंडर की कीमत 1103 रुपए हो गई थी। जून, 2020 से एलपीजी सिलेंडर पर ज्यादातर लोगों को सब्सिडी नहीं मिल रही है।

सोना नरम, चांदी 74 हजार से नीचे

नई दिल्ली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमएसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 19 रुपए की गिरावट के साथ 74,040 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 204 रुपए की गिरावट के साथ 73,855 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 74,064 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 73,839 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपए किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत भी आज नरमी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 92 रुपए की गिरावट के साथ 59,693 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 156 रुपये की गिरावट के साथ 59,629 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 59,764 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 59,616 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया।

मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की कीमतों में सुस्ती देखी जा रही है। कामेक्स पर सोना 1959.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछली बंद कीमत 1960.40 डॉलर थी। यह 3.70 डॉलर की तेजी के साथ 1956.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.47 डॉलर के भाव पर खुले, जबकि पिछली बंद की कीमत 24.49 डॉलर थी। फिलहाल यह हल्की गिरावट के साथ 24.37 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

अब ट्वीट की जगह पोस्ट का ऑप्शन: आईओएस ऐप में सोमवार को बदलाव किया, एंड्रॉइड और वेब वर्जन के लिए अभी तक अपडेट नहीं

नई दिल्ली।

माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर को एक्स के रूप में रीब्रांड करने के बाद एलन मस्क ने ट्वीट का ऑप्शन बदलकर पोस्ट कर दिया है। कंपनी ने आईओएस यूजर्स के लिए 10.ओ अपडेट रोलआउट किया है। इस अपडेट में ऐप में ट्वीट ऑप्शन को बदलकर पोस्ट दिया है। हालांकि, एंड्रॉइड और वेब वर्जन पर अभी भी ट्वीट का ही ऑप्शन आ रहा है। कंपनी ने अभी यह नहीं बताया है कि वह एंड्रॉइड एप्लिकेशन और वेब वर्जन में इस ऑप्शन को कब अपडेट करेगी। इसके साथ ही मस्क ने टैगलाइन भी बदल दी है। मस्क ने इसके बारे में पोस्ट करके जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ब्लेज योर ग्लोरी!! पहले ट्विटर की टैगलाइन व्हाट्स हैपनिंग थी।

24 जुलाई को मस्क ने पहली बार लोगो बदला

24 जुलाई को एलन मस्क ने पहली बार लोगो बदलकर एक्स किया था। इसके बाद 26 जुलाई को देर रात लोगो के डिजाइन में मस्क ने छोटा सा बदलाव किया था। मस्क ने एक्स लोगो को ज्यादा बोल्ड और शार्प कर दिया है। मस्क ने कहा था, लोगो समय के साथ डेवलप होगा। वहीं मस्क ने ट्विटर का नाम एक्स करने पर कहा था, आने वाले महीनों में ट्विटर सभी तरह की फाइनेंशियल सर्विस प्रोवाइड करेगी। ऐसे में ट्विटर नाम का कोई मतलब नहीं है।

दो दिन पहले एक्स में शुरू हुआ है एड रेवेन्यू शेयरिंग प्रोग्राम

दो दिन पहले एक्स ने भारत सहित दुनियाभर में एडह्य रेवेन्यू शेयरिंग प्रोग्राम शुरू कर दिया है। इसके जरिए प्लेटफॉर्म के वेरिफाइड कॉन्टेन्ट क्रिएटर्स पैसा कमा सकते हैं।

1999 से मस्क का लेटर एक्स से नाता

एलन मस्क का एक्स लेटर से नाता साल 1999 से है। तब उन्होंने एक ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी बनाई थी।

आईपीओ : कम समय में मिलता है ज्यादा फायदा; छोटी कंपनियों में है ज्यादा लाभ

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार में इस समय 5,000 से ज्यादा कंपनियां सूचीबद्ध हैं। इसमें से करीब सारी कंपनियां आईपीओ लाकर सूचीबद्ध हुई हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान कुछ ऐसी कंपनियां रही हैं, जिनके आईपीओ को सैकड़ों गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। सैकड़ों ऐसी कंपनियां रही हैं जिन्होंने कम पैसा जुटाया, पर इनके शेयरों ने निवेशकों को मालामाल किया है। लेकिन कुछ ऐसी कंपनियां भी रही हैं जिन्होंने निवेशकों के पैसे डुबाने में भी कामयाबी हासिल की है।

विश्लेषक बताते हैं कि अगर आप सावधानी से और जांच परख कर अच्छे सेक्टर वाली कंपनियों के शेयरों में पैसे लगाते हैं तो आपको महज एक हफ्ते में ही अच्छा खासा फायदा हो सकता है। किसी भी कंपनी को आईपीओ लाने के बाद उसे 6 दिन में शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराना होता है।

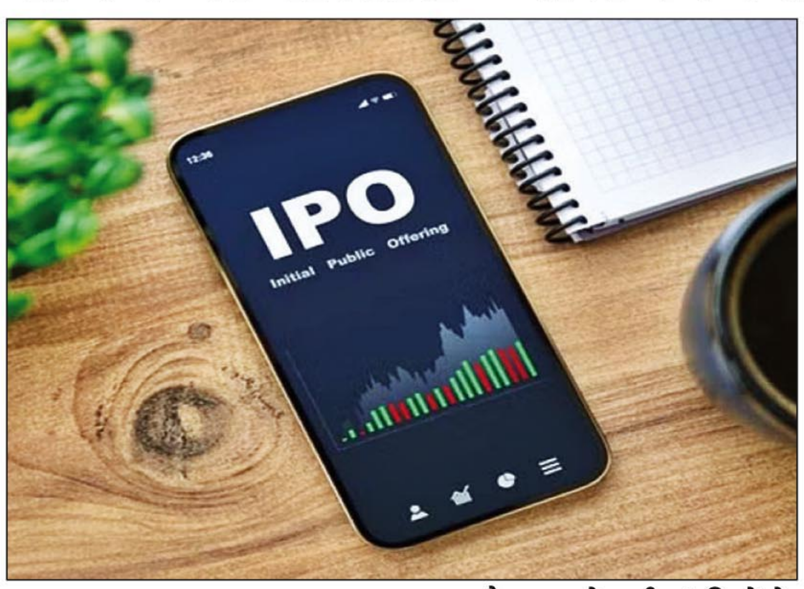

तेजी में है शेयर बाजार

ट्रेडिंगो के संस्थापक पार्थ न्याति बताते हैं कि इस समय बाजार तेजी में हैं। इससे कंपनियों को पूंजी जुटाने में मदद मिल रही है। बाजार की तेजी कई वर्षों तक रहेगी और ऐसे में कंपनियां अच्छी खासी पूंजी भी जुटाएंगी। कुछ आईपीओ तुरंत लाभ देते हैं तो कुछ लंबे समय में देते हैं। ऐसे में यह हर निवेशक के निवेश के लिए अच्छा अवसर होता है।

ज्यादा पैसा जुटाने वाली कंपनियों ने दिया घाटा

जिन कंपनियों ने बहुत ज्यादा पैसा जुटाया, उनके शेयरों ने घाटा दिया है। अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ लाने वाली एलआईसी के शेयर ने सूचीबद्धता के समय करीब 8प्रतिशत का घाटा दिया था। इसने 21 हजार करोड़ से ज्यादा की रकम जुटाई थी। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्यूनिकेशन ने 18,300 करोड़ रुपये जुटाए थी। इसने सूचीबद्धता के समय 28 फीसदी घाटा दिया। इन दोनों कंपनियों के शेयर कभी भी आईपीओ के भाव पर नहीं पहुंच पाए हैं और आज भी ये निवेशकों को घाटा दे रहे हैं।

जल्दी सूचीबद्ध होंगे शेयर

निवेशकों की सहूलियत के लिए सेबी ने शेयरों को सूचीबद्ध करने की समय सीमा घटा दी है। अभी 6 दिन में सूचीबद्ध होने वाले शेयर इसी साल से तीन दिन में सूचीबद्ध होंगे। सितंबर से इसे स्वैच्छिक और दिसंबर से अनिवार्य लागू किया जाएगा। इसके पीछे यह उद्देश्य है कि निवेशकों को शेयरों का आवंटन न हो तो उन्हें जल्दी पैसे वापस मिल जाएं, ताकि वे अगले आईपीओ में पैसे लगा सकें।

सावधानी से करें निवेश

अगर सही कंपनी है और आपने उसके आईपीओ में पैसा लगाया है तो आपको केवल 6 दिन में अच्छा फायदा मिलता है। अगर आपको आईपीओ में शेयरों का आवंटन मिल गया तो इन 6 दिनों में अच्छा लाभ होता है। हालांकि, ऐसा हर कंपनी के आईपीओ में नहीं होता है। पर जांच परख और सावधानी के साथ निवेश किया जाता है तो जरूर फायदा होने की उम्मीद होती है।

रिलायंस पावर और जीआईसी भी घाटे वाली

सबसे अधिक पूंजी जुटाने में रिलायंस पावर भी रही है। 2007 में बाजार की भारी तेजी में यह जनवरी, 2008 में आईपीओ लाई थी। उस समय सबसे बड़ा 11,563 करोड़ का आईपीओ था। इसके शेयर ने सूचीबद्धता के समय 17 फीसदी का घाटा दिया था। इसके बाद पूरी दुनिया मंदी की चपेट में आ गई थी। 2010 में कोल इंडिया इश्यू लेकर आई। उस समय यह सबसे बड़ा इश्यू था जिसने 15,199 करोड़ रुपये जुटाए।

हालांकि इसके शेयर ने 39 फीसदी का फायदा दिया था। जनरल इंश्योरेंस ने 2017 में 11,175 करोड़ रुपये जुटाई लेकिन इसके शेयर ने 5 फीसदी का घाटा दिया था।

शुभांगी अत्रे जल्दी ही दोहरी भूमिका में आएंगी नजर

-भाबीजी घर पर हैं में चमेली जान का रोल भी करेगी

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे का लोकप्रिय धारावाहिक शो भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे शीध्र ही दोहरी भूमिका में नजर आएंगी। शुभांगी ने बताया कि शो की कहानी दिलचस्प होगी क्योंकि मासूम अंगूरी भाभी एक उत्तेजक व्यवहार वाली क्लब डांसर चमेली जान का रूप धारण करेंगी। इस एपिसोड में एक और हिट शो हप्पू की उलटन पलटन का क्रॉसओवर भी दिखाया जाएगा। इसके मुख्य किरदार हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी), कमिश्नर (किशोर भानुशाली) और मनोहर (नितिन जाधव) एक अंतरराष्ट्रीय अपराधी की प्रेमिका को गिरफ्तार करने के लिए शो में गुप्त रूप से जाएंगे।इस दौरान सभी हैरान रह जाते हैं, जब उनका सामना अंगूरी की हमशक्ल से होता है, जो खुद को चमेली जान कहती है। हालांकि,जब उनका सामना होता है तो लाइट बंद हो जाती है, जिससे वह घायल हो जाती है और मदद मांगती है। इस बीच, तिवारी (रोहिताश्व गौड़) से अपमान का सामना करने के बाद अंगूरी निराश होकर घर छोड़ देती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मौका देखकर, कमिश्नर और मनोहर अंगूरी से संपर्क करते हैं और उससे अपराधी को पकड़ने में मदद करने की विनती करते हैं, जिस पर वह सहमत हो जाती है। जैसे-जैसे कहानी सामने आती है, तिवारी और विभूति (आसिफ शेख) भेष बदलकर इसमें शामिल हो जाते हैं।दोहरी भूमिका निभाने पर खुशी व्यक्त करते हुए, शुभांगी ने विस्तार से बताया, मुझे चमेली जान का नया किरदार निभाना बहुत पसंद आया। विभिन्न अवसरों पर डांस करने से मुझे बहुत खुशी हुई। एक अभिनेत्री के रूप में कई भूमिकाओं में डूबने की इच्छा निरंतर रहती है। मैं भाबीजी घर पर हैं जैसे शो का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली मानती हूं, जो हर हफ्ते नई कहानियां पेश करता है और मुझे दर्शकों के लिए कुछ नया पेश करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा, अपनी सामान्य उपस्थिति से दूर जाना रोमांचकारी और रोमांचक दोनों था। सबसे बेहतर पहलुओं में से एक मेरे डांस को कोरियोग्राफ करना था। मैंने जीनत अमान, हेलेन, माधुरी दीक्षित जैसे सितारों के प्रदर्शन से प्रेरणा लेते हुए डांस किया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य दर्शकों के लिए कुछ नया करने का होता है।

सेंसर बोर्ड का आदेश- 'ओह माय गॉड-2' में बदला जाए अक्षय कुमार का रोल

अक्षय कुमार की ओह माय गॉड-2 की रिलीज डेट करीब आ रही है, लेकिन अभी भी इस फिल्म से मचा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में सेंसर बोर्ड ने फिल्म में 20 कट्स का सुझाव दिया था, लेकिन अब बोर्ड ने फिल्म के निमार्ताओं को अक्षय कुमार की भूमिका बदलने का सुझाव दिया है। सेंसर बोर्ड से फिल्म में 20 कट्स का सुझाव मिलने के साथ ही चर्चा थी कि फिल्म को ए सर्टिफिकेट मिलेगा, लेकिन फिल्म की कहानी हस्तमैथुन के मुद्दे से संबंधित होने से सेंसर बोर्ड के सदस्य इस बात को लेकर थोड़े सशंकित हैं कि हस्तमैथुन और यौन शिक्षा को भगवान शंकर से जोड़ने पर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देंगे। यही कारण है कि सीबीएफसी ने सुझाव दिया है कि अक्षय कुमार के किरदार को भगवान शंकर के रूप में नहीं बल्कि शंकर के दूत के रूप में दिखाया जाना चाहिए, ताकि दर्शकों की धार्मिक भावनाएं आहत न हो सकें। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसी भी चर्चा है कि फिल्म से अक्षय कुमार के कुछ डायलॉग्स और सीन्स हटा दिए जाएंगे। ऐसी भी चर्चा है कि ओह माय गॉड-2 तय तारीख यानी 11 अगस्त को रिलीज नहीं होगी। हालांकि, इस पर मेकर्स ने कोई टिप्पणी नहीं की है, ऐसे में संभावना है कि फिल्म तय दिन पर ही बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ 11 अगस्त को सनी देओल की गदर-2 भी रिलीज होगी। ह्यओह माय गॉड-2 में अक्षय कुमार के साथ पंकज त्रिपाठी, यामी गौतम, अरुण गोविल अहम भूमिकाओं में हैं।

फरदीन खान की शादी शुदा जिंदगी में आई दरार, शादी के 18 साल बाद लेंगे तलाक!

बॉलीवुड में लिंकअप और ब्रेकअप लगातार होते रहते हैं। कई जोड़े जो कई सालों से शादीशुदा हैं, पिछले कुछ सालों में अलग हो गए हैं। रितिक रोशन-सुजैन खान, मलायका अरोड़ा-अरबाज खान, फरहान अख्तर-अधुना, अर्जुन रामपाल जैसी मशहूर जोड़ियों ने तलाक ले लिया है। इसके बाद अब एक और जोड़ा अलग होने के कगार पर है। बॉलीवुड अभिनेता फरदीन खान और उनकी पत्नी नताशा माधवानी के इस फैसले से फैंस को भी झटका लगा है। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरदीन खान और नताशा माधवानी ने अपनी 18 साल पुरानी दुनिया से आजाद होने का फैसला कर लिया है। दोनों अलग होना चाहते हैं। साथ ही वे पिछले कुछ महीनों से अलग रह रहे हैं। फरदीन खान अपनी मां के साथ मुंबई में रहते हैं, जबकि नताशा लंदन में रहती हैं। अब आखिरकार उन्होंने तलाक लेने का फैसला कर लिया है, लेकिन उनके इस फैसले के पीछे की सही वजह अभी तक सामने नहीं आई है। फरदीन खान एक समय बॉलीवुड में चॉकलेटी हीरो के तौर पर मशहूर थे। फैंस उनके लुक्स पर फिदा हो गए थे। कुछ सुपरहिट फिल्में करने के बाद फरदीन नशे की लत लग गयी और नतीजा यह हुआ कि उनका वजन बढ़ गया और वह अनफिट दिखने लगे। इसके चलते फिल्मों के ऑफर आने बंद हो गए। फरदीन ने 2005 में नताशा माधवानी से शादी की। ये शादी बेहद भव्य तरीके से हुई थी। नताशा मशहूर अभिनेत्री मुमताज की बेटी हैं। उनकी शादी में बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुई थीं। दोनों का एक बेटा और एक बेटी है। अब शादी के 18 साल बाद ऐसी अफवाहें हैं कि ये कपल एक-दूसरे से अलग हो रहा है।

व्हाट्स लव गॉट टू डू विद इट? को मिले नए दर्शक

फिल्म निमार्ता शेखर कपूर की नवीनतम रोमांटिक कॉमेडी व्हाट्स लव गॉट टू डू विद इट? उल्लेखनीय सफलता के बाद अब विदेशों में छा जाने के लिए तैयार है। बहुप्रतीक्षित फिल्म को अब नेटफ्लिक्स यूके में अपनी जगह बनाते हुए एक नया दर्शक वर्ग मिल गया है। प्रतिभाशाली कलाकारों द्वारा अभिनीत यह फिल्म हास्य, इमोशंस और चार्म के जबरदस्त मिश्रण के साथ आधुनिक रिश्तों की जटिलताओं का पता लगाती है। इसकी उत्कृष्टता ने 2023 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में 9 नामांकन अर्जित किए। जिसमें बेस्ट स्क्रीनप्ले, बेस्ट ब्रिटिश फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर सहित 4 पुरस्कार जीते। दूरदर्शी फिल्म निमार्ता को हाल ही में आईजीएफ के यूके-इंडिया अवाड्र्स में प्रतिष्ठित लाइफटाइम कॉन्ट्रिब्यूशन टू यूके-इंडिया रिलेशंस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अपनी उपलब्धियों के अलावा, शेखर को कई प्रशंसाएँ भी मिलीं, जिनमें उनकी हालिया फिल्म, व्हाट्स लव गॉट टू डू विद इट? के लिए बेस्ट डायरेक्टर अवॉर्ड भी शामिल है।

गन्स एंड गुलाब का नया वीडियो जारी

-नए अवतार में नजर आए राजकुमार

मुंबई (ईएमएस)। बहुप्रतीक्षित सीरीज गन्स एंड गुलाब का नया वीडियो जारी किया गया। वीडियो देखकर लगता है कि यह एक गैंगस्टर कॉमेडी है, जो 1970 के दशक के रोमांटिक पागल प्रेमियों और सनकी गैंगस्टरों के गानों से भरपूर है।फिल्म निमार्ता जोड़ी राज एंड डीके ने मिलकर बनाया जा रहा है। सीरीज गन्स एंड गुलाब एक विचित्र शैली मिश्रण है जिसमें राजकुमार राव, दुलकर सलमान, आदर्श गौरव, टीजे भानु और गुलशन देवैया प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वीडियो की शुरूआत रेट्रो संगीत से होती है, जिसमें गुलाब की पृष्ठभूमि के साथ कोल्ड-ड्रिंक की टूटी हुई बोतल दिखाई देती है। राजकुमार की एक झलक में उन्हें एक नए अवतार में दिखाया गया है, जिसमें एक अनोखा हेयर स्टाइल और हाथ में बंदूक है। वहां एक पत्थर चिन्ह है जिस पर गुलाबगंज 6 किमी लिखा है।मोशन पोस्टर की तरह डिजाइन किए गए इस वीडियो में धातु के उपकरण, कांच की वस्तुएं, इत्र, कार्ड का एक पैकेट, एक पुराना कैसेट, एक प्रेम पत्र, चाकू, एक बुलेट बाइक दिखाई दे रही है।

वहां एक साइनबोर्ड भी है जिस पर वायु ऑटो वर्क्स लिखा हुआ है। ट्रेलर 2 अगस्त को लॉन्च किया जाएगा। इसमें श्रेया धनवंतरी और पूजा ए गोर भी हैं। इसकी स्ट्रीमिंग नेटफ्लिक्स पर होगी। राज और डीके को उनके काम के लिए जाना जाता है, उन्होंने थ्रिलर सीरीज द फैमिली मैन और फर्जी बनाई हैं।1970 के दशक के हेयर स्टाइल और कपड़ों के साथ गुलशन की एक झलक मिलती है। दुलकर को एक सख्त और डराने वाले व्यक्तित्व के रूप में देखा जाता है। पहली हत्या से लेकर पहले चुंबन तक, गुलाबगंज में कुछ भी हो सकता है।

कंगना रनौत ने करण जौहर को क्यों कहा.........शर्म करो रिटायर हो जाओ

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म से ज्यादा बयानबाजी को लेकर चर्चा में रहती है। नेपोटिज्म की बहस को लेकर वह अक्सर डायरेक्टर-प्रोड्यूसर करण जौहर पर निशाना साधती रहती हैं। फिर उन्होंने करण की खिंचाई की है। दरअसल करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। कंगना ने क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ओपेनहाइमर की तारीफ करते हुए करण जौहर को खूब सुनाया है। साथ ही इस बार उन्होंने अभिनेता रणवीर सिंह को नहीं छोड़ा। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम पर करण जौहर पर तंज कसते हुए एक स्टोरी पोस्ट की। कंगना ने लिखा, भारतीय दर्शक 3 घंटे लंबी फिल्म न्यूक्लियर वेपन के बनने और एटॉमिक साइंस पर देख रहे हैं और यहां नेपो गैंग का वहीं सास बहू का रोना, लेकिन हमें डेली सोप बनाने के लिए 250 करोड़ की क्या जरूरत है।

कंगना ने लिखा, करण आपको शर्म आनी चाहिए एक जैसी फिल्म कई बार बनाने के लिए। खुद को तुम इंडियन सिनेमा का झंडा उठाने वाला कहते हो और इस बार-बार पीछे धकेल रहे हो। कंगना ने करण को नसीहत देकर कहा, फंड की बबार्दी मत करो यह इंडस्ट्री के लिए आसान समय नहीं है। रिटायर हो जाओ और यंग फिल्ममेकर्स को अच्छी फिल्में बनाने का मौका दो। करण की फिल्म में रणवीर ने रॉकी की भूमिका निभाई है। रणवीर अपने ड्रेस सेंस की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। फिल्म में रणवीर के कपड़े कंगना को अच्छे नहीं लगे। कंगना ने रणवीर को अपने पोस्ट में टैग करते हुए लिखा, मेरी सलाह कि रणवीर को करण जौहर और उसके ड्रेसिंग सेंस से प्रभावित होने से बचना चाहिए। उसे (रणवीर सिंह को) सामान्य इंसान की तरह तैयार होना चाहिए, जैसे धर्म जी और विनोद खन्ना जी अपने दिनों में तैयार होते थे।

लस्ट स्टोरीज 2 में एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के रोल की हो रही तारीफ

किसी मल्टी-स्टारर फिल्म का हिस्सा बनना कलाकार को सशक्त बनाता है। वह मल्टी-स्टारर कलाकारों में खुद को असुरक्षित महसूस नहीं करती हैं, क्योंकि वह एक सुरक्षित एक्ट्रेस हैं। यह कहना है एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया का।

एक्ट्रेस की स्ट्रीमिंग एंथोलॉजी लस्ट स्टोरीज 2 में रोल की खूब तारीफ हो रही है। मुंबई में तू आ दिलबरा सॉन्ग लॉन्च के दौरान तमन्ना ने यह बयान दिया। यह सॉन्ग रजनीकांत अभिनीत फिल्म जेलर के कावला का हिंदी वर्जन है। नये कलाकारों के मल्टी-स्टारर फिल्म से परहेज करने पर तमन्ना भाटिया ने कहा कि मुझे लगता है कि बदलाव व्यक्तिगत है, मुझे याद है जब बाहुबली आई थी, मेरी पहली तेलुगु सफल फिल्म हैप्पी डेज आई थी। फिर मैंने एक हालिया शो जी करदा किया था, मैं हमेशा मल्टी-स्टारर फिल्मों का हिस्सा रही हूं और मैंने इन्हें किया है। मैं इससे कभी पीछे नहीं हटी क्योंकि मुझे लगता है कि जब रचनात्मक लोगों का बड़ा समूह एक साथ आता है तो उसमें काफी शक्ति होती है और मुझे लगता है कि मैं हमेशा एक बहुत ही सुरक्षित एक्ट्रेस रही हूं।

सैफ अली खान और सारा पहली बार साथ आए

बालीवुड एक्टर सैफ अली खान और उनकी बेटी सारा अली खान पहली बार साथ-साथ काम कर रहे हैं। सैफ और सारा ने विज्ञापन फिल्मों की एक सीरीज के लिए एक साथ शूटिंग की है। जब बीमा पर फैसला लेने की बात आती है तो ओल्ड और एक्स जेनरेशन की मानसिकता के बीच यह विज्ञापन एक आकर्षक अंतर दिखाता है। वीडियो में सारा को कार से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जब सैफ कहते हैं, वाह नई कार, बीमा लिया? जिस पर पटौदी राजकुमारी जवाब देती हैं, बेशक। वे अनुभवी अभिनेता बिजेंद्र काला के साथ स्क्रीन साझा कर रहे हैं। विज्ञापन का कैप्शन है, सारा ने बड़ी बचत करके सैफ को चौंका दिया। वह दर्शकों को न केवल बीमा खरीदने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि बीमा लेने की आसानी और सुविधा के बारे में भी बात करते हैं। सारा के पास कई फिल्म हैं, जिनमें वह ऐ वतन मेरे वतन, मेट्रो.. इन डिनो, मर्डर मुबारक करेंगी। सैफ को आखिरी बार आदिपुरुष में लंकेश के रूप में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म देवरा पाइपलाइन में है।

झील किनारे चिल करती नजर आई केंडल

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस केंडल जेनर पहाड़ों और पेड़ों से घिरी झील किनारे चिल करती नजर आईं, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि केंडल जेनर का झील किनारे बोल्ड लुक देखने को मिल रहा है। प्रिंटेड बिकिनी पहने वह अपना टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं और झील किनारे कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें देख फैंस के होश उड़ गए हैं और वे कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बता दें, केंडल जेनर की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 293 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जो उनकी बोल्ड तस्वीरों पर खूब प्यार बरसाते हैं।

सूडोकु नवताल- 6509

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6508 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7256

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

शब्द जाल में 10 अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

शाहरुख खान, सलमान, ऋतिक, विवेक ओबेरॉय, सन्नी देओल, जॉन अब्राहम, अजय देवगन, अमिताभ, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ

शब्दजाल - 7255 का हल

दा	रा	अ	ति	थि	ग	दा	मा	य	क	चि
मा	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	भू
द	आ	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ख
प	जा	खि	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
य	द	र	री	हा	मि	री	अ	न	प	ढ़
ह	ह	प	व	झ	ह	ला	प	झ	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	कू	ट	ना	ला	ह	क
दो	मु	सा	फि	र	छ	सौ	खू	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	न	दा	र	द
अं	खि	यों	के	झ	रो	खे	से	न	रु	थो
त	ड़	पा	ब	द	ल	ते	रि	श्ते	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6209

	3	2	4		6	5
3	30		24	2	30	
		3	4			2
5	35		37		29	
	1	5		6		7
	31		40	4	33	
1		4				3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6208 का हल

4	7	3	6	5	2	1
1	34	6	38	2	25	3
5	1	7	3	6	2	4
6	30	1	33	3	34	5
3	5	2	4	7	1	6
7	31	4	31	4	34	2
2	3	5	4	1	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

ट्राई सीरीज फाइनल

भारत vs स्पेन (3-0)

हॉकी...विमेंस टीम ने ट्राई सीरीज का गोल्ड जीता : मेजबान स्पेन को 3-0 से हराया; मेंस टीम को प्रो-लीग में ब्रॉन्ज मेडल

बार्सलोना।
भारतीय हॉकी टीम ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में सफलता हासिल की। विमेंस टीम ने ट्राई सीरीज में होम टीम स्पेन को 3-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। वहीं मेंस टीम ने प्रो-लीग के ब्रॉन्ज मेडल मैच में नीदरलैंड्स को 2-1 से हराया। स्पेनिश हॉकी फेडरेशन की 100वीं एनिवर्सरी पर स्पेन के बार्सलोना शहर में विमेंस हॉकी की ट्राई सीरीज और मेंस कैटेगरी में 4 टीमों की प्रो-लीग आयोजित की गई।

विमेंस टीम सीरीज में अजेय रही

बार्सलोना के टेरेसा शहर में भारत और स्पेन के बीच विमेंस ट्राई सीरीज का आखिरी मैच खेला गया। भारत से वंदना कटारिया ने 22वें मिनट, मोनिका ने 48वें मिनट और उदिता ने 58वें मिनट गोल दागे। स्पेन से कोई खिलाड़ी गोल स्कोर नहीं कर सकीं। फुल टाइम के बाद स्कोर लाइन 3-0 रही और भारत ने मैच जीता। 8वें रैंक की टीम इंडिया ने सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 और स्पेन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। तीसरे मैच में लालरेमसियामी की हैट्रिक से टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 3-0 से हराया और अब स्पेन को भी 3-0 से ही हराया। टीम ग्रुप स्टेज में 8 पॉइंट्स के साथ टॉप पर रही और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

मेंस टीम ने जीता करीबी मुकाबला

बार्सलोना में ही 4 टीमों के हॉकी प्रो-लीग का फाइनल और ब्रॉन्ज मेडल मैच भी खेला गया। भारत और नीदरलैंड थर्ड प्लेस मैच में भिड़े, जिसे टीम इंडिया ने 2-1 से जीता। भारत से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 15वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। 25वें मिनट में डच टीम से थीएरी ब्रिंकमैन ने भी गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 3 क्वार्टर के बाद भी स्कोर लाइन बराबरी पर रही। तभी चौथे क्वार्टर के 50वें मिनट में भारत से दिलप्रीत सिंह ने गोल किया टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। फुल टाइम के बाद भी स्कोर लाइन 2-1 ही रही और टीम इंडिया ने ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। स्पेन ने गोल्ड और इंग्लैंड ने सिल्वर मेडल जीता।

एशियन गेम्स में हिस्सा लेंगी दोनों टीमें

भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स का हिस्सा भी रहेंगी। विमेंस टीम वर्ल्ड नंबर-8 टीम है, वहीं पुरुष टीम वर्ल्ड नंबर-4 टीम है। पुरुष टीम तो एशिया में टॉप रैंक टीम भी है। एशियन गेम्स 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक इसी साल चीन में खेले जाएंगे। मेंस टीम एशियन गेम्स से पहले एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी में भी हिस्सा लेगी। टूर्नामेंट 3 अगस्त से चेन्नई के राधाकृष्णनन हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल में लगाये पांच छक्कों से बदला जीवनः रिंकू

मुम्बई । आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने कहा है कि आईपीएल में खेली पारी ने एक ही रात में उनकी

किस्मत दी है। रिंकू ने आईपीएल के 16 वें सत्र में केकेआर की ओर से खेलते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम ओवर में पांच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उस मैच में रिंकू ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम ओवर में गुजरात टाइटंस के गेंदबाज यश दयाल की गेंद पर लगातार पांच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। रिंकू ने कहा कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि को हासिल करने के बाद उनकी जिंदगी ही बदल गयी है और अब वह एशियाई खेलों में टीम इंडिया की ओर से खेलने को लेकर उत्साहित हैं जो 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होंगे। वहीं एक वीडियो में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर रिंकू के हवाले से दयाल के खिलाफ लगाये पांच छक्कों और टीम इंडिया के एशियाई खेलों की क्रिकेट टीम में शामिल होने के बारे में बात की है। जिसमें उन्होंने कहा, उन पांच छक्कों ने मेरी जिंदगी बदल दी है। वहीं एक वीडियो में रिंकू ने कहा, पहले लोग मुझे जानते थे पर उतना नहीं। उन पांच छक्कों के बाद उन्होंने मुझे और अधिक जाना शुरू कर दिया है। यह वास्तव में अच्छा लगता है। अब अकेले बाहर जाना कठिन है, इसलिए मैं कम ही बाहर जाता हूं। वहीं रिंकू ने कहा कि वह एशियाई खेलों की टीम में अपना देखकर हैरान रह गये। उन्होंने कहा, जब मैंने अपना नाम देखा, तो मैं भावुक हो गया। मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा था।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी तीन अगस्त से शुरु होगी

चेन्नई । चेन्नई में तीन से 12 अगस्त तक यहां होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का शुरुआती मुकाबला चीन से होगा। ये मुकाबला मेजर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तीन अगस्त को खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम अपने दूसरे मैच में चार अगस्त को जापान से और छह अगस्त को मलेशिया से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम को दक्षिण कोरिया को सामना करना होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने जो कार्यक्रम जारी किया है। उसके तहत भारत और पाकिस्तान का मुकाबला नौ अगस्त को खेला जाएगा। छह टीमों के इस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, चीन और भारत की टीमें भाग लेंगी। सभी टीमें एक ही पूल में है और अंकतालिका के आधार पर उनके मुकाबले होंगे। गत चैम्पियन कोरिया को पहले मैच में जापान से खेलना है। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले 11 अगस्त को जबकि खिताबी मुकाबला 12 अगस्त को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने ये खिताब तीन-तीन बार जीता है।

ब्रॉड के संन्यास लेने से दुखी हैं एंडरसन

द ओवल । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अपने साथी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के संन्यास लेने से दुखी

हैं। एंडरसन और ब्रॉड की जोड़ी विश्व क्रिकेट में काफी अच्छी मानी जाती है। इसके साथ ही इन दोनो में गहरी दोस्ती भी है। ये जोड़ी टेस्ट क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल जोड़ी मानी जाती है। इस जोड़ी ने कुल मिलकर 1037 विकेट लिए हैं। अपने जूनियर साथी के संन्यास की घोषणा से एंडरसन भावुक होकर रोने लगे। इतने लंबे समय तक एक साथ खेलने के बाद ब्रॉड का संन्यास जेम्स एंडरसन के लिए एक भावुक क्षण है। जब मैच के चौथे दिन एंडरसन से ब्रॉड के संन्यास के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हां, निश्चित रूप से मुझे उनकी कमी खलेगी। वह मेरे सबसे अच्छे साथी रहे हैं और वह हर समय मेरे लिए मौजूद रहे। यह कहते हुए एंडरसन भावुक हो गये। गौरतलब है कि ब्रॉड ने इंग्लैंड के लिए 167 टेस्ट मैच, 121 एकदिवसीय और 56 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने कुल 845 से अधिक विकेट लिए हैं। ब्रॉड ने 2007 में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। ब्रॉड ने कहा कि यह उनके लिए अहम था कि उनका अंतिम मैच एशेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हो, जिसे वह टेस्ट क्रिकेट का शिखर मानते हैं। ब्रॉड ने इसके बाद कहा, एशेज क्रिकेट ने मेरे अंदर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकाला है। मुझे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में होने वाली प्रतिस्पर्धा से लाभ हुआ। इस दौरान दर्शकों के हौसला बढ़ाने का भी फायदा मिला।

निकोलस पूरन ने 55 गेंदों पर 137 की पारी खेली

13 छक्के लगाकर जीता मेजर लीग टी-20 का फाइनल; एमआई न्यूयॉर्क बना पहला चैंपियन

डालास।
एमआई न्यू यॉर्क ने अमेरिका की मेजर लीग टी-20 का पहला खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में सीटल ओरकास को 7 विकेट से हराकर पहला खिताब जीता। एमआई के कप्तान निकोलस पूरन ने 16 गेंद पर फिफ्टी लगाने के बाद 40 गेंद पर सेंचुरी लगाई। पूरन 137 रन के स्कोर पर नॉट आउट रहे और अपनी टीम को चैम्पियन बनाया।

डालास के ग्रैंड पीयर स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ओरकास टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में एमआई ने कप्तान पूरन की विस्फोटक पारी के दम पर 16 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया।

ओरकास से क्विंटन डी कॉक की फिफ्टी

ग्रैंड पीयर स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ओरकास को 5वें ओवर में ही पहला झटका लगा। ओपनर नौमान अनवर 9 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद शेहान जयसूर्या 16 और हेनरिक क्लासेन भी 4 रन बनाकर ही आउट हो गए।

एक एंड से लगातार विकेट गिर रहे थे, लेकिन दूसरे एंड से क्विंटन डी कॉक ने तेजी से रन बनाए और अपनी फिफ्टी पूरी की। वह 52 बॉल पर 87 रन बनाकर 17वें ओवर में आउट हुए, लेकिन तब तक अपनी टीम का स्कोर 140 रन के पार पहुंचा चुके थे।

राशिद खान को 3 विकेट

डी कॉक के आउट होने के बाद ओरकास टीम से शुभम रंजन ने 29, इमाद वसीम ने 7 और ड्वेन प्रीटोरियस ने 21 रन बनाए। वेन पार्नेल 2 तो वहीं एंड्रूयू टाई और हरमीत सिंह 1-1 रन ही बना सके और ने टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 183 रन का स्कोर खड़ा किया। एमआई से राशिद खान ने महज 9 रन देकर 3 विकेट लिए। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को भी 3 विकेट मिले। उनके अलावा स्टीवन टेलर और डेविड वीजे के खाते में भी एक-एक विकेट गया, जबकि एक बैटर रन आउट हुआ। वीजे ने अपने 4 ओवर में 65 रन दिए।पूरन ने 16 गेंद पर फिफ्टी, 40 गेंद पर सेंचुरी लगाई 184 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी एमआई न्यू यॉर्क टीम को पहले ही ओवर में झटका लगा। स्टीवन टेलर खाता खोले बगैर ही इमाद वसीम का शिकार हुए। नंबर-3 पर उतरे कप्तान निकोलस पूरन ने तेजी से बैटिंग शुरू कर दी। उन्होंने पावरप्ले में महज 16 गेंद पर फिफ्टी लगाई, ये मेजर लीग की फास्टेस्ट फिफ्टी भी रही। 5वें ओवर में शयन जहांगीर 10 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन पूरन नहीं रुके। उन्होंने अकेले दम पर ही मैच खत्म करने की जिम्मेदारी उठाई और पावरप्ले खत्म होने के बाद भी शॉट्स लगाने बंद नहीं किए। उन्होंने 9 ही ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया।

137 रन पर नॉट आउट रहे पूरन

डेवाल्ड ब्रेविस 13वें ओवर में 20 रन बनाकर रन आउट हो गए। कप्तान पूरन फिर भी नहीं रुके और 40 गेंद पर सेंचुरी लगा दी। पूरन 16वें ओवर में अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिलाकर ही माने। उन्होंने कैमरन गैनन की बॉल पर फाइन लेग की दिशा में विनिंग चौका लगाया। पूरन ने 55 गेंद पर 137 रन बनाए, उनके सामने टिम डेविड 10 रन बनाकर नॉट आउट रहे। ओरकास टीम से इमाद वसीम और वेन पार्नेल को 1-1 विकेट मिला।

बोल्ट टॉप विकेट टेकर, पूरन टॉप स्कोरर

अमेरिका में पहली बार मेजर लीग टी-20 टूर्नामेंट खेला गया। एमआई न्यू यॉर्क पहली चैम्पियन बनी, टीम के कप्तान निकोलस पूरन टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 8 मैचों में 388 रन बनाए। एमआई के ही ट्रेंट बोल्ट टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने 8 मैचों में 22 विकेट लिए, दूसरे नंबर पर रहे कैमरन गैनन को महज 11 विकेट मिले।

मणिपुर हिंसा में नेशनल फुटबॉलर का घर जला

खिलाड़ी चिंगलेनसाना सिंह ने कहा - हिंसा ने मेरा घर, मेरा सपना सब कुछ छीन लिया

मणिपुर।
मणिपुर हिंसा में नेशनल फुटबॉलर चिंगलेनसाना सिंह का घर जल गया। चिंगलेनसाना पिछले कुछ दिनों से अपने घर पर बात करने की कोशिश कर रहे थे। 3 मई को चिंगलेनसाना को स्टेट से पता चला कि मणिपुर में भड़की हिंसा में उन्होंने लगभग अपना सब कुछ खो दिया। उस समय वह एएफसी कप के प्लेऑफ में हैदराबाद एफसी टीम से खेल रहे थे।

चिंगलेनसाना मैतई समुदाय से है और मणिपुर में चुराचांदपुर जिले के खुमुजामा लीकाई एरिया के रहने वाले है।

चिंगलेनसाना सिंह ने बातचीत करते हुए कहा कि, हिंसा ने मेरा घर, मेरा सपना, हमारा सब कुछ छीन लिया है।

फुटबॉल मैदान तक को जला दिया - सिंह

सिंह ने बताया कि, मैंने जब चुराचांदपुर में अपने घर जलने की बात सुनी तब मेरा दिल दहल गया। दंगाइयों ने मेरे द्वारा बनाए फुटबॉल ग्राउंड तक को नहीं छोड़ा। यह वास्तव में दिल दहला देने वाला था। मेरा सपना था की अपने एरिया के युवाओ को फुटबॉलर बनने के लिए एक मंच दूंगा, लेकिन दंगाइयों ने मुझसे मेरा सपना छीन लिया।

सिंह ने आगे कहा कि, सौभाग्य से मेरा परिवार हिंसा से बच गया और सभी को राहत केंद्र ट्रांसफर कर दिया गया।

कुछ दिनों की कोशिश के बाद जब चिंगलेनसाना अपनी मां से संपर्क करने में कामयाब रहे तब उन्होंने सुना की फोन में पीछे से गोलियों की आवाज आ रही है। उसे समय उन्होंने अपने घर जाने का फैसला किया।

अब नई शुरुआत करने का मौका

सिंह ने कहा कि, मेरा सपना था कि अपने इलाके के प्लेयर्स को प्रोफेशनल प्लेयर्स बनने में मदद करूं। ताकि वह प्लेयर्स आने वाले समय में नेशनल टीम के लिए खेले और देश का नाम रोशन करें। हालांकि, हिंसा ने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया। अब मेरे लिए नई शुरुआत करने का समय है।

सह मेजबान न्यूजीलैंड विश्वकप से बाहर, बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

ड्यूनेडिन।
ऑस्ट्रेलिया के साथ संयुक्त मेजबान न्यूजीलैंड यहां ग्रुप मुकाबले में स्विट्जरलैंड से गोलरहित ड्रॉ खेलकर महिला विश्वकप से बाहर हो गया। इसके साथ ही उसके साथ एक अनचाहा रिकॉर्ड भी जुड़ गया। न्यूजीलैंड टूर्नामेंट में ग्रुप चरण से ही बाहर होने वाला पहला मेजबान देश भी बन गया है। ऑस्ट्रेलिया को भी कनाडा के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी अगर वह ऐसा नहीं कर पाया तो वह भी शुरुआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा। वहीं, स्विट्जरलैंड ने अंतिम-16 के लिए क्वालिफाई किया। स्विट्जरलैंड ग्रुप-ए से राउंड-16 में पहुंचने वाली दो टीम में से एक बनी और वह दूसरी बार नॉकआउट में पहुंची है। इससे पहले 2015 महिला विश्वकप में उसने नॉकआउट में जगह बनाई थी।

जापान और स्पेन के बीच मुकाबला

चार मुकाबले खेले जाने हैं। ग्रुप-सी में जापान का मुकाबला स्पेन से है। दोनों टीमें प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी हैं। इस मैच से यह तय होगा कि ग्रुप में पहले और दूसरे स्थान पर कौन सी टीमें रहेंगी। इसी ग्रुप में कोस्टा रिका और जांबिया के बीच दूसरा मुकाबला है। दोनों टीमें पहले ही विश्व कप से बाहर हो चुकी हैं। दोनों की नजरें जीत के साथ घर लौटने पर होगी।

ऑस्ट्रेलिया की नजर प्री-क्वार्टर फाइनल पर

ग्रुप-बी में मेजबान ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला कनाडा से होना है। वहीं, इसी ग्रुप में नाइजीरिया की टीम आयरलैंड के खिलाफ उतरेगी। आयरलैंड की टीम पहले ही विश्व कप से बाहर हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और नाइजीरिया के पास आगे बढ़ने का मौका है। अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए कनाडा के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया को किसी भी हाल में जीत हासिल करनी होगी। वहीं, नाइजीरिया को आयरलैंड के खिलाफ जीत नहीं भी मिलती है तो ड्रॉ से काम चल जाएगा। हालांकि, हार की स्थिति में वह बाहर हो सकती है।

19 अगस्त से होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में नीरज पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली।
ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब बुडापेस्ट में 19 अगस्त से होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। नीरज डायमंड लीग के लुसाने चरण में शीर्ष पर रहे हैं। अब वह सीधे विश्व चैम्पियनशिप में ही नजर आयेंगे। चोपड़ा इस बीच किसी और प्रतियोगिता में भाग नहीं लेंगे। चोट के कारण करीब एक महीने तक खेल से दूर रहे चोपड़ा ने डायमंड लीग के लुसाने चरण में 87.66 मीटर तक भाला फेंककर लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने मौजूदा सत्र में पांच मई को दोहा में हुए शुरुआती डायमंड लीग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। लुसाने में जीत दर्ज करने के बाद चोपड़ा ने कहा कि मेरे लिए बुडापेस्ट में होने वाली अगली प्रतियोगिता काफी अहम होगी।

मैं यहां जीतना चाहता था, इसलिए मैं परिणाम से बहुत खुश हूं लेकिन मैं फिर से अभ्यास करना चाहता हूं। मैंने कुछ खामियों को महसूस किया है और उसमें सुधार करना चाहता हूं। इससे मेरा खेल बेहतर होगा। लुसाने मेरे लिए हमेशा अच्छा रहा है। पिछले साल भी मैंने यहां जीत दर्ज की थी और इस साल भी ऐसा ही हुआ। इसलिए मैं अगले साल फिर से आने और फिर से जीतने की उम्मीद कर रहा हूं। वहीं नीरज के कोच डॉ. क्लॉस बार्टोनिट्ज ने कहा कि बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप का पुरुषों का भाला फेंक क्वालिफिकेशन राउंड 25 अगस्त को निर्धारित है। इसमें अभी 50 से अधिक दिन का समय है। चोपड़ा अगर उससे पहले किसी स्पर्धा में हिस्सा नहीं लेते है तो वह डायमंड लीग के दोहा और लुसाने चरणों जैसे सिर्फ दो बड़ी स्पर्धाओं में भाग लेने के बाद विश्व चैंपियनशिप में जाएंगे।

एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में ज्ञानेश्वरी ने रजत पर किया कब्जा, कोयल ने भी जीता सिल्वर

नई दिल्ली । भारत की ज्ञानेश्वरी यादव और कोयल बार ने ग्रेटर नोएडा में एशियाई यूथ और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में महिलाओं के 49 भारवर्ग में रजत पदक अपने नाम किए। ज्ञानेश्वरी ने जूनियर और कोयल ने यूथ श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया। गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में तीसरे दिन ज्ञानेश्वरी ने 175 भार (78 +97) भार उठाया। उनके दो प्रयास स्नेच और क्लीन एंड जर्क में विफल हो गए थे। इससे पहले ज्ञानेश्वरी यही हुई राष्टमंडल चैंपियनशिप में मिली अपनी स्वर्णिम सफलता की बराबरी नहीं कर सकी। बीस वर्षीय खिलाड़ी ने स्नेच (78 किलो) और क्लीन एंड जर्क श्रेणी (98 किलो) में अपना व्यक्तिगत श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

बृजभूषण की जगह लेंगे एमपी के मंत्री मोहन यादव

डब्लूएफआई चुनाव का नॉमिनेशन भरेंगे, जीतना लगभग तय

पानीपत।
भारतीय कुश्ती फेडरेशन को 12 साल बाद नया प्रधान मिलने वाला है। मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष मोहन यादव डब्लूएफआई के नए अध्यक्ष हो सकते हैं। उनकी दावेदारी सबसे मजबूत बताई जा रही है। मोहन यादव डब्लूएफआई चुनाव के लिए नॉमिनेशन फाइल कर सकते हैं। मोहन यादव के नाम पर खेल मंत्रालय और डब्लूएफआई पर पहले काबिज रहा बृजभूषण का धड़ा दोनों सहमत है। माना जा रहा है कि कुश्ती में हरियाणा के वर्चस्व को रोकने के लिए मोहन यादव के नाम पर सहमति बनी है। वे कुछ ही देर में अन्य पदाधिकारियों के साथ नॉमिनेशन करेंगे। 12 अगस्त को भारतीय कुश्ती फेडरेशन के होने वाले चुनाव के लिए नॉमिनेशन करने का आखिरी दिन है। एक सूत्र ने बताया कि स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और खेल मंत्रालय के अधिकारी डब्लूएफआई की कमान हरियाणा या रेलवे से जुड़े लोगों के हाथों में देना चाहते थे। इसलिए वोटिंग के लिए तैयार लिस्ट में हरियाणा के दो पदाधिकारियों का नाम अलग-अलग राज्यों से शामिल किया गया था। हरियाणा के भाजपा नेता और मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स के मालिक देवेंद्र सिंह कादयान को असम राज्य से और एशियाई मेडलिस्ट और बृजभूषण के खिलाफ गवाह रही अनीता श्योराण का नाम ओडिशा राज्य से शामिल किया गया था। वहीं रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड सेक्रेटरी प्रेमचंद लोचब का नाम गुजरात से शामिल किया गया था।

बृजभूषण सिंह हरियाणवी उम्मीदवार के लिए तैयार नहीं थे

सूत्र ने बताया डब्लूएफआई के निर्वतमान अध्यक्ष देवेंद्र सिंह कादियान, अनीता और प्रेमचंद लोचब के नाम पर तैयार नहीं थे। वे चाहते थे कि उतराखंड कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष सतपाल सिंह या हरियाणा के अलावा किसी अन्य राज्यों के पास डब्लूएफआई की कमान जाए। सतपाल सिंह बृजभूषण सिंह के खास माने जाते हैं। ऐसे में मंत्रालय और स्एआई के अधिकारी नहीं चाहते थे कि बृजभूषण सिंह का कोई खास अध्यक्ष की कमान संभाले। बृजभूषण सिंह ने सतपाल सिंह के नाम सहमति न होने पर मध्यक्ष प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष मोहन यादव के नाम को आगे बढ़ाया। मोहन यादव मध्यप्रदेश बीजेपी सरकार में हायर एजुकेशन मिनिस्टर हैं। बृजभूषण सिंह के साथ उनके संबंध काफी अच्छे हैं। 27 जून को बृजभूषण सिंह इंदौर में मोहन यादव से मिले भी थे और उनसे अध्यक्ष पद को लेकर चर्चा की भी की थी। सूत्रों की मानें तो उनके नाम पर बीजेपी हाईकमान ने भी अपनी सहमति दे चुकी है। मोहन यादव अभी दिल्ली में ही हैं।

बैठक में शामिल हुए थे 22 पदाधिकारी

पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने दावा किया कि उनके द्वारा बुलाई गई बैठक में 25 राज्य इकाइयों में से 22 ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि उनके उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी। बता दें कि बृजभूषण, जिनके खिलाफ ओलिंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगट सहित 6 शीर्ष पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे, वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं, क्योंकि उन्होंने महासंघ के प्रमुख के रूप में, राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुसार अनुमत अधिकतम अवधि 12 साल पूरे कर लिए हैं। डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा है की , फेडरेशन (भारतीय कुश्ती महासंघ, डब्ल्यूएफआई) के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का है...मेरे परिवार से कोई भी नामांकन दाखिल नहीं कर रहा है।

इस कंपनी में कुत्ते करते हैं स्वागत

चंडीगढ़ मनीमाजरा स्थित क्यू ब्लॉक्स टेक्नोलॉजी प्रालि एक ऐसी कम्पनी है, जहां आने-जाने वालों का स्वागत कुत्ते करते हैं। आपको सुनकर थोड़ा अजीब लगेगा लेकिन यह सच है। दफ्तर में अच्छा माहौल और तनावग्रसत को दूर करने के लिए इस कम्पनी ने 2 पालतू कुत्तों कार्लोस और चतुर का सहारा लिया है। ये कंपनी भी गूगल के नक्शेकदम पर चल पड़ी है। और अपने कर्मचारियों को कई तरह की सहूलियतें भी दे रही हैं। मनीमाजरा स्थित इस कम्पनी में कार्लोस और चतुर नाम के ये दोंनो डॉग दफ्तर में घूमते रहते है और अन्दर आने-जाने वालों का स्वागत करते है। चतुर नाम का यह डॉग एक-एक कर सभी कर्मचारियों से मिलता है। जबकि कार्लोस नाम का यह डॉग दफ्तर के केबिन के पास बनी सीट पर बैठा रहता है। इस आफिस में दिन की शुरूआत इन दोनों डॉग से होती है कई कर्मचारी तो इनको अपनी गोद में बिठाने के लिए उतावले रहते है। इस कम्पनी में मिलने वाली सुविधाओं के कर्मचारी कायल हैं कर्मचारियों को घर जैसा खाना मुहैया करवाया जाता है। कम्पनी में स्त्रूकर, टेबल टेनिस भी है। काम से जब मर्जी ब्रेक लेकर इन सुविधाओं का मजा लिया जाता है।

लैवेंडर तेल और बर्न्स के क्या फायदे हैं?

लैवेंडर तेल के उपयोग करने का मुख्य लाभ, प्राकृतिक रूप से त्वचा के जलने का उपचार है। हालांकि बाजार में कई तरह की बर्न क्रीम मिलती हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर में हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। अगर आप अपने स्वास्थ्य और भलाई की परवाह करते हैं तो आवश्यक तेल जैसे लैवेंडर त्वचा के जलने के उपचार के लिए एक बढ़िया घरेलू उपाय हो सकता है।

स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर है तुलसी

तुलसी में कई औषधीय गुण होते हैं। हृदय रोग हो या सर्दी जुकाम, भारत में सदियों से तुलसी का इस्तेमाल होता चला आ रहा है। और क्या-क्या हैं तुलसी की खूबियां, आइये इस पर एक नजर डालते हैं।

सर्दी जुकाम में लाभप्रद: सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है। करीब सभी कफ सीरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।

गले की खराश: तुलसी की पत्तियों को उबालकर पीने से गले की खराश दूर हो जाती है। इस पानी को आप गरारा करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों में बुखार, खांसी और उल्टी जैसी सामान्य समस्याओं में तुलसी बहुत फायदेमंद है।

श्वांस की समस्या: श्वांस संबंधी समस्याओं का उपचार करने में तुलसी बहुत उपयोगी साबित होती है। शहद, अदरक और तुलसी को मिलाकर बनाया गया काढ़ा पीने से ब्रोंकाइटिस, दमा, कफ और सर्दी में राहत मिलती है। नमक, लौंग और तुलसी के पत्तों से बनाया गया काढ़ा इंफ्लुएंजा (एक तरह का बुखार) में फौरन राहत देता है।

गुर्दे की पथरी: तुलसी गुर्दे को मजबूत बनाती है। यदि किसी के गुर्दे में पथरी हो गई हो तो उसे शहद में मिलाकर तुलसी के अर्क का नियमित सेवन करना चाहिए। छह महीने में फर्क दिखेगा।

हृदय रोग: तुलसी खून में कोलेस्ट्राल के स्तर को घटाती है। ऐसे में हृदय रोगियों के लिए यह खासी कारगर साबित होती है।

तनाव: तुलसी की पत्तियों में तनाव रोधीगुण भी पाए जाते हैं। हाल में हुए शोधों से पता चला है कि तुलसी तनाव से बचाती है। तनाव को खुद से दूर रखने के लिए कोई भी व्यक्ति तुलसी के 12 पत्तों का रोज दो बार सेवन कर सकता है।

संक्रमण और त्वचा रोग: अल्सर और मुंह के अन्य संक्रमण में तुलसी की पत्तियां फायदेमंद साबित होती हैं। रोजाना तुलसी की कुछ पत्तियों को चबाने से मुंह का संक्रमण दूर हो जाता है। दाद, खुजली और त्वचा की अन्य समस्याओं में तुलसी के अर्क को प्रभावित जगह पर लगाने से कुछ ही दिनों में रोग दूर हो जाता है। नैचुरोपैथों द्वारा ल्यूकोडर्मा का इलाज करने में तुलसी के पत्तों को सफलता पूर्वक इस्तेमाल किया गया है।

सांसों की दुर्गंध

तुलसी की सूखी पत्तियों को सरसों के तेल में मिलाकर दांत साफ करने से सांसों की दुर्गंध चली जाती है। पायरिया जैसी समस्या में भी यह खासा कारगर साबित होती है। सिर के दर्द में तुलसी एक बढ़िया दवा के तौर पर काम करती है। तुलसी का काढ़ा पीने से सिर के दर्द में आराम मिलता है। आंखों की जलन में तुलसी का अर्क बहुत कारगर साबित होता है। रात में रोजाना श्यामा तुलसी के अर्क को दो बूंद आंखों में डालना चाहिए।

शिशु को कब देना चाहिए सॉलिड आहार

सामान्यतः शिशु को 6 माह के बाद ही सोलिड यानी ठोस आहार देना चाहिए। इसके साथ ही कुछ बातों का ख्याल भी रखना आवश्यक है मसलन शिशु को खिलाते वक्त उसकी शारीरिक स्थिति कैसी हो। ध्यान रखें कि खाते वक्त शिशु का पोस्चर बहुत मायने रखता है। सुलाकर कतई न खिलाएं। ऐसे में उसके गले में खाने का ग्रास फंस सकता है। उसे परेशानी भी हो सकती है। जब भी उसके मुंह में खाने का निवाला दें तो उसके सिर को पीछे की ओर झुकाएं ताकि उसे निगलते हुए परेशानी न हो।

ठोस आहार के साथ मां का दूध

यह भी एक सवाल होता है कि जब शिशु को ठोस आहार दिया जाए तो क्या उसे मां का दूध पिलाना सुरक्षित है? जी, बिल्कुल सुरक्षित है। जरूरी नहीं है कि शिशु को ठोस आहार देना शुरु कर दिया है तो उसे अपना दूध न पिलाएं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि कब अपना दूध और कब ठोस आहार देना आवश्यक है। इस संबंध में विशेषज्ञों की सलाह लें।

कब-कब दें ठोस आहार

6 माह के शिशु को उठते ही ठोस आहार न दें। उनके लिए चाहिए कि उनके खानपान की शुरुआत मां अपने दूध से करें। लेकिन यही नियम 9 माह के शिशु के लिए लागू नहीं होता। उन्हें सुबह उठते ही दलिया, खिचड़ी आदि कोई भी ठोस आहार दे सकते हैं। इससे उन्हें आवश्यक पौष्टिक तत्व मिलते हैं जो उन्हें बढ़ने में मदद करता है। 9 माह के शिशु को दो से ढाई घंटे के बीच बीच में कुछ ठोस आहार देते रहें। जबकि 6 माह के शिशु को चूंकि मां का दूध भी चाहिए होता है तो उन्हें दोपहर, रात और सुबह ठोस आहार दिया जा सकता है।

खिलाते वक्त रखें ध्यान

शिशु को खिलाते वक्त ध्यान रखें कि न सिर्फ आपके हाथ धुले हुए हों बल्कि शिशु के भी हाथ धुले हों। दरअसल मुंह में ठोस पदार्थ जाते ही शिशु उन्हें अपने हाथ से छूकर देखता है, उन्हें मुंह से निकालता है। यहां तक कि नीचे गिरे दाने भी वह उठा उठाकर खाने की कोशिश करता है। ऐसे में उसके हाथ धुले होना आवश्यक है। इसके अलावा यह भी ध्यान रखें कि शिशु के खाने के दौरान टीवी, म्यूजिक आदि चीजें चल न रही हों। इससे शिशु का फोकस भटक सकता है। एक बात और जान लें कि शिशु

खाते वक्त अकसर मुंह घुमाता है, न खाने की चाह प्रकट करता है। इससे आप यह न समझ बैठें कि उसे नहीं खाना। प्रत्येक शिशु इस तरह करते हैं। अतः उन्हें कोशिशन खिलाएं।

शिशु को क्या दें

दाल: छोटे यानी 6 माह के शिशु के लिए दाल उपयुक्त आहार है। वास्तव में दाल में आयरन और कुछ अन्य तत्व होते हैं जो कि 6 माह के शिशु को जरूरी आवश्यक तत्व के लिए पर्याप्त है। ध्यान रखें कि छूटते ही उसे थक्के वाली दाल न खिलाएं। कुछ समय पतली दाल खिलाएं ताकि उसे निगलने की प्रैक्टिस हो जाए। इसके बाद थक्के वाली दाल खिलाई जा सकती है।

दलिया/खिचड़ी: 9 माह के शिशु को सिर्फ दाल न दें। उन्हें विकास के लिए कुछ अन्य तत्व की भी जरूरत है। अतः खिचड़ी या दलिया दें। लेकिन जरूरी यह है कि दलिया या खिचड़ी में तमाम किस्म की सब्जियां दें। विशेषज्ञों के मुताबिक दलिया जितने रंगों से भरी होगी अर्थात जितनी ज्यादा उसमें सब्जियां होंगी, वह उतनी ही असरकारक और स्वास्थ्यकर होगी। अतः दलिया या खिचड़ी में विभिन्न किस्म की सब्जियां अवश्य डालें। इसके अलावा उन्हें फल भी जरूर दें। फल उन्हें भीतरी रूप से ठोस बनाता है।

सब्जियां: दलिया के अलावा आप चाहें तो उन्हें मैश की हुई सब्जियां भी दे सकते हैं। सब्जियों को उबाल लें। इसके बाद उसमें मक्खन और हल्का सा नमक लगाकर शिशु को खिलाएं। शिशु को चावल भी खिलाए जा सकते हैं। चावल के साथ दाल या सब्जी बेहतरीन विकल्प है।

क्या नहीं देना चाहिए

जितना जरूरी यह जानना है कि शिशु को क्या दिया जाना चाहिए, उतना ही जरूरी यह जानना भी है कि शिशु को क्या नहीं दिया जाना चाहिए। शिशु को शहद, नींबू, संतरा, नट्स, पीनट बटर, किशमिश, बेर, सूखे बेर आदि न दें। इसके अलावा उनके हाथ में कोई भी बीज वाले फल न दें क्योंकि इससे उनके गले में बीज के अटकने का खतरा बना रहता है। यही नहीं उन्हें बहुत सूखी चीजें भी न खिलाएं जो उनके गले में फंस सकता है। अगर देते भी हैं तो साथ साथ पानी अवश्य पिलाएं।

अस्थमा में मददगार है पासासन

योग रखे निरोग, यह कहावत ही नहीं बल्कि हकीकत भी है। योग के जरिए सामान्य और खतरनाक बीमारियों पर न केवल काबू पाया जा सकता है बल्कि इनके नियमित अभ्यास से उनका उपचार भी किया जा सकता है। अस्थमा सांस संबंधी बीमारी है, जिसके उपचार में पासासन बहुत ही प्रभावी और कारगर है। इस लेख में जानते हैं, पासासन करने की विधि और यह किस तरह से अस्थमा के उपचार में कारगर है।

क्यों होता है अस्थमा

अस्थमा यानी दमा, यह सांसों की बीमारी है जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, चाहे वह बच्चा हो या बूढ़ा। इस बीमारी के लिए जिम्मेदार कई कारण हैं, मौसम में बदलाव, प्रदूषण का बढ़ना, आनुवांशिक, आदि। इस बीमारी में म्यूकस के कारण फेफड़े काम करना तक बंद कर देते हैं। एक बार यह बीमारी किसी को हो गई तो उसका संपूर्ण उपचार नहीं हो सकता है। हालांकि इससे बचाव के तरीकों को आजमाकर इसे बढ़ने से रोका जा सकता है।

पासासन से अस्थमा का उपचार

वर्तमान में अस्थमा के उपचार के लिए बाजार में कई तरह की दवाएं मौजूद हैं। अगर लंबे समय तक इन उपचारों के प्रयोग के बारे में देखा जाये तो इनसे अस्थमा को काबू में लाया तो जा सकता है, लेकिन इनके अधिक प्रयोग से दूसरी स्वास्थ्य समस्यायें भी होने लगती हैं। ऐसे में योगासन सुरक्षित और बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। पासासन ऐसा ही योग का आसन है जिससे अस्थमा का उपचार अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। 'पास' एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है बंधन।

पासासन करने की विधि

इस आसन को करने के लिए ताड़ासन की मुद्रा में सीधे खड़े हो जाएं। फिर घुटनों को स्क्वैट करने की स्थिति में झुकाएं। इस दौरान तलवों को जमीन पर स्थिर रखें और घुटनों को मोड़कर बैठ जाएं। फिर शरीर के ऊपरी हिस्से को दाईं तरफ मोड़ें, शरीर का ऊपरी हिस्सा दाहिने घुटनों तक लाने का प्रयास कीजिए। अपने हाथों और हथेलियों को भी मोड़ लीजिए। फिर पीठ की तरफ से हाथों को ले जाकर एक हाथ से दूसरे हाथ को कसकर पकड़ लीजिए। फिर अपने सिर को ऊपर की तरफ ले जाकर लंबी सांस लें। लंबी सांसें 4-5 बार लें। फिर आराम से सामान्य स्थिति में आएं। फिर शरीर के दूसरे तरफ से इस क्रिया को दोहराएं।

पासासन के दूसरे लाभ

पासासन ऐसा योगासन है जो अस्थमा के साथ दूसरी बीमारियों को भी दूर करता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर को फिट रखा जा सकता है। मासिकधर्म, साइटिका, हल्का पीठ दर्द, कंधे का दर्द या फिर गर्दन के दर्द को ठीक करने में पासासन काफी अच्छा माना जाता है। यह पोज थोड़ा टेढ़ा-मेढ़ा जरुर है लेकिन लगातार अभ्यास करने से यह आसान हो जाता है। इस आसन से पीठ, कमर और एड़ियों की मसापेशियों में खिंचाव होता है। इससे पेट की समस्याएं भी ठीक हो जाती हैं।

बाईपास सर्जरी के बाद कैसा हो मरीज का जीवन

दिल के रोगियों को कई बार एक बार बाईपास सर्जरी के बाद दोबारा सर्जरी कराने की जरूरत पड़ती है। ऐसा अक्सर सर्जरी के बाद सावधानी न लेने के परिणामस्वरूप होता है। बाईपास सर्जरी में हृदय की धमनी में आए ब्लॉकेज को निकाला नहीं जाता, बल्कि हृदय को ब्लड पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है। बाईपास सर्जरी के बाद दवाएं लेने से ब्लॉकिंग की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, लेकिन रूकती नहीं है। बाईपास सर्जरी एक निश्चित समय तक ही काम आती है। और अगर बाईपास सर्जरी के बाद सावधानी के अभाव में हृदय की धमनी का ब्लॉकिंग और भी बढ़ जाती है तो दोबारा बाईपास की जरूरत पड़ती है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जोखिम कारकों को काबू में रखना जरूरी होता है। वजन, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल आदि को नियंत्रित कर इस स्थिति को टाला जा सकता है।

बाईपास सर्जरी के बाद देखभाल

- अगर वजन ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करें। रोजाना कम से कम 4 किमी टहलें।
- अगर डायबिटीज की समस्या है तो शुगर को नियंत्रित में रखने की कोशिश करें।
- ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें, अधिक वसा युक्त चीजों से बचें और कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखें।

HEALTH | प्रतिस्पर्धा भरी दुनिया में अस्वस्थ होने का जोखिम

ये तनाव कहीं ले न ले आपकी जान

बदलाव के प्रति होने वाली एक भावनात्मक और शारीरिक प्रतिक्रिया है तनाव। हर किसी को तनाव होता है। तनाव सकारात्मक और आपको ऊर्जा देने वाला भी हो सकता है या अस्वास्थ्यकर और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करने वाला भी। हो सकता है कि कम समय-अंतरालों तक रहने वाला तनाव आपको प्रभावित न करे, लेकिन लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव आप पर प्रभाव डाल सकता है या हृदय रोग, हृदयाघात, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, आंतों में गड़बड़ी, दमा या गठिया जैसी कुछ बीमारियों को और अधिक बिगाड़ सकता है।

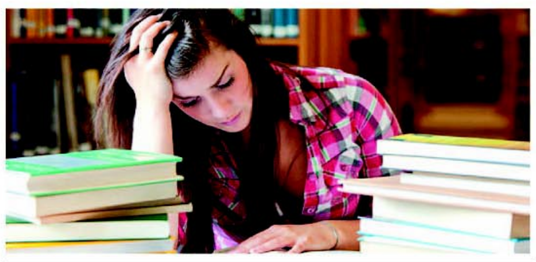

टेंशन के कई कारण...

प्रत्येक व्यक्ति के लिए तनाव के अलग-अलग कारण होते हैं। तनाव के कुछ सामान्य कारणों में परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु, बीमारी, अपने परिवार की देखरेख करना, रिश्तों में बदलाव आना, काम, नौकरी बदलना, जगह बदलना और पैसा हो सकते हैं। यहां तक कि देर तक इंतजार करना, विलंब हो जाना या भारी ट्रैफिक होना जैसी छोटी-छोटी चीजें भी तनाव का कारण हो सकती हैं।

काउंसलर की लें मदद

यदि आपको आवश्यकता हो तो किसी चिकित्सक से मदद प्राप्त करें। तनाव का सामना करने और समस्याओं से निपटने में काउंसलर आपकी मदद कर सकता है। उदासी के एहसास, घबराहट या सोने की समस्या दूर करने में सहायता के लिए आपका डाक्टर आपको दवाइयां लिखकर दे सकता है। कर्म पर ध्यान दें, परिणाम स्वतः ही उपयुक्त होगा। परिणाम चिंता का कारण है। अपने को श्रेष्ठ बनाएं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखें। दूसरों की तरह करने का प्रयत्न न करें। 'उसकी साड़ी मेरी साड़ी से सफेद कैसे' के चक्कर में न पड़ें। थोड़ा बहुत तनाव अच्छा है, इसको हम स्ट्रेस कहते हैं। इसके चलते हम प्रगति करते हैं।

इस तरह करें सामना...

तनाव के लक्षणों पर ध्यान न दें। जब ये प्रकट हों तो इसके कारण से बचने या इनके प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बदलने की कोशिश करें। कुछ ऐसा करें जो आपको तनावमुक्त करे, जैसे-धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेना, हाथ-पैर फैलाकर किए जाने वाले व्यायाम, योग, मालिश, ध्यान, संगीत सुनना, पढ़ना, गुनगुने पानी से स्नान करना या शॉवर लेना। कोई शौक पालें या कुछ ऐसा करें, जिसमें आपको आनंद आता है। जिन चीजों को आप नहीं बदल सकते, उन्हें स्वीकार करना सीखें। सकारात्मक सोच रखें। सीमा तय करें। 'नहीं' कहना सीखें। एक समय पर एक काम करें। हर रात 8 घंटे की नींद लें।

रेसिपी

आटे की रस मलाई

सामग्री

250 ग्राम आटा,1 बड़ा चम्मच घी, 50 ग्राम पिसी शक्कर, 1 छोटा चम्मच इलायची पावडर, 1 छोटी कटोरी बारीक कटी मेवा, 2 लीटर फूल क्रीम दूध, 2 टेबल स्पून शक्कर, केसर के धागे, 1 चम्मच बादाम पिस्ता कतरन, बादाम 8-10

विधि

आटे को घी में गुलाबी होने तक भूनें। उसके बाद उसमें शक्कर और 1 गिलास पानी डालकर गाढ़ा हलवा तैयार करें। दूध को शक्कर और केसर के धागे डालकर आधा रहने तक उबालें। इसे ठंडा होने दें। एक बड़ा चम्मच हलवा लेकर हथेली पर फैलाएं और इसके अंदर एक चम्मच मेवा रखकर चारों ओर से बंद करके हाथ से हल्का-सा चपटा करें। गरम तवे पर एक चम्मच घी लगाकर दोनों ओर सुनहरा होने तक सेकें। इन्हें गरम-गरम ही तैयार रबड़ी में डालें। ऊपर से पिस्ता कतरन और बादाम से सजाकर सर्व करें। रसमलाई के दूध में अपनी पसंद के अनुसार मेवा कम या ज्यादा कर सकते हैं। यानि जो मेवा आपको पसंद हो उसे डाल दीजिए और जो ना पसंद हो उसे हटा दीजिए।

पोटैटो स्टू

सामग्री

2 आलू छीलकर काट लें, 2 गाजर छीलकर काट लें, एक कप मटर, 10 फ्रेंच बीस, कटी हुई एक प्याज, लहसुन की 4 कलियां, अदरक का एक इंच बड़ा टुकड़ा, 3 हरी मिर्च, एक टुकड़ा दालचीनी, 4 लौंग, एक चम्मच काली मिर्च, 4 इलायची, 2 कप नारियल का पतला दूध, एक कप नारियल का गाढ़ा दूध, 8 करी पत्ते, स्वादानुसार चीनीस्वादानुसार नमक,

विधि

स्टू बनाने के लिए लहसुन और अदरक को पीस लें। अब एक बर्तन में तेल गर्म करें। फिर इसमें करी पत्ते, दालचीनी, लौंग, इलायची और काली मिर्च डालकर मध्यम आंच पर फ्राई करें। जब तेल से खड़े मसालों की खशबू आने लगे तो इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज सुनहरा हो जाए तो पैन में आलू, गाजर, मटर और फ्रेंच बींस डालकर चलाएं। इसके बाद सब्जियों में नारियल का पतला दूध, चीनी और नमक डालकर मिलाएं और पैन को ढक दें। अब धीमी आंच पर सब्जियों को नर्म होने तक पकाएं। जब सब्जियां पक जाएं तो पैन से ढक्कन हटाकर इसमें नारियल का गाढ़ा दूध डालें। इसके बाद मध्यम आंच पर सब्जी को एक मिनट पकाकर गैस बंद कर दें। केरल की स्पेशल वेजिटेबल स्टू तैयार है। इसे रोटी या चावल के साथ सर्व करें।

ये कॅरियर आपको जल्द बनाएंगे अमीर

हर इंसान अमीर बनने के ख्वाब देखता है। कॉलेज खत्म होने के बाद हम सबके सामने कॅरियर को चुनने का विकल्प होता है। हम उसी कॅरियर को चुनना चाहते हैं, जिसमें हम ज्यादा से ज्यादा पैसा कमा सकें और अपनी लाइफ को सही मायने में सैटल कर सकें। इस सबके लिए जरूरी है कि हम ऐसे कॅरियर का चुनाव करें जो हमें बहुत दूर तक ले जाएं। इसी से संबंधित हम आज आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे कॅरियर विकल्पों के बारे में जो आपके गोल को सही तरीके से चुनने में आपकी मदद करेंगे।

कोडिंग-डिकोडिंग दिमाग की उपज

आज के जमाने में कोडिंग-डिकोडिंग, प्रोग्रामिंग, डिजाइनिंग सब सॉफ्टवेयर क्रिएटर की दिमाग की उपज हैं, जो आज हम रोजमर्रा के लिए फेसबुक व अन्य वेबसाइट के माध्यम से इस्तेमाल करते हैं। इस जॉब के लिए आप में मैनेजमेंट स्किल के साथ इंट्रापर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है।

बनें सॉफ्टवेयर क्रिएटर

सॉफ्टवेयर क्रिएटर सॉफ्टवेयर प्रोडक्टस को डेवेलप करता है। अगर आप टेक्नोलॉजी में रुचि रखते हैं और नए-नए आइडिया सोचने में महारत हासिल रखते हैं तो यह जॉब आपके लिए है। मार्केट में हमेशा नए व हाई लेवल सॉफ्टवेयर की जरूरत रहती है। ऐसे में आपको अच्छी सैलरी पर जॉब मिल जाएगी। इस प्रोफेशन में आपके दिमाग का नए आइडिया के सोचने के लिए तेज होना जरूरी है साथ में आपके पास इंजीनियरिंग की डिग्री भी होनी चाहिए।

सबक लेकर पाएं तरक्की की राह

हर वर्ष कोई न कोई सीख दे जाता है। वर्ष 2014 ने भी ऐसी कई बातें सिखाई हैं, जिनसे सबक लेकर वर्ष 2015 में आप तरक्की की राह पकड़ सकते हैं। अधिकतर बिजनेस प्रतिभाओं की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे जूनियर लीडर्स को अधिक मौके मिल रहे हैं। यह रुझान अगले 4-5 साल कायम रहेगा। यानि इस साल भी अधिक जवान लोगों को तरक्की मिलेगी। इस मौके का लाभ लें। इस वर्ष कैंपस में मिलने वाले इंटर्नशिप के मौके 20 प्रतिशत बढ़ गए। यह रुझान भी जारी रहेगा। यदि आप छात्र हैं तो इस मौके का फायदा उठाएं। कई कंपनियों में जवान लोगों के लीडरशिप संभालने के बीच रिटायर हो रहे कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने के लिए भी कंपनियां कई प्रस्ताव दे रही हैं। यदि आप रिटायर हो रहे हैं तो पार्टटाइम काम करने का ऑफर भी हासिल कर सकते हैं। पारम्परिक नौकरी का ढंग तथा रिपोर्टिंग स्ट्रक्चर में बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में लोगों से मेल-मिलाप के कौशल को सुधारिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**